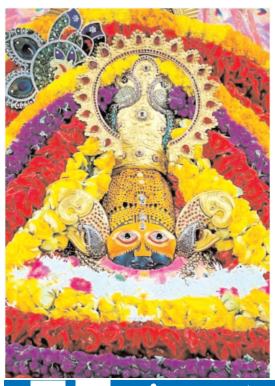

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 28। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 24 सितंबर 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

मणिनगर के 'करण भट्ट' का कुख्यात साम्राज्य

फर्जी कॉल सेंटर से करोड़ों की बेनामी संपत्ति और राजनीतिक संरक्षण पर बड़े सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। यहां के पॉश इलाके ममणिनगर के हीराभाई टॉवर के पास रहने वाले करण भट्ट के कारनामों ने राजनीति से लेकर अपराध की दुनिया में भूचाल ला दिया है। विदेशी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों और फर्जी कॉल सेंटर के नेटवर्क ने बीजेपी और पुलिस तंत्र की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

कौन है यह करण भट्ट? सामान्य व्यक्ति से करोड़ों का मालिक बनने की कहानी

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाला करण भट्ट थोड़े ही समय में करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति का मालिक बन बैठा है। विदेशी नागरिकों को अपने जाल में फंसाकर फर्जी कॉल सेंटर नेटवर्क के जरिए करोड़ों रुपए ठगने वाला यह शख्स आज कानून की आंखों में धूल झोंककर बेताज बादशाह की तरह घूम रहा है। इन घोटालों के पैसों से न केवल विलासिता का जीवन जी रहा है, बल्कि बड़े पैमाने पर निवेश करके वह अब रेस्टोरेंट मालिक और बिल्डर भी बन चुका है, ऐसे चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

विवादों से पुराना नाता: रिवॉल्वर लाइसेंस घोटाला और टिकट कटने की कहानी

करण भट्ट का नाम केवल कॉल सेंटर घोटाले तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इससे पहले फर्जी रिवॉल्वर लाइसेंस घोटाले में भी उसका नाम जोर-शोर से चर्चा में आया था। इस गंभीर मामले में नाम सामने आते ही और बढ़ते विवादों को देखते हुए कॉर्पोरेशन चुनाव के दौरान उसकी टिकट भी काट ली गई थी। रिवॉल्वर लाइसेंस घोटाले के मामले में पुलिस जांच किस दिशा में आगे बढ़ रही है और किस दबाव के तहत जांच को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया, यह आज भी एक बड़ा रहस्य बना हुआ है।

सत्ता का आशीर्वाद या राजनीतिक छत्रछाया?

सबसे बड़ा और सुलगता सवाल यह है कि बीजेपी से जुड़े इस शख्स के घोटालों के पीछे बीजेपी के किस बड़े नेता की संलिप्तता है? क्या किसी राजनीतिक रसूखदार नेता के आशीर्वाद के बिना इतना बड़ा अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर नेटवर्क चलाना संभव है?

जब विपक्षी दल और जागरूक नागरिक सवाल उठा रहे हैं, तब अब यह देखना होगा किः 1. बीजेपी हाईकमान इस मामले में क्या कड़ी कार्रवाई करेगा या मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा? 2. क्या ED (प्रवर्तन निदेशालय) या CBI द्वारा इस करोड़ों की बेनामी संपत्ति और हवाला नेटवर्क की जांच की जाएगी? 3. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पंचाल इस मामले में भ्रष्टाचारियों के खिलाफ क्या अनुशासनात्मक या कड़े कदम उठाएंगे? या फिर सत्ता के बल पर इस मामले को भी दबा दिया जाएगा?

'महानगर मेट्रो न्यूज़' सीधे सवाल पूछता है कि क्या सत्ताधारी दल का नेता होने के कारण कानून इन घोटालेबाजों के सामने आंखें मूंद लेगा? गुजरात की जनता जवाब मांग रही है!

पत्नी और दो पुजारियों की हत्या के आरोपी की मुठभेड़ में मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में पत्नी, बेटे और दो पुजारियों की हत्या के आरोपी अरविंद सिंह (42) की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई। घटना अहिरौला थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार, परिवार में चल रहे महामृत्युंजय जाप को लेकर विवाद के बाद अरविंद ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से पत्नी बबीता (40) और दो पुजारियों महेंद्र पाठक (60) तथा अखिलेश मिश्रा (55) को गोली मार दी। इसके बाद उसने अपने तीन बच्चों को कमरे में बंधक बना लिया। सूचना पर दस थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी बच्चों को नुकसान पहुंचाने की धमकी दे रहा था। स्थिति गंभीर होने पर आतंकवाद निरोधक दस्ता और विशेष अभियान दल के करीब 45 जवानों को बुलाया गया। पुलिस टीम कई घंटे तक उसे आत्मसमर्पण के लिए समझाती रही। रात करीब एक बजे आरोपी ने अपने बेटे शौर्य (9) पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने धुआं बम और आंसू गैस का इस्तेमाल कर कमरे का दरवाजा तोड़ा। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने जवानों पर छह गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में वह मारा गया। घटना में अरविंद, उसकी पत्नी, बेटा और दोनों पुजारियों की मौत हुई। परिवार में अब उसकी मां कमला देवी और दो बेटियां बची हैं। शाम करीब सात बजे अरविंद, पत्नी और बेटे का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया।

आईपीएल 2027 की नीलामी गोवा में, दिसंबर में होगी मिनी नीलामी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आईपीएल 2027 की मिनी नीलामी इस बार भारत में होगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बुधवार को बताया कि नीलामी दिसंबर में गोवा में आयोजित की जाएगी। हालांकि, इसकी तारीख अभी तय नहीं हुई है। पिछले तीन वर्षों में आईपीएल की नीलामी भारत से बाहर हुई थी। 2024 में दुबई, 2025 में सऊदी अरब के जेद्दा और 2026 में अबूधाबी में नीलामी हुई थी। बीसीसीआई इस बार नीलामी के लिए ऐसा स्थान चुनेगा, जहां फ्रेंचाइजियों और उनके प्रतिनिधिमंडलों के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था हो। अक्टूबर से दिसंबर तक देश में विवाह समारोहों का मौसम होने के कारण पांच सितारा होटलों में कमरों की उपलब्धता भी महत्वपूर्ण होगी। नीलामी के लिए बीसीसीआई को दो रातों के लिए 100 से अधिक कमरों की आवश्यकता होती है। फ्रेंचाइजियों ने विदेश में नीलामी आयोजित करने से जुड़ी यात्रा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी चिंता जताई थी। इसके बाद नीलामी को भारत में कराने का निर्णय लिया गया।

SIR पर चुनाव आयोग में मतभेद की रिपोर्ट से विवाद, आयोग बोला- सभी अंतिम फैसले सर्वसम्मति से

14 आपत्तियों की रिपोर्ट पर सियासी घमासान, विपक्ष ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेद की रिपोर्ट सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में आयोग के फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आपत्ति जताई। इनमें फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने और मतदाता आंकड़ों से जुड़े मुद्दे शामिल बताए गए हैं। हालांकि, चुनाव आयोग ने इस रिपोर्ट पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि बहुसदस्यीय संवैधानिक संस्था में अलग-अलग सुझाव और विचार सामने आना सामान्य प्रक्रिया है। आयोग के अनुसार, पिछले एक वर्ष में लिए गए सभी अंतिम फैसले, जिनमें SIR भी शामिल है, सदस्यों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं। भाजपा ने भी चुनाव आयुक्तों के बीच अलग-अलग राय को स्वस्थ लोकतंत्र का हिस्सा बताया है। वहीं विपक्षी दलों ने रिपोर्ट को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठाए हैं और कार्रवाई की मांग की है। चुनाव आयोग ने पिछले एक वर्ष में करीब 40 नई पहल और चुनावी सुधार किए जाने की जानकारी दी है। विवाद के बीच अब सवाल यह है कि आयोग के भीतर सामने आई आपत्तियां केवल सामान्य विचार-विमर्श का हिस्सा थीं या फिर महत्वपूर्ण चुनावी फैसलों पर वास्तविक मतभेद भी मौजूद थे। आयोग का कहना है कि किसी संवैधानिक संस्था में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय सामने आना असामान्य नहीं है। हालांकि, आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि पिछले एक वर्ष में लिए गए अंतिम निर्णयों में SIR समेत सभी प्रमुख फैसलों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। ऐसे में अब असली सवाल यह है कि मीडिया रिपोर्ट में जिन आपत्तियों का उल्लेख किया गया है, वे केवल आंतरिक चर्चा तक सीमित थीं या कुछ फैसलों को लेकर गंभीर मतभेद भी सामने आए थे। इस अंतर को समझना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि चुनाव आयोग के फैसलों का सीधा संबंध मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता से है। विपक्षी दल इस रिपोर्ट को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि भाजपा ने इसे सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया है। अब विवाद का अगला चरण राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर तथ्यों और दस्तावेजों की जांच पर निर्भर करेगा। 'प्रणाली पर उठे सवालों ने पारदर्शिता और जवाबदेही की चर्चा को भी तेज कर दिया है।

मीराबाई चानू ने 28 साल बाद भारत को दिलाया वेटलिफ्टिंग पदक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मीराबाई चानू ने एशियाई खेलों में भारत को 28 साल बाद वेटलिफ्टिंग का पदक दिलाया। महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में उन्होंने कुल 198 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक जीता। मीराबाई ने स्नैच में 87 और क्लीन एंड जर्क में 111 किग्रा वजन उठाया। इससे पहले 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने वेटलिफ्टिंग में भारत के लिए रजत पदक जीता था। यह एशियाई खेलों में मीराबाई का पहला पदक है। भारत को खेलों के चौथे दिन अब तक चार पदक मिल चुके हैं। निशानेबाजी के स्कीट टीम मुकाबलों में महिला और पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीते, जबकि सॉफ्ट टेनिस में जय मीणा ने पदक दिलाया। वे भावुक हो गईं।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कानून पर सुप्रीम कोर्ट का बंटा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून की संवैधानिक वैधता पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बंटा हुआ फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ इस सवाल पर सुनवाई कर रही थी कि मामले को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेजा जाए या नहीं। पांच दिन की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति दत्ता ने मामले को बड़ी पीठ के पास भेजने का प्रस्ताव खारिज कर दिया, जबकि न्यायमूर्ति शर्मा ने इसके पक्ष में फैसला दिया। दोनों न्यायाधीश इस बात पर सहमत रहे कि मामले को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के समक्ष भेजा जाए। अब बड़ी पीठ के गठन पर अंतिम निर्णय मुख्य न्यायाधीश करेंगे। याचिकाकर्ताओं ने 2023 के उस कानून को चुनौती दी है, जिसमें चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए गठित चयन समिति में मुख्य न्यायाधीश को शामिल नहीं किया गया है। वर्तमान व्यवस्था में समिति में प्रधानमंत्री, उनके द्वारा नामित केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश वाली समिति की व्यवस्था दी थी। संसद द्वारा कानून बनाए जाने तक इसे लागू रखने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद दिसंबर 2023 में संसद ने नया कानून पारित किया।

रानी मुखर्जी की मां के निधन पर पहुंचे बॉलीवुड स्टार्स, हुआ अंतिम संस्कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेत्री रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी का मंगलवार शाम जुहू स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। 75 वर्षीय कृष्णा मुखर्जी का मंगलवार दोपहर निधन हुआ था। उनकी मौत की वजह का खुलासा नहीं किया गया है। अंतिम संस्कार में शाहरुख खान पत्नी गौरी खान के साथ पहुंचे। आमिर खान, आलिया भट्ट, करण जौहर, फरहान अख्तर, जोया अख्तर, आशुतोष गोवारिकर और अनिल कपूर समेत कई फिल्मी हस्तियों ने रानी मुखर्जी के घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। परिवार ने लोगों से निजता बनाए रखने की अपील की है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात अर्नब तेज, रात तक तट से टकराने की आशंका; कई राज्यों में बारिश का अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अर्नब पिछले छह घंटे में 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा है। बुधवार सुबह 5:30 बजे यह आंध्र प्रदेश के कलिंगपट्टनम से करीब 70 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित था। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात के बुधवार रात तक कलिंगपट्टनम के आसपास तट से टकराने की आशंका है। चक्रवात के प्रभाव से कई राज्यों में बारिश का दौर जारी है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, सिवनी और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बिहार के सभी 38 जिलों में बारिश की चेतावनी है, जबकि उत्तर प्रदेश के 41 जिलों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लखनऊ समेत कई इलाकों में बुधवार सुबह तेज बारिश हुई, वहीं उन्नाव में भी बारिश के कारण सड़कों और गलियों में पानी भर गया। इस बीच दिल्ली से मानसून की विदाई सामान्य समय से दो दिन पहले हो गई। आमतौर पर मानसून 25 सितंबर के आसपास दिल्ली से लौटता है। इस बार राजधानी में सामान्य 629.7 मिमी के मुकाबले 728.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो करीब 16 प्रतिशत अधिक है। दूसरी ओर, राजस्थान में बारिश थमने के बाद तापमान में तेजी आई है। जैसलमेर में तापमान 41 डिग्री और बीकानेर व बाड़मेर में 40 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। सितंबर में मई जैसी गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों के अलावा उत्तर प्रदेश और गुजरात के कुछ इलाकों से भी लौट चुका है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से अगले दो-तीन दिनों में मानसून की विदाई शुरू होने की संभावना है।

CBSE ने 10वीं-12वीं के सैंपल पेपर जारी किए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। CBSE ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के लिए विषयवार सैंपल क्वेश्चन पेपर और मार्किंग स्कीम जारी कर दी है। छात्र इन्हें बोर्ड की आधिकारिक अकादमिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। सैंपल पेपर में प्रश्नपत्र का प्रारूप, सेक्शन, प्रश्नों के प्रकार और अंकों का विवरण दिया गया है। मार्किंग स्कीम से छात्रों को उत्तरों के मूल्यांकन और अंक देने की प्रक्रिया समझने में मदद मिलेगी। बोर्ड के अनुसार, 2026-27 में पासिंग क्राइटेरिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दोनों कक्षाओं की विस्तृत परीक्षा समय-सारणी अक्टूबर 2026 तक जारी होने की उम्मीद है।

अमरेली में 25 लाख की करेंसी से सजे गणपति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली। गुजरात के अमरेली में गणपति महोत्सव के दौरान अनोखी सजावट आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां गणपति बप्पा को करीब 25 लाख रुपये की भारतीय मुद्रा और अमेरिकी डॉलर के नोटों से सजाया गया है। सद्भावना ग्रुप ने यह भव्य सजावट तैयार करने में एक महीने से अधिक समय लगाया। नोटों से सजे गणपति के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

भाजपा ने बदले राज्यों के प्रभारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। भाजपा ने राजस्थान के प्रदेश प्रभारी को बदलते हुए डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल की जगह संजय भाटिया को जिम्मेदारी दी है। कविता पाटीदार और कुलजीत चहल को राजस्थान का सह-प्रभारी बनाया गया है। पार्टी ने 36 राज्यों में प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए हैं। राजस्थान से जुड़े नेताओं में सतीश पूनिया को पंजाब के साथ जम्मू-कश्मीर का प्रभारी बनाया गया है, जबकि अलका गुर्जर को पंजाब में सह-प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है। सुनील बंसल को पश्चिम बंगाल और तेलंगाना का प्रभारी बनाया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन ने अपनी टीम में यह पहला बड़ा फेरबदल किया है। नए दायित्वों में राजस्थान से जुड़े तीन नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिली हैं।

एसडी पे घोटाले में हाहाकार

क्या पंकज पटेल और नरेंद्रसिंह सोलंकी विदेश भाग गए या देश में ही हैं? जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

केवडिया। गांधीनगर। गुजरात के अब तक के सबसे बड़े वित्तीय और साइबर घोटालों में से एक चर्चित 'SD Pay' (अपना पे) घोटाले को लेकर पूरे राज्य में हड़कंप मच गया है। सोशल मीडिया और आम चर्चा में ऐसे गंभीर सवाल उठ रहे हैं कि इस घोटाले के मुख्य नामों में शुमार पंकज पटेल और नरेंद्रसिंह सोलंकी क्या विदेश भाग गए हैं? अपने ही समाज और आम लोगों की गाढ़ी कमाई पर डाका डालकर इन ठगों के विदेश फरार हो जाने की चर्चाओं के बीच जांच में असलियत क्या सामने आई है, यह जानना बेहद जरूरी है।

जांच में क्या खुलासा हुआ?

आधिकारिक पुलिस सूत्रों और एस.आई.टी. की जांच के मुताबिक, अमरेली साइबर क्राइम और पुलिस द्वारा इस विशाल पोंजी स्कीम घोटाले का पर्दाफाश किया गया है। पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ है कि इस घोटाले के मुख्य सूत्रधार धवल पटेल और हिरेन शाह समेत अन्य आरोपियों को दबोच लिया गया है, जबकि नरेंद्रसिंह सोलंकी समेत अन्य संदिग्ध आरोपी पुलिस के रडार पर हैं और उनकी संलिप्तता को लेकर पुख्ता सबूत जुटाए जा रहे हैं। आरोपी देश छोड़कर भाग न सकें, इसके लिए पहले ही लुकआउट सर्कुलर जारी किया जा चुका है और पुलिस इस मामले में सक्रियता से जांच कर रही है।

ApnaPay SD Pay

हजारों करोड़ का महाठगी घोटाला

आज इस घोटाले का विस्तृत स्वरूप सामने आ रहा हैः 1,060 करोड़ से अधिक के संदिग्ध लेनदेनः जांच में करीब सात फर्जी कंपनियां (जैसे SD Hub, Shivdharti Communication, Upay Digi Payment आदि) बनाकर लगभग 17 बैंक खातों में 1,060 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है।

10 लाख से अधिक यूजर्स फंसे: गुजरात समेत देश के 6 अलग-अलग राज्यों में फैले इस नेटवर्क में लगभग 10 लाख से अधिक यूजर्स और निवेशक जुड़े होने की बात सामने आई है।

9% मासिक रिटर्न का लालच: आम लोगों को हर महीने 9% कैशबैक और भारी-भरकम मुनाफे का झांसा देकर मल्टी-लेवल रेफरल सिस्टम के जरिए करोड़ों रुपये ऐंठे गए थे।

गुजरात पुलिस, आईबी और क्राइम ब्रांच पर उठे सवाल!

प्रजा आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए यह सवाल पूछ रही है कि जब इतना बड़ा नेटवर्क लंबे समय से धड़ल्ले से चल रहा था, तब खुफिया तंत्र, क्राइम ब्रांच और पुलिस क्या कुंभकर्णी नींद सो रही थी? जब आम नागरिकों और अपने ही समाज के भोले-भाले लोगों को ऊंचे मुनाफे का लालच देकर ठग करोड़ों रुपये लूट ले गए, तब सुरक्षा एजेंसियां इतनी देर से क्यों जागीं? क्या इस घोटाले के सभी बड़े मगरमच्छ कानून के शिकंजे में आएंगे या फिर सिर्फ मोहरों को गिरफ्तार करके मामला रफा-दफा कर दिया जाएगा? जनता और निवेशकों की बस एक ही मांग है कि सभी फरार और संलिप्त आरोपियों को तुरंत पकड़कर सख्त से सख्त सजा दी जाए और लूटा गया धन वापस दिलाया जाए।

सीएम, दीया-राज्यवर्धन के गढ़ से रिकॉर्ड तोड़ जेन-जी पार्षदःडोटासरा-पायलट के इलाके में 40-40 जीते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनावों में इस बार बड़ी संख्या में युवा चेहरे चुनाव जीतकर सामने आए हैं। 10,244 पार्षद पदों के नतीजों में 1,094 यानी 10.68 प्रतिशत पार्षद 29 वर्ष या उससे कम उम्र के हैं। वहीं 30 वर्ष तक के पार्षदों की संख्या 1,388 यानी 13.55 प्रतिशत है। जिलेवार आंकड़ों में झुंझुनूं में सबसे अधिक 73 युवा पार्षद चुने गए, जबकि सलूंबर में इनकी संख्या तीन रही। पांच निकायों–साहवा, मेड़ता सिटी, रानीखुर्द, सुमेरपुर और मंडार–में 30 वर्ष तक का एक भी पार्षद नहीं चुना गया। युवा चेहरों में जयपुर के 21 वर्षीय फैज हसन और अलवर की 21 वर्षीय नेहा जोशी जैसे नाम भी शामिल हैं। वहीं अकलेरा नगरपालिका की अध्यक्ष 22 वर्षीय यांशिका मेवाड़ा बनी हैं। लेकिन आंकड़े कुछ राजनीतिक सवाल भी खड़े करते हैं–क्या युवाओं को टिकट देना राजनीतिक दलों की स्थायी रणनीति बनेगा या यह केवल निकाय चुनाव तक सीमित रहेगा? क्या युवा पार्षदों को निर्णय लेने की वास्तविक भूमिका मिलेगी या वे केवल राजनीतिक दलों के स्थानीय संगठन का हिस्सा बनकर रह जाएंगे? और क्या 10.68 प्रतिशत Gen-Z प्रतिनिधित्व को राजस्थान की स्थानीय राजनीति में पीढ़ीगत बदलाव का पर्याप्त संकेत माना जाए, या इसके लिए अगले चुनावों में भी ऐसी ही भागीदारी देखना जरूरी होगा?

सोने-चांदी के दाम में लगातार तीसरे दिन गिरावट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 23 सितंबर को लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। IBJA के अनुसार, 24 कैरेट सोना 120 रुपए गिरकर 1.52 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं, चांदी 156 रुपए सस्ती होकर 2.33 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई। पिछले तीन दिनों में सोना करीब 1,700 रुपए और चांदी करीब 4,000 रुपए सस्ती हुई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के बीच दोनों धातुओं की कीमतों में आगे भी उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

डभोई के भिलापुर के पास चलती कार आग के गोले में तब्दील

फिल्मफेयर पुरस्कार में जाते वीवीआईपी ट्रैफिक के बीच टला बड़ा हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। वडोदरा मार्ग पर आज भिलापुर गांव के पास एक दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ वडोदरा की तरफ से डभोई की ओर तेज रफ्तार से आ रही एक कार में अचानक यांत्रिक खराबी (तकनीकी गड़बड़ी) के कारण आग लग गई। कुछ ही पलों में यह कार धू-धू कर जलने लगी, जिससे मुख्य मार्ग पर भारी भगदड़ मच गई। हालांकि, कार चालक की सूझबूझ के कारण अंदर सवार सभी यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। वर्तमान में वडोदरा से स्टेच्यू ऑफ यूनिटी (केवडिया) की ओर जाने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर वीवीआईपी गाड़ियों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। देश-विदेश के जाने-माने नेता, अभिनेता और उच्च अधिकारियों के काफिले केवडिया में आयोजित भव्य फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह में शामिल होने के लिए इसी रास्ते से गुजर रहे हैं। इस हाई-प्रोफाइल ट्रैफिक और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मार्ग पर चलती कार के अचानक आग की चपेट में आने से हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, कार चालक को गाड़ी से धुआँ निकलता महसूस होते ही उसने तुरंत सावधानी बरती। उसने तेज रफ्तार कार को सड़क के किनारे बने साइड-पट्टे पर रोक दिया और चालक सहित कार में सवार सभी यात्री एक पल की भी देरी किए बिना नीचे उतरकर सुरक्षित दूरी पर चले गए। यात्रियों के बाहर निकलने के कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया घटना की सूचना मिलते ही भिलापुर आउटपोस्ट पुलिस का तुरंत मौके पर पहुँची और हाईवे पर लगे ट्रैफिक को सुचारू करने का काम शुरू किया। दूसरी ओर, सड़क के बीचों-बीच धू-धू कर जलती कार को देखने के लिए हज़ारों वाहन चालक और राहगीर जमा हो गए। फिल्मफेयर पुरस्कार में जा रहे कई देसी-विदेशी मेहमान भी इस भयानक दृश्य को देखकर हैरान रह गए। हवा की तेज गति और आग की भयंकर लपटों के कारण देखते ही देखते पूरी कार सड़क पर ही जलकर खाक हो गई।

तालाब से हाथ-पैर बंधे हुए युवक का संदिग्ध शव मिलने से सनसनी, तीन दिन से लापता गुरुशरण की हत्या की प्रबल आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तहसील के साथोद गांव से एक बेहद दहला देने वाली और रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। साथोद गांव के तालाब से हाथ-पैर रस्सी से क्रूरतापूर्वक बंधे हुए एक युवक का संदिग्ध शव मिलने से पूरे पंथक में भारी सनसनी और दहशत फैल गई है। मृतक युवक की पहचान साथोद गांव की नवीनगरी में रहने वाले तडवी गुरुशरणभाई कोईजीभाई के रूप में हुई है, जो पिछले तीन-चार दिनों से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता थे। घटना की जानकारी के मुताबिक, साथोद गांव के तालाब में पानी की सतह पर एक शव संदिग्ध हालत में तैरने की खबर स्थानीय ग्रामीणों को मिली। यह बात आग की तरह पूरे गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में आसपास के लोग तालाब के किनारे दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने जब शव को नजदीक से देखा तो उनके होश उड़ गए। युवक के हाथ और पैर रस्सी तथा प्लास्टिक से मजबूती से बंधे हुए थे। इस दृश्य को देखते ही यह स्पष्ट हो गया कि यह कोई सामान्य डूबने की घटना नहीं, बल्कि एक जघन्य अपराध है। तालाब से बाहर निकाले गए इस शव की पहचान की प्रक्रिया करने पर पता चला कि यह गांव की नवीनगरी में रहने वाले और पिछले तीन दिनों से लापता तडवी गुरुशरणभाई का ही है। युवक का शव मिलने के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और घर-आंगन में चीख-पुकार व शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के सदस्य की इस प्रकार की संदिग्ध मौत से पूरा गांव स्तब्ध रह गया है। इस सनसनीखेज घटना की सूचना मिलते ही डभोई पुलिस स्टेशन के पीआई के. टी. पटेल सहित पुलिस का काफिला तुरंत मौके पर पहुंच गया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए पुलिस ने तुरंत पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की। प्राथमिक दृष्टि से युवक के हाथ-पैर बंधे होने के कारण किसी ने पूर्व नियोजित साजिश रचकर उसकी निर्मम हत्या कर दी है और सबूत मिटाने के लिए शव को तालाब में फेंक दिया था।

आणंद के पारिख भवन इलाके में खाकी को खुला चैलेंज: पुलिस चौकी से महज 500 मीटर की दूरी पर धड़ल्ले से बिक रहा अंग्रेजी शराब,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। गुजरात में कागजों पर शराबबंदी के कड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही दास्तां बयां कर रही है। आणंद टाउन पुलिस स्टेशन क्षेत्र के संवेदनशील माने जाने वाले पारिख भवन और गामड़ी पुलिस चौकी इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे और खाकी वर्दी को खुला चैलेंज देते हुए सरेआम अंग्रेजी शराब बेचे जाने का पर्दाफाश हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, गामड़ी पुलिस चौकी से महज 500 मीटर और पुलिस क्वार्टर से सिर्फ 200 मीटर की दूरी पर स्थित मुख्य मार्ग पर हरी नेट से घिरे एक मकान में बेरोकटोक विदेशी शराब का कारोबार चल रहा है। पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर चल रहे इस अवैध धंधे ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस चौकी के इतने करीब चल रहे इस अवैध कारोबार को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष देखा जा रहा है। फिलहाल पूरे राज्य में स्वच्छता अभियान के तहत साफ-सफाई के बड़े-बड़े कार्यक्रम चल रहे हैं, ऐसे में सवाल यह उठता है कि समाज में व्यसनों और अपराध की गंदगी फैलाकर डर का माहौल पैदा करने वाले ऐसे बुटलेगरों की सफाई कौन करेगा? कानून के रखवालों की रहमुनत के तहत चल रहे ऐसे अड्डे युवाओं और समाज को बर्बाद कर रहे हैं। इस पूरी विवादित घटना के बाद सोशल मीडिया पर एक कथित ऑडियो वायरल हो रहा है, जो एक पत्रकार और शराब के कारोबार से जुड़े शख्स (बुटलेगर) के बीच का बताया जा रहा है। इस ऑडियो क्लिप में गुजरात की तथाकथित शराबबंदी और भ्रष्ट व्यवस्था के बारे में जो बातें सामने आई हैं, वे बहुत कुछ बयां करती हैं और तंत्र की पोल खोलकर रख देती हैं।

नरोडा से डेढ़ करोड़ की कीमत की स्पर्म व्हेल की कीमती 'एम्बरग्रिस' के साथ तीन शख्स गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में अवैध और प्रतिबंधित सामानों की तस्करी के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने एक बार फिर कड़ी कार्रवाई की है। शहर के संवेदनशील माने जाने वाले नरोडा इलाके से क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपये की कीमत रखने वाले व्हेल मछली के अवशेष के साथ तीन लोगों को रंगे हाथों दबोच लिया है। इस कार्रवाई से वन्यजीव तस्करों और सौदागरों में भारी हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम को एक गुप्त सूचना मिली थी कि नरोडा इलाके में कुछ लोग अवैध रूप से व्हेल मछली के कीमती पदार्थ की हेराफेरी कर रहे हैं। इस टिप के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर महेश राठौड़, किरण उर्फ भूरा भरवाड़ और करण गोंड नामक तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से करीब 1.50 करोड़ रुपये की कीमत का 1.051 किलोग्राम वजन वाला शुद्ध एम्बरग्रिस जब्त किया गया है। दरअसल, एम्बरग्रिस स्पर्म व्हेल मछली द्वारा उत्सर्जित होने वाला एक पदार्थ है, जिसे आम बोलचाल में 'व्हेल की उल्टी' भी कहा जाता है। यह पदार्थ समुद्र में तैरता रहता है और समय के साथ सख्त हो जाता है। परफ्यूम (सुगंधित द्रव्य) बनाने वाले अंतरराष्ट्रीय उद्योगों में इस पदार्थ की भारी मांग होने के कारण बाजार में इसकी कीमत करोड़ों में आंकी जाती है। व्हेल मछलियां संरक्षित वन्यजीवों की श्रेणी में आती हैं, इसलिए इस तरह के अंगों या अवशेषों को अपने पास रखना या बेचना वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत एक गंभीर अपराध है।

गरीब छात्रों के हक की मुफ्त मिलने वाली किताबें Amazon पर धड़ल्ले से बिक रही हैं! कांग्रेस का सरकार पर आक्रामक प्रहार

Amazon पर 'सरकारी मुहर' वाली लूट, सवालों के घेरे में ई-कॉमर्स दिग्गज!

मुफ्त की किताब, 250 का बिल: गुजरात शिक्षा विभाग में बड़ा खेल

'नो डिलीवरी चार्ज' के दावे की खुली पोल, मार्किटप्लेस फीस के नाम पर अभिभावकों की जेब पर डाका!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल लंबे समय से प्रशासनिक गड़बड़ियों, लापरवाही और गंभीर प्रश्नों के कारण चर्चा में रहा है, लेकिन अब जो मामला सामने आया है, वह केवल प्रशासनिक भूल नहीं है, बल्कि जरूरतमंद छात्रों के हक से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ अत्यंत गंभीर मामला है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के प्रवक्ता और मीडिया कोऑर्डिनेटर श्री हेमंत रावल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि जो पाठ्यपुस्तकें राज्य सरकार की मुफ्त योजना के तहत पात्र छात्रों को मुफ्त में मिलने वाली हैं, वही किताबें ,ढ्डड्रश्वट्ट जैसे व्यावसायिक प्लेटफॉर्म पर पैसे लेकर बेचे जाने का गंभीर आरोप कांग्रेस पार्टी लगा रही है।

मुख्य बिंदु और धारदार सवाल मंजूरी किसने दी?: जो किताब गरीब छात्र को मुफ्त में देनी है, उसी किताब के नाम पर अभिभावकों से रुपए वसूलने की मंजूरी किसने दी?

व्यापारीकरण के खिलाफ आक्रोश: पाठ्यपुस्तक मंडल की लापरवाही से अब गरीबों के हक की किताबों का भी बाजारीकरण हो गया है, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सरकार तत्काल कार्रवाई करे।

छिपी हुई लूट : सरकार ने घोषणा की थी कि किसी भी प्रकार का डिलीवरी चार्ज नहीं लिया जाएगा, लेकिन Amazon पर प्रत्येक ऑर्डर पर MRP से अधिक 'मार्केट प्लेस' के नाम पर चार्ज वसूला जा रहा है।

Amazon पर खुलेआम चल रहा है घोटाला

श्री रावल ने बताया कि Amazon पर उपलब्ध पाठ्यपुस्तक के मुख्य पृष्ठ पर ही स्पष्ट शब्दों में "राज्य सरकार की मुफ्त योजना के तहत की पुस्तक" लिखा होता है। यानी यह कोई आम बाजार में बिकने वाली किताब नहीं है, बल्कि सरकार की मुफ्त पुस्तक वितरण व्यवस्था का हिस्सा है। इसके बावजूद कक्षा 8, 11 और 12 के कंप्यूटर साइंस, हिस्ट्री, अकाउंट्स, साइकोलॉजी, योग समेत विभिन्न विषयों की किताबें Amazon पर 250 रुपए से अधिक कीमत पर उपलब्ध होने की जानकारियां सामने आ रही हैं। एक तरफ सरकार गरीब छात्रों को मुफ्त शिक्षा और सुविधाएं देने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं करती है और दूसरी तरफ उन्हीं छात्रों के हक की किताबों की ऑनलाइन बिक्री होती है, तो इस पूरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। यदि ये किताबें वास्तव में मुफ्त योजना के तहत की किताबें हैं, तो इन्हें Amazon पर बेचने की मंजूरी किसने दी?

इन किताबों का जत्था Amazon तक कैसे पहुंचा? किसने सप्लाई किया? किसकी मंजूरी से हुआ?

पारदर्शिता का अभाव और अभिभावकों की लूट:

और अधिक गंभीर बात यह है कि कुछ समय पहले शिक्षा मंत्रीजी और पाठ्यपुस्तक मंडल के चेयरमैन द्वारा Amazon से किताबें मंगवाने की व्यवस्था को लेकर ऐसी घोषणा की गई थी कि अभिभावकों से कोई डिलीवरी चार्ज नहीं लिया जाएगा। लेकिन वास्तविक ऑर्डर प्रक्रिया में प्रत्येक ऑर्डर पर अतिरिक्त 'Marketplace Fee वसूले जाने का मुद्दा भी सामने आया है। यदि सरकार की घोषणा 'डिलीवरी चार्ज नहीं' की थी, तो यह अतिरिक्त चार्ज क्यों? सरकार के नाम पर की जाने वाली व्यवस्था में पारदर्शिता कहां है? अभिभावकों को सही जानकारी कौन देगा? यह मामला केवल एक किताब की बिक्री का नहीं है, बल्कि यह पूरा प्रकरण सरकार के शिक्षा तंत्र की जिम्मेदारी, पारदर्शिता और गरीब छात्रों के अधिकारों से जुड़ा हुआ है। राज्य में ऐसे लाखों छात्र हैं जिनके लिए सरकार द्वारा मुफ्त पाठ्यपुस्तक की व्यवस्था की जाती है।

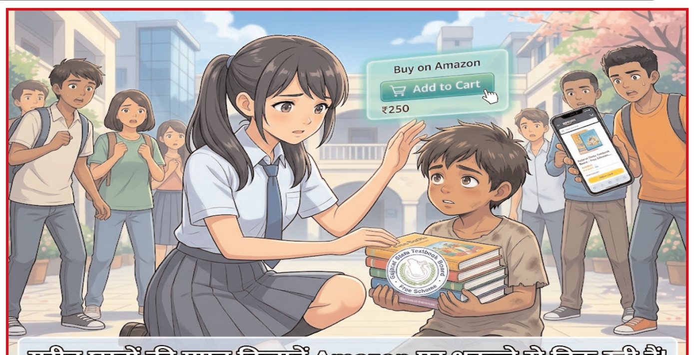

गरीब छात्रों की मुफ्त किताबें Amazon पर धड़ल्ले से बिक रही हैं! कांग्रेस का सरकार पर आक्रामक प्रहार

बिक्री से मिलने वाला पैसा किसके खाते में जाता है?

जो किताब सरकार गरीब छात्र को मुफ्त देने वाली है, उसके लिए सरकार के तंत्र द्वारा या उसकी व्यवस्था के तहत अभिभावकों से पैसे क्यों लिए जा रहे हैं?

साबरकांठा में 'से नो टू ड्रग्स' अभियान के तहत पुलिस की बड़ी स्ट्राइक: पोशिना पुलिस ने राजस्थान बॉर्डर से घुसाए जा रहे अंडरवर्ल्ड जैसे गांजे की खेप को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। गुजरात में युवा पीढ़ी को बर्बाद करने की नापाक हरकतों के खिलाफ खाकी वर्दीधारियों ने अब सख्त रुख अपना लिया है। साबरकांठा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र पोशिना पुलिस स्टेशन के इलाके में ड्रग्स और नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है। 'से नो टू ड्रग्स' अभियान के तहत पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये के गांजे के साथ एक शख्स को सलाखों के पीछे धकेल दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पोशिना पुलिस स्टेशन के स्टाफ को सूचना मिली थी कि राजस्थान की ओर से सीमावर्ती इलाके के रास्ते अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही है। इसी पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस ने रणनीतिक रूप से देलवाड़ा आउटपोस्ट के पास कड़ी नजर (वॉच) रखी थी। इसी दौरान, संदिग्ध हालत में गुजर रहे एक मोटरसाइकिल चालक को रोककर पुलिस ने सख्ती से जांच-पड़ताल की। पुलिस ने जब मोटरसाइकिल सवार से पूछताछ की और उसकी पीठ पर रखे स्कूल बैग की तलाशी ली, तो खाकीधारी भी हैरान रह गए। स्कूल बैग के अंदर प्लास्टिक की थैली में छिपाकर लाया गया 2.539 किलोग्राम सूखा गांजा बरामद हुआ। स्कूल बैग का इस्तेमाल बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए होता है, लेकिन ऐसे तस्कर इसका इस्तेमाल नशे के कारोबार के लिए कर रहे हैं, यह देखकर स्थानीय लोगों में भी भारी आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने इस ऑपरेशन में गांजा, एक मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल की गई टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल समेत कुल 1,61,950/- (एक लाख इकसठ हजार नौ सौ पचास रुपये) का सामान जब्त किया है। इस मामले में प्रवीणकुमार गगाभाई बुकोलिया नामक आरोपी को गिरफ्तार करके उसके खिलाफ कानूनी और सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्राथमिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि आरोपी गांजे की यह खेप राजस्थान सीमा की तरफ से लेकर देलवाड़ा इलाके की तरफ आ रहा था। गुजरात में नशा घुसाने के इस रैकेट के पीछे अन्य कौन-से बड़े चेहरे शामिल हैं और यह माल कहां डिलीवर किया जाना था, इस संबंध में पोशिना पुलिस ने गहन जांच शुरू कर दी है। नशा कारोबारियों के खिलाफ पुलिस की इस तरह की आक्रामक कार्रवाई से शराब तस्करों और ड्रग्स माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

सचिन जीआईडीसी के उद्योगपतियों पर बिना ट्रीटमेंट जहरीला पानी छोड़ने का सनसनीखेज आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शहर में उद्योगपतियों और रसूखदारों की मनमानी और लापरवाही किस हद तक बढ़ चुकी है, इसका एक और भयानक मामला सामने आया है। सचिन जीआईडीसी के उद्योगपतियों पर नियमों को ताक पर रखकर बिना किसी ट्रीटमेंट के कथित रूप से जहरीला और खतरनाक पानी खुलेआम छोड़ने का गंभीर आरोप लगा है। इस घिनौनी हरकत से पर्यावरण और स्थानीय नागरिकों की सेहत पर मंडरा रहे खतरे को लेकर पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है। यह पूरा मामला सूरत महानगरपालिका के उधना जोन-बी के विस्तार में आने वाले ट्रंडी गांव के पास का है। आरोप है कि औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले जहरीले और अपोशोधित केमिकल युक्त पानी को खुलेआम छोड़ा जा रहा है, जिससे आसपास के इलाके में प्रदूषण का जहर घुल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सूरत शहर कांग्रेस महामंत्री अवधेश मौर्या ने तुरंत एक्शन लेते हुए गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आधिकारिक सूचना दी है और इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह कथित जहरीला पानी सूरत महानगरपालिका के ट्रीटमेंट प्लांट से ओवरफ्लो होकर निकला है या फिर सचिन जीआईडीसी के लापरवाह और बेपरवाह उद्योगपतियों ने अपने नापाक फायदों के लिए इसे जानबूझकर छोड़ा है।

नडियाद मनपा का अजब कारनामा: कलेक्टर कार्यालय और जिला पंचायत के आंगन में ही उफरा गंदा पानी

VVIP सुविधा के दावे खोखले, आवेदक दुर्गंध के बीच प्रवेश करने को मजबूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। स्वच्छता और विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाली नडियाद महानगरपालिका का असली चेहरा अब सबके सामने बेनकाब हो गया है। नडियाद मनपा आम नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में तो पहले से ही नाकाम साबित हो रही थी, लेकिन अब तो हद ही हो गई है क्योंकि प्रशासनिक तंत्र के बड़े अधिकारियों और VVIP लोगों के बैठने वाले परिसरों में भी पालिका की लापरवाही के कारण हाहाकार मचा हुआ है।

कलेक्टर कार्यालय और जिला पंचायत के आंगन में ही गंदे पानी का तांडव!

हकीकत यह है कि शहर के मुख्य इलाके में स्थित जिला पंचायत कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण सरकारी परिसरों के मुख्य आंगन में ही सीवर का गंदा पानी उफना रहा है और उसका गंदा बहाव खुले में फैल गया है। चारों तरफ स्वच्छता का ढिंढोरा पीटने वाली नडियाद मनपा की घोर लापरवाही के कारण इन सरकारी कार्यालयों के आसपास सीवर की जानलेवा दुर्गंध और बदबू फैल चुकी है। स्थिति यह है कि यहां अपने काम से दूर-दूर से आने वाले अनगिनत आवेदकों और अंदर बैठने वाले सरकारी अधिकारियों को भी नाक पर रुमाल रखकर या मजबूरी में इस गंदे पानी की बदबू के बीच से ही कार्यालय में प्रवेश करने की शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

बेचारी मनपा इतनी जगहों पर आखिर कैसे पहुंचे..?

जनता कटाक्ष भरे अंदाज में पूछ रही है कि नडियाद मनपा का तंत्र क्या इतनी ज्यादा 'विकासात्मक' गतिविधियों में व्यस्त है कि उसे कलेक्टर और जिला पंचायत कार्यालय के दरवाजे के आगे बहता गंदा नाला दिखाई नहीं दे रहा? VVIP महानुभावों और उच्च अधिकारियों के दफ्तरों के बाहर अगर यह हाल है, तो आम बस्तियों और गरीब इलाकों की दशा कैसी होगी, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। मनपा प्रशासन से अब आवेदक और अधिकारी मांग भी करें तो क्या मांगें? क्योंकि कागजों पर स्वच्छता अभियान चलाने वाली यह पालिका ज़मीनी हकीकत में निष्क्रियता के गर्त में डूबी हुई है!क्या नडियाद मनपा के सत्ताधीशों और संबंधित अधिकारियों की आंखें तभी खुलेंगी जब इन नालों का पानी कार्यालयों के अंदर घुस जाएगा? जनता के टैक्स के पैसों को बर्बाद करके विकास के झूठे दावे करने वाले नडियाद मनपा के इस भ्रष्ट और निकम्मे प्रशासन के खिलाफ अब जनता में भारी गुस्सा भड़क उठा है। अगर तुरंत प्रभाव से इस सीवर समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा ऐसी चेतावनी भी दी जा रही है।

खाकी का नशा चरम पर: नरोडा पुलिस स्टेशन का कर्मी गौरांग दवे नशे में धुत होकर कार से दुर्घटना कर फरार,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नरोडा। गुजरात में कानून और व्यवस्था बनाए रखने की जिनकी जिम्मेदारी है, वे ही खाकी वर्दीधारी जब कानून की धज्जियां उड़ाने पर उतर आएं, तो आम जनता किससे न्याय मांगे? अहमदाबाद शहर से पुलिस विभाग की साख को कलंकित करने वाली एक बेहद शर्मनाक और गुस्से से भर देने वाली घटना सामने आई है। नरोडा पुलिस स्टेशन में तैनात एक पुलिसकर्मी द्वारा शराब के नशे में धुत होकर दुर्घटना को अंजाम देने की चौंकाने वाली घटना प्रकाश में आई है, जिसके बाद पुलिस महकमे में भारी हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चांदखेड़ा इलाके में स्थित प्रसिद्ध सप्तस्वर महादेव मंदिर रोड पर नशे की हालत में बेकाबू तरीके से गाड़ी चला रहे एक चालक ने गंभीर दुर्घटना को अंजाम दिया। इस हादसे में सड़क से गुजर रही एक मासूम युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवती हवा में उछलकर सड़क पर लहूलुहान हालत में आ गिरी। इस भीषण दुर्घटना के बाद जब गाड़ी चालक की पहचान की गई, तो कानून के रखवालों की पोल खुल गई। गाड़ी चलाने वाला शख्स कोई और नहीं, बल्कि खुद नरोडा पुलिस स्टेशन में कार्यरत पुलिसकर्मी गौरांग दवे निकला।

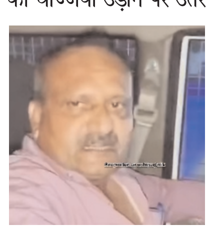

रोजमर्रा की परेशानी के बावजूद 'खाखी' गायब, नागरिक खुद ट्रैफिक क्लियर करने को मजबूर

अहमदाबाद के श्रेयस ब्रिज के नीचे ट्रैफिक जाम से जनता त्राहिमाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में ट्रैफिक नियमों और स्मार्ट सिटी के दावों की पोल खोलती एक बेहद आक्रोशित घटना सामने आई है। शहर के व्यस्त इलाके माने जाने वाले श्रेयस ब्रिज के नीचे पिछले कुछ दिनों से रोज उत्पन्न हो रही ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या से स्थानीय निवासी, राहगीर और वाहन चालक त्राहिमाम-त्राहिमाम कर उठे हैं। स्थिति इतनी हद तक बिगड़ चुकी है कि ट्रैफिक नियंत्रित करने के लिए सरकारी तंत्र या पुलिस के बजाय खुद आम जनता और वाहन चालकों को सड़क पर उतरकर ट्रैफिक क्लियर करने की नौबत आ रही है। स्थानीय वाहन चालकों और राहगीरों में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है कि इतने बड़े और संवेदनशील जंक्शन पर घंटों तक ट्रैफिक जाम रहने के बावजूद ट्रैफिक पुलिस क्यों नहीं फटकती? लोग सवाल पूछ रहे हैं कि, 'क्या सिर्फ कभी-कभार ही ट्रैफिक पुलिस दिखाई देगी? जहां रोज घंटों तक ट्रैफिक की भयंकर समस्या रहती है, वहां पुलिस स्थायी रूप से क्यों तैनात नहीं की जाती?' कभी-कभार कोई एएसआई वसूक लगाकर निकल जाता है, लेकिन मुख्य ट्रैफिक पुलिस जवान या उचित ट्रैफिक मैनेजमेंट टीम यहां नजर ही नहीं आती।

सरदानगर के नोबलनगर में लाखों की लागत से बना सब्जी बाजार शुरू होने से पहले ही खंडहर बना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के प्रशासनिक तंत्र की निष्क्रियता, भ्रष्टाचार और जनता के टैक्स के पैसों की बेहिसाब बर्बादी का एक और बेहद चौंकाने वाला और गुस्से से भर देने वाला मामला सामने आया है। शहर के सरदारनगर वार्ड के अंतर्गत आने वाले नोबलनगर इलाके में प्रेमप्रकाश आश्रम के सामने जनता के खून-पसीने की कमाई से लाखों रुपये खर्च करके एक नया सब्जी बाजार तैयार किया गया था, लेकिन विडंबना यह है कि यह बाजार लोगों के लिए खुलता या शुरू होता, उससे पहले ही तंत्र की घोर लापरवाही के कारण खंडहर में तब्दील हो चुका है! प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस प्रॉपर्टी का मामला हाईकोर्ट में पेंडिंग होने के कारण बाजार के मुख्य दरवाजे पर तीन-तीन बड़े ताले लटका दिए गए थे। कागजों पर तो तंत्र ने ताले लगाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी करने का दावा कर दिया था, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह थी कि इस सरकारी संपत्ति को पूरी तरह भगवान भरोसे छोड़ दिया गया था। अदालत में इस मामले पर सिर्फ तारीखें मिलती रहीं और दूसरी तरफ असली 'फैसला' चोरों ने सुना दिया! बगल वाले प्लॉट की टूटी हुई दीवार का फायदा उठाकर चोरों ने बाजार के अंदर सेंध लगा दी। अंदर बने कुल 84 ओटलों में से शातिर चोरों ने एक-दो नहीं बल्कि पूरे 70 ओटलों की करीब 12 लाख रुपये की कीमत वाली लोहे की भारी जालियां, बिजली के लाइट-पावर बोर्ड और पूरी इलेक्ट्रिक वायरिंग उखाड़ कर चुरा लीं। सरकारी संपत्ति की सुरक्षा में बरती गई इस भारी लापरवाही के कारण चोरों ने पूरे बाजार का सफाया कर दिया। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि इस प्रोजेक्ट के कॉन्ट्रैक्टर को उसका पूरा पेमेंट भी चुका दिया गया है,

अहमदाबाद की औद्योगिक इकाइयों को शहर से बाहर स्थानांतरित करने के लिए 'THRIVE नीति का बड़ा धमाका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में उद्योगों और शहरी विकास की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण और बड़ी खबर सामने आई है। अहमदाबाद महानगरपालिका की सीमा के भीतर वर्षों से संचालित हो रही औद्योगिक इकाइयों को अब शहर से बाहर स्थानांतरित करने के लिए राज्य सरकार ने कमर कस ली है। हाईकोर्ट के कड़े निर्देशों, बढ़ते प्रदूषण पर लगाम कसने और आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 की भव्य तैयारियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने योजना की घोषणा की है। इस मास्टर प्लान के तहत सरकार ने उद्योगों के पुनर्वास के लिए कुल 1,700 एकड़ जमीन आवंटित की है। रकार की इस महत्वकांक्षी योजना के अंतर्गत अहमदाबाद के उद्योगों को शिफ्ट करने के लिए दो मुख्य जिलों में जमीन आरक्षित रखी गई है: इस योजना के तहत जीआईडीसी और निजी भूमि पर चल रही इकाइयों को आकर्षक सब्सिडी और प्रोत्साहन के साथ बाहर ट्रांसफर किया जाएगा। उद्योगों को शिफ्टिंग के दौरान होने वाले आर्थिक नुकसान और वित्तीय बोझ को कम करने के लिए THRIVE नीति में विशेष प्रावधान किए गए हैं उद्योगों को छह महीने के लिए प्रति कर्मचारी 5,000 रुपये की मासिक वेतन सहायता सब्सिडी दी जाएगी। नई जगह पर इंडस्ट्रियल पार्क और कॉमन पर्यावरणीय बुनियादी ढांचा (सामान्य पर्यावरणीय सुविधाएं) विकसित करने के लिए भारी-भरकम पूंजीगत सब्सिडी प्रदान की जाएगी। एक तरफ सरकार इस योजना को उद्योगों और पर्यावरण के लिए वरदान रूप बता रही है, तो दूसरी तरफ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा इस योजना को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। GCCI ने खुले तौर पर चिंता व्यक्त की है कि इस नीति के क्रियान्वयन से जमीनी हकीकत पर बड़े संकट खड़े हो जाएंगे। चैंबर के मुताबिक, अचानक उद्योगों को बाहर स्थानांतरित करने से मजदूरों (लेबर) की भारी किल्लत मच जाएगी और पूरी सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) पूरी तरह से चरमरा जाएगी। स्थिति ऐसी पैदा हो सकती है कि केवल 10 प्रतिशत के करीब ही इकाइयां शिफ्ट हो सकेंगी, मध्यम उद्योग हमेशा के लिए बंद होने की आशंका जताई जा रही है।

खतरनाक मोड़ों पर जिंदगी का दांव, वनांचल साल्हेवारा में सुरक्षा संकेतकों की दरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा। वनांचल क्षेत्र साल्हेवारा के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर स्थित खतरनाक मोड़ लंबे समय से सड़क सुरक्षा के लिहाज से चिंता का विषय बने हुए हैं। खादी मार्ग पर कल हुई दुर्घटना ने एक बार फिर इन दुर्घटना संभावित मार्गों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और स्पष्ट संकेतकों की आवश्यकता को सामने ला दिया है। खादी मोड़, पोंडी मोड़, साल्हेवारा पेट्रोल पंप के आसपास का मार्ग तथा दारू भट्ठी की ओर जाने वाला मार्ग ऐसे स्थान हैं, जहां वाहनों की लगातार आवाजाही के बीच तेज रफ्तार और आपाधापी के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इन स्थानों पर वाहन चालकों को खतरनाक मोड़ एवं संभावित खतरे का समय रहते संकेत मिल सके, इसके लिए पर्याप्त एवं स्पष्ट सड़क सुरक्षा संकेतक बेहद जरूरी हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन मार्गों पर पूर्व में भी छोटी-बड़ी सड़क दुर्घटनाएं होती रही हैं तथा कई घटनाओं में जान-माल का नुकसान भी हुआ है। इसके बावजूद दुर्घटना संभावित स्थानों पर पर्याप्त चेतावनी संकेतक और अन्य आवश्यक सुरक्षा इंतजामों की जरूरत बनी हुई है। विशेषकर खतरनाक मोड़ों पर दूर से दिखाई देने वाले बड़े चेतावनी बोर्ड, मोड़ संकेतक, गति सीमा संकेतक, रिफ्लेक्टर, रोड मार्किंग तथा रात में चमकने वाले संकेतक लगाए जाने की आवश्यकता है, ताकि वाहन चालक समय रहते सावधान होकर अपनी गति नियंत्रित कर सकें। जनहित को देखते हुए लोक निर्माण विभाग वन विभाग वन परिक्षेत्र कार्यालय जाने वाला मार्ग संबंधित ग्राम पंचायतों एवं सड़क सुरक्षा से जुड़े जिम्मेदार विभागों को इन दुर्घटना संभावित स्थानों का स्थल निरीक्षण कर आवश्यक सुरक्षा उपायों को चिन्हित करना चाहिए। जहां आवश्यकता हो, वहां प्राथमिकता के आधार पर पर्याप्त संख्या में स्पष्ट एवं बड़े संकेतक लगाए जाएं। दुर्घटना के बाद व्यवस्था करने से बेहतर है कि दुर्घटना रोकने के लिए पहले से इंतजाम किए जाएं। सड़क किनारे लगाया गया एक स्पष्ट चेतावनी संकेतक कई बार चालक को समय रहते गति कम करने और संभावित दुर्घटना से बचने का अवसर दे सकता है।

बीएसपी की लीज वाली जमीन की हेराफेरी, आरटीआई के तहत दी आधी अधूरी जानकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

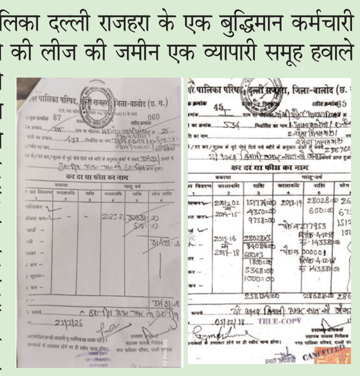

दल्ली राजहरा। नगर पालिका दल्ली राजहरा के एक बुद्धिमान कर्मचारी के छल प्रपंच से बीएसपी की लीज की जमीन एक व्यापारी समूह हवाले कर दी गई है। इस व्यापारी के नाम से नगर पालिका परिषद में पिछले दस से पंद्रह साल का संपति कर की वसूली भी होती आई है। वहीं बीएसपी प्रबंधन भी शासन से लीज पर मिली जमीन को लेकर खामोश बैठा हुआ है। वहीं जमीन को लेकर व्यापारी संघ के मानद सदस्य प्रवीण जैन ने जब सूचना के अधिकार के तहत नगर पालिका से जानकारी मांगी तो, उन्हें वांछित बिंदुओं पर पूरी जानकारी न देकर गोलमोल जवाब दिया गया। इससे जाहिर होता है कि नगर पालिका प्रशासन अपनी और अपने तथाकथित बुद्धिमान कर्मचारी के काले कारनामे को छुपाने का प्रयास कर रहा है। उल्लेखनीय है कि दल्ली राजहरा में आशा टॉकीज के पास स्थित जमीन बीएसपी की राजहरा माइंस को शासन द्वारा लीज पर दी गई है। खाली पड़ी इस जमीन का उपयोग आसपास के व्यापारी वाहन पार्किंग स्थल के रूप में और आम नागरिक तथा विद्यार्थी आम रास्ते के रूप में उपयोग करते आ रहे थे। नगर पालिका के राजस्व विभाग में पदस्थ लैंड माफिया के रूप में काम करते आ रहे एक कर्मचारी ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए इस जमीन को एक प्रभावशाली व्यापारी के हवाले कर दिया है। इस कर्मचारी ने बीएसपी की संपति को व्यापारी के नाम पर करने का बड़ा दुस्साहस कर दिखाया है। यह कर्मचारी उक्त व्यापारी से उक्त जमीन का संपत्ति कर वसूल कर बाकायदा उसके नाम से संपत्ति कर की रसीदें भी जारी करता आया है।

सरकार किसान हितैषी या बिजली कंपनियों की दलाल?

प्रशासन की जबरदस्ती के खिलाफ किसानों का खुला ऐलान

जेतपर में राजस्व तलाटी की धमकियों के खिलाफ किसानों का फूटा गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपर। गुजरात में अन्नदाता कहे जाने वाले किसानों पर अत्याचार और दमन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मोरबी जिले के जेतपर गांव से प्रशासन की तानाशाही और किसानों के साथ अन्याय का एक और शर्मनाक मामला सामने आया है। गांव में मार्केट रेट कमेटी (स्त्र्ष्ट) की बैठक आयोजित करने के लिए राजस्व तलाटी मंत्री द्वारा नोटिस लेकर आए अधिकारियों की मनमानी के खिलाफ अब स्थानीय किसानों में भारी आक्रोश फैल गया है। 14 जुलाई की ऐतिहासिक पदयात्रा और किसानों के स्पष्ट विरोध के बावजूद प्रशासन की दादागिरी जब गत 14/07/2026 को मोरबी कलेक्टर के समक्ष हजारों किसानों ने विशाल पदयात्रा निकालकर अपने खून-पसीने के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी थी, तभी 04/07/2026 को जारी किए गए ऊर्जा विभाग के काले परिपत्र को पूरी तरह से अमान्य करार दे दिया गया था। किसानों ने लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया था, फिर भी प्रशासनिक तंत्र द्वारा कानूनी प्रावधानों को ताक पर रखकर जबरन मार्केट रेट कमेटी बैठाने की कार्रवाई की जा रही है। क्या सरकार और प्रशासन सिर्फ अडानी-अंबानी या बिजली कंपनियों के हितैषी हैं? यह घटनाक्रम साबित कर देता है कि आज का शासन और प्रशासन अन्नदाता किसानों का हितैषी होने का सिर्फ ढोंग करता है, बल्कि असल में वे बिजली कंपनियों के इशारे पर नाचने वाली कठपुतलियां हैं। किसानों के विरोध को कुचलने के लिए सरकारी तंत्र और राजस्व अधिकारियों द्वारा जिस तरह से नोटिस थमाकर दबाव बनाया जा रहा है, उसे गुजरात के किसान कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पक्का गुजरात न्यूज़ स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देता है कि अगर सरकार और प्रशासन ने अपनी यह दमनकारी नीति बंद नहीं की, तो

जेतपर से शुरू हुआ यह गुस्सा पूरे गुजरात में आग की तरह फैल जाएगा। किसानों के अधिकारों पर डाका डालने वाले इस खेल के खिलाफ अब जनता खुलेआम मैदान में उतरने को तैयार है!

गुजरात यूनिवर्सिटी में NSUI का खूंखार विरोध: पूर्व वीसी के भ्रष्टाचार के काले कारनामों का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। काले कारनामों और लाखों-करोड़ों रुपयों की हेराफेरी के विरोध में द्वारा उग्र और आक्रामक प्रदर्शन किए गए हैं। पूर्व वाइस चांसलर द्वारा अपने निजी खाते में यूनिवर्सिटी के पैसे ट्रांसफर करने के गंभीर आरोपों के साथ के कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी भवन में जमकर हंगामा किया। छात्र नेताओं ने सुलगते हुए सवाल उठाते हुए कहा है कि पूर्व कुलपति और प्रशासनिक प्रमुखों ने अपने पद का दुरुपयोग करके यूनिवर्सिटी के फंड से अपने निजी बैंक खातों में पैसे कैसे जमा करवाए? इस खुली लूट और भ्रष्टाचार पर जिम्मेदार अधिकारी अभी तक चुप क्यों हैं? शिक्षा के नाम पर प्रशासनिक भ्रष्टाचार करने वाले इन दिग्गजों के खिलाफ जांच कब होगी, यह सबसे बड़ा सवाल है। का हंगामा मचते ही रजिस्ट्रार पीयूष पटेल भूमिगत हो गए जब के कार्यकर्ता गुस्से के साथ यूनिवर्सिटी के मुख्य कार्यालय पहुंचे और हंगामा किया, तो विरोध की आंच देखकर रजिस्ट्रार पीयूष

पटेल तुरंत अपनी केबिन से गायब हो गए!

आदिवासी मुद्दों को लेकर गर्माया सियासी पारा, सरकार की मंशा पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदयपुर/गांधीनगर। गुजरात के आदिवासी इलाकों में इस समय प्रवीण पारगी के एक पत्र और उस पर केंद्र सरकार के तुरंत आए जवाब को लेकर ज़बरदस्त चर्चा छिड़ी हुई है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आम आदिवासियों के बड़े-बड़े मुद्दों पर महीनों खामोश रहने वाली सरकार अचानक इतनी जल्दी में क्यों दिख रही है। गुजरात के छोटाउदयपुर, दाहोद और पंचमहाल जैसे इलाकों में असली समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। यहाँ के युवाओं को बेहतर शिक्षा नहीं मिल पा रही है और कुपोषण जैसी समस्या बनी हुई है। सरकारी नौकरियों में हज़ारों पद खाली पड़े हैं, लेकिन भर्ती के नाम पर सन्नाटा है। इतना ही नहीं, सरकारी योजनाओं के पैसों में भारी भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। दूसरी तरफ, ज़मीन बचाने की लड़ाई भी तेज़ हो गई है। छोटाउदयपुर के कवांट में खनन के लिए 28 गाँवों और नसवाड़ी में पावर प्रोजेक्ट के नाम पर 18 गाँवों को हटाने की तैयारी की खबरें हैं। लेकिन गुजरात के आदिवासी समाज की एकजुटता के आगे सरकार और बड़ी कंपनियों की मनमानी नहीं चल पा रही है। आदिवासी समाज के

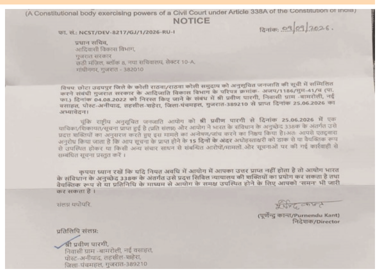
(A Constitutional body exercising powers of a Civil Court under Article 338A of the Constitution of India)
NOTICE

जागरूक लोगों का आरोप है कि इसी एकजुटता को तोड़ने के लिए 'डी-लिस्टिंग' और 'विश्लेषण समिति' जैसे मामलों को हवा दी जा रही है।

योगी के नेतृत्व में युवाओं ने जताया पूर्ण भरोसा :-प्रो.पूनम कुमारी,जेएनयू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एटा, उत्तर प्रदेश। योगी पथःबेमिसाल संवाद श्रृंखला-2 के अंतर्गत 'युवा फॉर विकसित उत्तर प्रदेश' कार्यक्रम एटा,यूपी.में आयोजित किया गया।जेएनयू,नई दिल्ली की प्रो.पूनम कुमारी के संयोजन और अध्यक्षता में आयोजित इस संवाद का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को यू.पी.की विकास यात्रा से जोड़ने के साथ उनकी आकांक्षाओं,अनुभवों और सुझावों को व्यापक मंच प्रदान करना रहा।इसमें पूरे प्रदेश के युवाओं की भागीदारी रही। प्रो.पूनम कुमारी ने युवाओं के साथ उत्तर प्रदेश के विकास,शिक्षा,रोजगार, कौशल विकास,महिला सशक्तीकरण,उद्यमिता और तकनीकी प्रगति जैसे विषयों पर विचार साझा किए।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में युवा केवल प्रदेश का भविष्य नहीं,बल्कि वर्तमान की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण सहभागी भी हैं।उन्होंने युवाओं से शिक्षा और ज्ञान के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने का आह्वान किया, और साथ ही विकसित उत्तर प्रदेश' के लिए योगी का हाथ मजबूत करने का संकल्प दिलाया।उन्होंने एमएसएमई,एक जिला एक उत्पाद,महिला सुरक्षा के क्षेत्र में हुए अनुभवों और युवा रोजगार जैसे विषयों पर भी चर्चा की। एटा के समाजसेवी मानवेन्द्र मनु ने कहा कि उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने युवाओं से अपनी क्षमताओं का सकारात्मक उपयोग करते हुए विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में युवा और 'जेन ज़ी' वक्ता डॉ. शिवानी सक्सेना,धीरज सिंह,शैलेंद्र कुमार,आलोक कुमार, अजय पमार,यत्येन्द्र सिंह, मनमोहन सिंह,धीरेंद्र सिंह और तरुण सिंह ने भी विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे।धीरज सिंह ने बताया कि प्रदेश में सपा और बसपा सरकार को मिलाकर 15 साल में 4 लाख सरकारी नौकरियां दी गईं,जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 8

लाख से अधिक यानी दुगुनी सरकारी भर्तियां हुई हैं।महिला सशक्तीकरण के संबंध में अपने सर्वेक्षण अनुभव साझा करते हुए उन्होंने युवा महिलाओं में बढ़ते आत्मविश्वास की चर्चा की।आलोक कुमार ने आंकड़ों के माध्यम से प्रदेश में विकास की दिशा पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा के क्षेत्र में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब,डिजिटल शिक्षण सामग्री और टैबलेट जैसी पहलों का उल्लेख किया।मनमोहन सिंह ने सुशासन और 'जीरो टॉलरेंस' की नीति का उल्लेख करते हुए सरकार की कार्यप्रणाली की सराहना की।

धोराजी में तस्करों का आतंकः पिछले 6-7 महीनों में 30 से अधिक फैक्टरियां साफ फिर भी पुलिस 'कुंभकर्णी नींद में'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धोराजी। गुजरात में कानून और व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे खोखले साबित हो रहे हैं, जिसका जीवंत और शर्मनाक उदाहरण राजकोट जिले के धोराजी से सामने आया है। धोराजी शहर में पिछले 6 से 7 महीनों की छोटी अवधि में एक-दो नहीं बल्कि 30 से अधिक फैक्टरियों और उद्योगों में तस्करों ने धावा बोलकर लाखों रुपये का सामान साफ कर दिया है। हाल ही में इंडस्ट्रियल एरिया में फिर से चोरी की घटना सामने आने के बाद उद्योगपतियों और व्यापारियों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश भड़क उठा है। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि पूरे धोराजी शहर में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, तो फिर करोड़ों रुपये के ये सरकारी कैमरे क्या सिर्फ शोपीस बनकर रह गए हैं? सीसीटीवी फुटेज होने के बावजूद और बार-बार एक ही तरह की चोरियां होने के बावजूद धोराजी पुलिस एक भी चोरी का सुराग ढूंढने में क्यों नाकाम साबित हो रही है? बार-बार हो रही चोरी की इन घटनाओं के बाद जनता अब खुलेआम खाकीधारियों के खिलाफ सवाल उठा रही है जिम्मेदारी किसकी? उद्योगपति अपने धंधे-रोजगार छोड़कर रात को चौकीदारी करने को मजबूर हैं, तो क्या पुलिस केवल मूकदर्शक बनकर तमाशा देखने बैठी है? क्या पुलिस का काम सिर्फ रील बनाना है? जनता आक्रोश में पूछ रही है कि आजकल पुलिस जवानों का काम क्या सिर्फ सोशल मीडिया पर रील बनाकर 'रौब' जमाना ही रह गया है? जनता में चर्चा है कि क्या धोराजी पुलिस की प्राथमिकता आम नागरिकों और व्यापारियों की सुरक्षा करने के बजाय केवल तोड़-पानी करना, अवैध गतिविधियों से हफ्ता वसूलना और धौंस जमाना ही रह गई है? व्यापारियों और उद्योगपतियों के पसीने की कमाई पर तस्कर हाथ साफ कर रहे हैं और पुलिस विभाग अपनी नाकामी छिपाने में व्यस्त है। अगर समय रहते इन शातिर चोरों के गिरोह को पकड़ा नहीं गया और पुलिस ने अपनी ड्यूटी ईमानदारी से नहीं निभाई, तो धोराजी के उद्योगपति उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

अहमदाबाद के आंबावाड़ी के मेहनतनपुरा में री-डेलवपमेंट का विवाद चरम पर: विकास का विरोध या कोई बड़ी राजनीतिक साजिश? प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक शब्द बोलने वाले तत्वों के खिलाफ जन आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पॉश इलाके माने जाने वाले आंबवाड़ी के मेहनतनपुरा से एक बेहद चौंकाने वाली और राजनीतिक सरगर्मी बढ़ाने वाली घटना सामने आई है। इलाके के विकास और आधुनिकीकरण के लिए लाए गए 'री-डेलवपमेंट' प्रोजेक्ट को लेकर विवाद अब चरम सीमा पर पहुंच गया है। एक तरफ सरकार देश और राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए रात-एक कर रही है, तो दूसरी तरफ कुछ स्वार्थी तत्व जानबूझकर इस विकास के रथ को रोकने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। सवाल यह उठ रहे हैं कि यदि स्थानीय स्तर पर या प्रोजेक्ट में किसी बात को लेकर कोई विरोध है, तो उसका लोकतांत्रिक या कानूनी तरीके से विरोध किया जा सकता है। लेकिन इस विरोध की आड़ में देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है, जो बेहद शर्मनाक और अक्षम्य है। जिस प्रधानमंत्री ने दिन-रात एक करके भारत को पूरी दुनिया में वैश्विक फलक पर गौरवशाली स्थान दिलाया है, उनकी अथक मेहनत और देश के सम्मान पर सवाल उठाने वाले इन तत्वों की मानसिकता के खिलाफ अब जनता में भारी गुस्सा भड़क उठा है। जनता खुलेआम पूछ रही है कि क्या इन तत्वों के तार विपक्ष के किसी बड़े नेताओं या मित्रों से जुड़े तो नहीं हैं? मेहनतनपुरा इलाके में री-डेलवपमेंट की प्रक्रिया को अटकाने के लिए जो हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, उसके पीछे का असली मकसद क्या है? क्या यह सिर्फ जमीन या संपत्ति के स्वार्थ की राजनीति है या फिर विकास को दागदार लगाने की कोई सुनियोजित चाल है? जनता अब पूरी सच्चाई जानना चाहती है कि जब पूरा देश और शहर आगे बढ़ रहा है, तब ये मुट्ठीभर लोग क्यों आम नागरिकों के बेहतर भविष्य और आधुनिक सुविधाओं के रास्ते में रोड़े अटका रहे हैं? विवाद की गहराई से छानबीन कर रहा है। मेहनतनपुरा के इस सुलगते विवाद के पीछे के असली चेहरों और पर्दे के पीछे के खेल का पर्दाफाश करने वाली विस्तृत रिपोर्ट बहुत जल्द

प्रधानमंत्री बनने के सपने देखने वाले महंत आदित्यनाथ के हलफनामे में शामिल फौजदार धाराओं का चौंकाने वाला पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। भारतीय राजनीति में जब नेताओं की छवि और उनके अतीत की चर्चा होती है, तो कानून और व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन जमीनी हकीकत और देश के रसूखदार नेताओं के इतिहास पर नजर डाली जाए तो चौंकाने वाली सच्चाइयां सामने आती हैं। देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में सपने देखने वाले और उत्तर प्रदेश की सत्ता संभालने वाले महंत आदित्यनाथ के पिछले हलफनामे में शामिल कानूनी धाराओं और उनके खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की प्रक्रिया इस समय देश भर में भारी चर्चा और विवाद का विषय बनी हुई है। चुनाव आयोग के समक्ष पेश किए गए हलफनामे के अनुसार, महंत आदित्यनाथ के खिलाफ पहले दर्ज मामलों में भारतीय दंड संहिता की कुछ बेहद गंभीर और संवेदनशील धाराएं शामिल थीं। इन धाराओं में मुख्य रूप से धारा 295 और 297 (धार्मिक भावनाओं को आहत करना और पूजा स्थलों का अपमान करना) धारा 153-ए (दो समुदायों के बीच द्वेष या शत्रुता फैलाना) धारा 307 (हत्या का प्रयास - जानलेवा हमला) धारा 302 (गंभीर अपराधों के तहत हत्या से संबंधित आरोप) इसके अलावा धारा 506, 427, 504, 336, 133 और 285 जैसी कई धाराओं के तहत गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज किए गए थे। दुनिया के ऐसे पहले संत, जिन्होंने सत्ता में आते ही अपने ऊपर के मुकदमे वापस ले लिए राजनीतिक विश्लेषकों और कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, महंत आदित्यनाथ शायद दुनिया के ऐसे पहले अनोखे नेता या संत होंगे जिन्होंने उत्तर प्रदेश की सत्ता संभालते ही अपनी ही सरकार के माध्यम से अपने ऊपर चल रहे सैकड़ों फौजदारी और गंभीर मामलों को कानूनी प्रक्रिया का उपयोग करके सरकारी आदेश से वापस ले लिया था। सत्ता में बैठते ही अपने ऊपर के अपराधों को धोने के इस किस्से ने देश की न्याय प्रणाली और राजनीतिक नैतिकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर देश का कोई आम, गरीब या छोटा आदमी पुलिस स्टेशन में छोटी-मोटी धक्का-मुक्की में फंस जाए या छोटा अपराध दर्ज हो जाए, तो उसे कानून की एक-एक धारा का पालन करना पड़ता है और न्याय पाने के लिए वर्षों तक अदालत के चक्कर काटने पड़ते हैं, तो फिर ऐसे शातिर और गंभीर अपराधों के आरोप झेलने वाले नेताओं को इतनी आसानी से मुक्ति क्यों और कैसे दे दी गई?

मध्य प्रदेश में भाजपा नेताओं के विवादित बयानों से गरमाई राजनीति नवरात्रि और बेटियों को लेकर दिए गए बयानों पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति से एक के बाद एक ऐसे चौंकाने वाले और विवादित बयान सामने आ रहे हैं, जिससे पूरे देश में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राहुल गांधी की इंदौर यात्रा और उनके कार्यक्रम को मिली भारी सफलता के बाद भाजपा नेताओं में फैले असंतोष या अन्य राजनीतिक समीकरणों के बीच, जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं की भाषा और उनके बयान अब गंभीर चर्चा का विषय बन गए हैं। त्योहारों का सीजन नजदीक है और ऐसे में समाज में विभाजन पैदा करने वाले इन बयानों के खिलाफ बुद्धिजीवियों और नागरिकों द्वारा तीखी प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं। मध्य प्रदेश सरकार की अग्रणी नेता और मंत्री उषा ठाकुर द्वारा दिए गए एक बयान ने भारी विवाद खड़ा कर दिया है। उनके द्वारा सार्वजनिक मंचों पर जिस तरह के आंकड़े और दावे पेश किए गए, उसने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्षी नेताओं और सामाजिक अग्रणियों का कहना है कि जिम्मेदार संवैधानिक या राजनीतिक पद पर बैठे व्यक्ति को समाज में अविश्वास, शंका और तनाव फैलाने वाले बयानों से बचना चाहिए। ऐसे असंतुलित बयान सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते हैं और युवा पीढ़ी में नफरत का बीज बोते हैं। इसी कड़ी में भाजपा के एक अन्य नेता रामेश्वर शर्मा का बयान भी आग में घी डालने का काम कर गया है। गर्बा आयोजनों और धार्मिक उत्सवों के संदर्भ में उन्होंने जिस प्रकार की भाषा का उपयोग किया, उसने पूरे उत्सव के माहौल को दूषित करने का प्रयास किया है। त्योहार तो भाईचारे, उल्लास और एकता के प्रतीक होते हैं, लेकिन राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए ऐसे पवित्र अवसरों को भी विवादों में घसीटा जा रहा है, ऐसा आरोप जनता द्वारा लगाया जा रहा है। इस तरह की मानसिकता यह दर्शाती है कि नेता अपने राजनीतिक फायदों के लिए समाज का ध्रुवीकरण करने के रास्ते पर चल पड़े हैं।

हमारी कोई नहीं सुनता CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दो चुनाव आयुक्तों की बगावत के बाद विपक्ष ने मांगा इस्तीफा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राजनीति और चुनाव आयोग के गलियारों से एक बेहद चौंकाने वाला और बड़ा राजनीतिक धमाका करने वाली रिपोर्ट सामने आई है। देश भर में चल रहे मतदाता सूचियों के स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू अभियान के बीच अब चुनाव आयोग के भीतर का आंतरिक विवाद खुलकर सामने आ गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आयोग के ही दो अन्य चुनाव आयुक्तों ने मोर्चा खोल दिया है, जिसके कारण राजनीतिक हलकों में भूचाल आ गया है। सूत्रों की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों में लगभग 14 बार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सामने अपनी लिखित या मौखिक आपत्तियां दर्ज कराई हैं। उनका मुख्य आरोप है कि आयोग में महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उनकी उपेक्षा की जाती है और मनमाने तरीके से फैसले थोपे जाते हैं। विशेष तौर पर नए मतदाताओं को जोड़ने की प्रक्रिया और मतदाता सूची से नाम हटाने जैसे संवेदनशील मुद्दों पर आयुक्तों को ही अंधेरे में रखे जाने के इस चौंकाने वाले खुलासे ने देश भर में हड़कंप मचा दिया है। चुनाव आयोग के आंतरिक विवाद और आयुक्तों की उपेक्षा से जुड़ी ये रिपोर्ट सामने आते ही विपक्षी दल आक्रामक मूड में आ गए हैं। कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) सहित कई विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का कहना है कि यदि संवैधानिक संस्था के सर्वोच्च पद पर बैठा व्यक्ति ही अन्य आयुक्तों की बात सुनने को तैयार न हो और अपनी मनमानी चलाए, तो लोकतंत्र और चुनाव की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। जिससे आने वाले दिनों में राजनीति के और अधिक गरमाने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं।

पाली में पंचायत चुनाव की आरक्षण लॉटरी निकली, प्रधान के 4 पद महिलाओं के लिए आरक्षित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 की तैयारियों के तहत बुधवार को पंचायत समितियों एवं जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों में वर्गवार आरक्षण और महिला आरक्षण की लॉटरी निकाली गई। यह प्रक्रिया जिला परिषद सभागार में आयोजित की गई। आरक्षण की लॉटरी के बाद अब जिले में पंचायत चुनाव को लेकर तस्वीर और स्पष्ट होने लगी है। प्रधान पदों में चार पद महिलाओं के लिए आरक्षित रखे गए हैं। पाली जिले में इस बार ग्रामीण सरकार के चुनाव

व्यापक स्तर पर होंगे। जिले में कुल 9 पंचायत समितियां और 303 ग्राम पंचायतें हैं। चुनाव में जिले के 10 लाख 93 हजार 16 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। ये मतदाता मतदान के माध्यम से जिला प्रमुख, पंचायत समितियों के प्रधान, जिला परिषद सदस्यों और ग्राम पंचायतों के सरपंचों सहित विभिन्न पदों के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। पंचायती राज चुनाव के तहत जिले में एक जिला प्रमुख का चुनाव होगा। इसके अलावा 9 पंचायत समितियों में प्रधान चुने जाएंगे। जिला परिषद के 33 सदस्य और 303 ग्राम पंचायतों में सरपंच चुने जाएंगे। आरक्षण की लॉटरी पूरी होने के बाद अब संबंधित पदों के लिए चुनावी समीकरण भी सामने आने लगे हैं। आरक्षित वर्ग और महिला आरक्षण के अनुसार संभावित दावेदार अपनी तैयारियों को आगे बढ़ा सकेंगे। बुधवार को जिला परिषद सभागार में पंचायत समितियों और जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आरक्षण की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान वर्गवार आरक्षण के साथ महिला आरक्षण का निर्धारण किया गया। प्रधान के चार पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाने से पंचायत समिति स्तर पर महिला प्रतिनिधित्व को लेकर भी तस्वीर साफ हुई है। पंचायत चुनाव की आरक्षण प्रक्रिया अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है।

मकान मालिक पर किरायेदार ने किए चार फायर, पेट में तीन और कमर में लगी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। सोजत रोड इलाके में दो साल से किराया नहीं देने वाले किरायेदार से बकाया किराया मांगना मकान मालिक को भारी पड़ गया। मंगलवार सुबह किराया मांगने पर नाराज किरायेदार रिवॉल्वर लेकर आया और मकान मालिक पर एक के बाद एक चार गोलियां चला दीं। फायरिंग की इस घटना में मकान मालिक पूरण मारू (40) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके पेट में तीन और कमर में एक गोली लगी है। घटना के बाद आरोपी मौके

से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। फायरिंग की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसका फुटेज बुधवार को सामने आया। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि आरोपी ने मकान मालिक पर फायरिंग की। अपनी जान बचाने के लिए पूरण मारू रेंगते हुए पास की एक दुकान में घुस गया। इसके बावजूद आरोपी उसका पीछा करते हुए दुकान तक पहुंच गया और वहां भी फायरिंग की। इस दौरान कुल चार फायर किए गए। सोजत रोड थाना प्रभारी कमला लोहार ने बताया कि मकान मालिक पूरण मारू पर उसके किरायेदार अमित ने फायरिंग की है। घटना के बाद से आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। घायल पूरण का जोधपुर स्थित एम्स में उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार, पूरण मारू का सोजत रोड के सुभाष मार्ग पर मकान है। मकान के एक कमरे में अमित पिछले करीब दो साल से किरायेदार के रूप में रह रहा था। आरोप है कि उसने करीब दो साल से मकान का किराया नहीं दिया था। मंगलवार सुबह पूरण ने अमित से बकाया किराया मांगा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। बताया गया है कि किराया मांगने के बाद अमित रिवॉल्वर लेकर आया और पूरण को धमकाते हुए कहा कि उसका खेल खत्म कर देगा। इसके बाद उसने फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से पूरण ने भागकर अपनी जान बचाने का प्रयास किया और रेंगते हुए दुकान में पहुंचा। आरोपी वहां भी पीछे पहुंच गया और गोलियां चला दीं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि पूरण के भतीजे हरीश की ओर से रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने मामले में आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज सहित घटनाक्रम से जुड़े साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। वहीं, गंभीर रूप से घायल पूरण का जोधपुर एम्स में उपचार जारी है।

भावरी नदी के पास युवक का शव मिलने से सनसनी, सिर पत्थर से कुचला

डॉग स्क्वायड की मदद से सबूत जुटाने में जुटी टीमें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। स्वरूपगंज थाना क्षेत्र में भावरी नदी के पास बुधवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक का सिर पत्थर से कुचला हुआ मिला, जिसके चलते प्रथम दृष्टया हत्या की आशंका जताई जा रही है। शव की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की, लेकिन देर तक मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। मामले की सूचना मिलने पर पिंडवाड़ा के पुलिस उपाधीक्षक राहुल मीणा और स्वरूपगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाई। पुलिस टीम ने मौके की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी करवाई, ताकि घटना से जुड़े साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जा सके। युवक के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिलने के बाद पुलिस हत्या के कारणों और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उसे घटनास्थल तक कैसे लाया गया। घटनास्थल के आसपास भी संभावित साक्ष्यों की तलाश की गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देश पर मामले की जांच के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर जांच के लिए रवाना किया गया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ करने के साथ मृतक की पहचान के प्रयास में जुटी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर डॉग स्क्वायड टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया। टीम ने शव मिलने वाले स्थान और उसके आसपास के क्षेत्र में संभावित सुराग तलाशने का प्रयास किया। पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना है और विभिन्न बिंदुओं पर तफ्तीश आगे बढ़ाई जा रही है। फिलहाल मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के सामने सबसे पहली चुनौती शव की शिनाख्त करना है। इसके बाद ही युवक की पृष्ठभूमि और उसके संपर्क में रहे लोगों के बारे में जानकारी जुटाकर घटना की पूरी कड़ी जोड़ने में मदद मिल सकेगी। पुलिस हत्या की आशंका को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

माउंट आबू के नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य ने संभाला पदभार, चहुंमुखी विकास को बताया प्राथमिकता

विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद ग्रहण की जिम्मेदारी, शहरवासियों का किया अभिवादन; बोले- विकास कार्यों में बाधा का बहाना नहीं चलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर के नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य ने बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर उन्होंने अपने कार्यालय कक्ष में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद पदभार ग्रहण से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारी संभाली। पदभार ग्रहण के दौरान शहर में नए नेतृत्व को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। पदभार संभालने के बाद शहरवासी सुनील आचार्य से मुलाकात करने के लिए पहुंचे। आचार्य ने सभी का अभिवादन किया और लोगों से मुलाकात कर उनका स्वागत किया। इस दौरान शहरवासियों ने उनसे संपर्क किया और नए कार्यकाल को लेकर अपनी अपेक्षाएं व्यक्त कीं। पालिका अध्यक्ष कार्यालय के बाहर आयोजित समारोह में सुनील आचार्य ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि माउंट आबू का चहुंमुखी विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। शहर के विकास के लिए वे लगातार प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि नगर के विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जाएगा और संबंधित स्तरों पर समन्वय स्थापित कर काम किया जाएगा। आचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि माउंट आबू की जनता ने अब 'ट्रिपल इंजन' की सरकार बनाई है। ऐसे में विकास कार्यों में किसी सरकारी अधिकारी या सरकार की ओर से बाधा आने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर के विकास को गति देने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाएंगे। नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष ने विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात दोहराते हुए कहा कि उपलब्ध संसाधनों और आपसी समन्वय के साथ शहर की प्रगति के लिए काम किया जाएगा। उनके अनुसार, माउंट आबू के चहुंमुखी विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए लगातार प्रयास करना उनकी जिम्मेदारी होगी। सुनील आचार्य के पदभार ग्रहण के साथ ही नगर पालिका में उनके कार्यकाल

की औपचारिक शुरुआत हो गई है। अब शहरवासियों की नजरें नगर के विकास से जुड़े कार्यों और नई जिम्मेदारियों के निर्वहन पर रहेंगी।

राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनाव में पहली बार महिला की एंट्री, शोभना गुर्जर ने दाखिल किया नामांकन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनाव की नामांकन प्रक्रिया बुधवार से शुरू हो गई। पहले ही दिन संघ के इतिहास में पहली बार किसी महिला ने पद के लिए नामांकन दाखिल किया। दौसा जिला क्रिकेट संघ की अध्यक्ष शोभना गुर्जर ने कार्यकारी सदस्य पद के लिए अपना नामांकन पेश किया। इसके साथ ही राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनाव में महिला भागीदारी की शुरुआत हो गई। नामांकन प्रक्रिया 26 सितंबर तक चलेगी। ऐसे में आगामी दिनों में विभिन्न पदों के लिए अन्य दावेदारों के नामांकन दाखिल करने की संभावना है। राजस्थान क्रिकेट संघ के छह पदों में अध्यक्ष पद को लेकर सबसे ज्यादा राजनीतिक सरगर्मी देखने को मिल रही है। इस पद के लिए भाजपा के दो

वरिष्ठ नेताओं के बेटों के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। इनमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह और चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह प्रमुख दावेदार बताए जा रहे हैं। दोनों पक्ष जिला क्रिकेट संघों के प्रतिनिधियों से संपर्क साधकर समर्थन जुटाने में लगे हैं। अध्यक्ष के बाद सचिव पद को संघ के सबसे प्रभावशाली पदों में गिना जाता है। इस पद के लिए राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी के बेटे आशीष तिवाड़ी, भाजपा नेता पिंकेश जैन और बृज किशोर उपाध्याय के नाम चर्चा में हैं। इनके अलावा सोमेंद्र तिवारी और रतन सिंह भी अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं। चुनावी समीकरणों में अध्यक्ष पद का फैसला सचिव पद की तस्वीर बदल सकता है। अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर होने वाले किसी दावेदार को दूसरे प्रमुख पद पर समायोजित किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है। उपाध्यक्ष पद के लिए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बेटे पवन दिलावर और मंत्री ओटाराम देवासी के बेटे विक्रम देवासी के नाम प्रमुखता से सामने आ रहे हैं। हालांकि किसी जिला क्रिकेट संघ के सचिव को भी यह जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा।

सांथू के गायत्री आश्रम में बाबा रामदेव मंदिर के चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम संपन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सांथू। गांव के गायत्री आश्रम में बुधवार को बाबा रामदेव मंदिर के चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का समापन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन सारणेश्वर मंदिर के महंत रणछोड़ पुरी और मंदिर के महाराज विष्णु स्वरूप के सानिध्य में किया गया। चार दिनों तक चले धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में सांथू, चुरा, सरत, नून, धनजी

बासड़ा, बागरा, आकोली, देलदरी, बिबलसर, आडवाड़ा, डुडसी, धानपुर, मोक और दिगाव सहित आसपास के कई गांवों के लोग शामिल हुए। शुभ मुहूर्त में विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ चार दिवसीय ध्वजारोहण कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक आयोजन में भाग लेकर बाबा रामदेव के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। समापन अवसर पर पूर्व आईएएस गंगा सिंह रामसीन, सरपंच रामसीन चंद वीर सिंह, जोंग सिंह सरत, मुराद खां सिवना, गंगा सिंह बागरा, ऊक सिंह तवाव, जव सिंह घासेड़ी, पूर्व सरपंच मालम सिंह दहिया, खंगार सिंह राजपुरोहित, समुद्र सिंह डुडसी, मंगल सिंह सिंधल, शाकीर खां खोखर, थानाराम देवासी, जवानमल और करण सिंह राजपुरोहित सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के समापन पर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल रहा।

ज्ञान सरोवर में दो दिवसीय चिकित्सक सम्मेलन संपन्न, राजयोग और तनाव प्रबंधन पर हुआ मंथन

भारत और नेपाल के चिकित्सकों ने लिया हिस्सा, वक्ताओं ने मरीजों के उपचार में संवेदनशील व्यवहार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबू रोड। ब्रह्माकुमारी संगठन के चिकित्सा सेवा प्रभाग की ओर से ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में आयोजित दो दिवसीय 'माइंड, बॉडी व मेडिसिन' चिकित्सक सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में भारत और नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों से आए चिकित्सकों ने भाग लिया। दो दिनों तक आयोजित विभिन्न सत्रों में राजयोग ध्यान, तनाव प्रबंधन, आत्म प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता, उपचार शक्ति और मन की शक्ति जैसे विषयों पर चर्चा की गई। चिकित्सकों ने ध्यान और योग से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए इन्हें दैनिक जीवन में अपनाने पर जोर दिया। समापन सत्र में जयपुर-जोधपुर इकाई के एनसीबी जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने कहा कि चिकित्सक मरीजों के उपचार के साथ ध्यान और उपचार शक्ति का सहारा लें तो मरीजों को मानसिक रूप से मजबूत होने और स्वस्थ होने की प्रक्रिया में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मरीज को चिकित्सा के साथ सहानुभूति और अपनेपन की भी आवश्यकता होती है। डॉक्टर का व्यवहार मरीज के मनोबल और स्वास्थ्य पर

सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। चिकित्सा सेवा प्रभाग के अध्यक्ष एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक मेहता ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग ध्यान का नियमित अभ्यास कार्यक्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकता है। उन्होंने चिकित्सकों के लिए आध्यात्मिक अभ्यास और मानसिक संतुलन के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रभाग के उपाध्यक्ष निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि डॉक्टरों की जिम्मेदारी समाज के अन्य वर्गों की तुलना में अधिक होती है। ऐसे में चिकित्सकों का व्यवहार संयमित, संवेदनशील और जिम्मेदारीपूर्ण होना जरूरी है। मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार उपचार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रभाग सचिव बीके डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि तनावपूर्ण दिनचर्या में राजयोग मन को शांत रखने में मदद करता है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों के साथ सरल, नम्र और संवेदनशील व्यवहार रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उपचार के दौरान डॉक्टर का अपनापन मरीज के मन पर गहरा असर डालता है। ग्लोबल अस्पताल की मुख्य परिचारिका बीके रूपा उपाध्याय ने आत्म प्रबंधन को सफलता की महत्वपूर्ण सीढ़ी बताते हुए कहा कि इससे तनाव और चिंता को कम करने तथा विचारों पर बेहतर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में चिकित्सकों ने ध्यान, योग और राजयोग से जुड़े अनुभव साझा किए। मुंबई से आए चिकित्सक सचिन परब ने राजयोग अभ्यास से प्राप्त अपने अनुभव बताते हुए सहज राजयोग की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने और दिनचर्या को संयमित रखने पर जोर दिया। सम्मेलन में चिकित्सकों ने राजयोग को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और चिकित्सा सेवा में संवेदनशीलता को महत्व देने का संदेश दिया।

अजमेर में पंचायत चुनावों के लिए आरक्षण की लॉटरी निकली, प्रधान के तीन पद महिलाओं के लिए आरक्षित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 को लेकर अजमेर जिले में बुधवार को जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति प्रधान और पंचायत समिति सदस्यों के पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी निकाली गई। यह प्रक्रिया जवाहर रंगमंच में आयोजित हुई, जिसमें जिला कलेक्टर लोक बंधु सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। आरक्षण की स्थिति स्पष्ट होने के साथ ही अब पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी कर

रहे संभावित दावेदारों के लिए भी तस्वीर सामने आ गई है। सबसे पहले पंचायत समिति प्रधान पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी निकाली गई। अजमेर जिले की 10 पंचायत समितियों में कुल 10 प्रधान चुने जाएंगे। इनमें अनुसूचित जाति सामान्य वर्ग का एक, अनुसूचित जाति महिला का एक, अन्य पिछड़ा वर्ग सामान्य का एक, अन्य पिछड़ा वर्ग महिला का एक, अनारक्षित सामान्य वर्ग के तीन और अनारक्षित महिला के तीन पद आरक्षित किए गए हैं। महिला आरक्षण के चलते कई पंचायत समितियों में अब महिला दावेदारों के लिए चुनावी मैदान खुल गया है। इसके बाद जिला परिषद के 33 सदस्यों के पदों के लिए आरक्षण का निर्धारण किया गया। इनमें अनुसूचित जाति सामान्य वर्ग के तीन, अनुसूचित जाति महिला के तीन, अनुसूचित जनजाति सामान्य वर्ग का एक, अन्य पिछड़ा वर्ग सामान्य के तीन, अन्य पिछड़ा वर्ग महिला के तीन, अनारक्षित सामान्य वर्ग के 10 और अनारक्षित महिला के 10 वार्ड निर्धारित किए गए हैं। इसी तरह जिले की पंचायत समितियों में कुल 175 सदस्य चुने जाएंगे। इनमें अनारक्षित सामान्य वर्ग के 47, अनुसूचित जाति सामान्य वर्ग के 20, अनुसूचित जनजाति सामान्य वर्ग के पांच और अन्य पिछड़ा वर्ग सामान्य वर्ग के 19 पद रखे गए हैं। वहीं अनारक्षित महिला वर्ग के 58, अनुसूचित जाति महिला के 15, अन्य पिछड़ा वर्ग महिला के 10 और अनुसूचित जनजाति महिला के लिए एक पद आरक्षित किया गया है। आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही पंचायत चुनावों को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

अनुकंपा नियुक्ति के साथ परिवार की जिम्मेदारी भी याद दिलाई

राजस्थान हाईकोर्ट ने एवीवीएनएल को दिए निर्देश, मृत कर्मचारी के टर्मिनल लाभ भी सास और बहू में बराबर बांटने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण आदेश देते हुए अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को निर्देश दिया है कि मृत कर्मचारी की पत्नी को मिल रही मासिक सैलरी में से 25 प्रतिशत राशि उसकी सास के बैंक खाते में सीधे जमा कराई जाए। न्यायमूर्ति आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश सास-ससुर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। मामले की सुनवाई के दौरान ससुर की मृत्यु हो गई थी। यह फैसला 17 सितंबर 2026 को सुनाया गया। मामला अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में टेक्निकल हेल्पर के पद पर कार्यरत कर्मचारी से जुड़ा है, जिसकी मार्च 2017 में मृत्यु हो गई थी। कर्मचारी की मौत के बाद उसकी पत्नी ने सास-ससुर की सहमति और अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति हासिल की थी। नियुक्ति के समय महिला ने शपथ पत्र देकर परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल और भरण-पोषण का दायित्व निभाने की बात कही थी। याचिका में सास-ससुर की ओर से आरोप लगाया गया कि नौकरी मिलने के कुछ समय बाद बहू ने ससुराल छोड़ दिया, दूसरी शादी कर ली और उनका भरण-पोषण करना बंद कर दिया। इसी आधार पर उन्होंने बहू की सैलरी में हिस्सा दिलाने और मृत कर्मचारी के सेवा संबंधी अंतिम लाभों में भी भागीदारी की मांग की थी। याचिका वर्ष 2018 में दायर की गई थी। बहू की ओर से अदालत में कहा गया कि उसने कथित दुर्व्यवहार के कारण ससुराल छोड़ा था। यह भी तर्क दिया गया कि सास के दो अन्य बेटे हैं, जो उनका भरण-पोषण कर सकते हैं। बचाव पक्ष ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति से मिलने वाली सैलरी उसकी अपनी नौकरी का वेतन है और इसे सास के

साथ बांटने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत अधिकार या विशेषाधिकार नहीं, बल्कि परिवार को अचानक आर्थिक संकट से उबारने वाला कल्याणकारी उपाय है। अदालत ने नियुक्ति के समय दिए गए भरण-पोषण के शपथ पत्र को भी महत्वपूर्ण माना और कहा कि योजना का लाभ लेने के बाद उससे जुड़ी जिम्मेदारी से पूरी तरह अलग नहीं हुआ जा सकता कोर्ट ने एवीवीएनएल को निर्देश दिया कि बहू के मासिक वेतन का 25 प्रतिशत हिस्सा सास के बैंक खाते में जमा किया जाए। यह व्यवस्था सास के जीवित रहने तक जारी रहेगी। साथ ही दिवंगत कर्मचारी के बकाया टर्मिनल लाभ 30 दिनों के भीतर जारी कर उन्हें सास और बहू के बीच बराबर बांटने के निर्देश दिए गए।

केन्द्रीय विद्यालय माउंट आबू की सृष्टि गिरी ने राष्ट्रीय एथलेटिक्स में जीता स्वर्ण और कांस्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। केन्द्रीय विद्यालय माउंट आबू की छात्रा सृष्टि गिरी ने राष्ट्रीय स्तर की एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और जयपुर संभाग का नाम रोशन किया है। उन्होंने अंडर-14 आयु वर्ग के गोला फेंक में स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सृष्टि गिरी का विद्यालय खेल महासंघ के

लिए भी चयन हुआ है। एक ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दो पदक हासिल कर सृष्टि ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया राष्ट्रीय स्तर की यह एथलेटिक्स प्रतियोगिता केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली की ओर से आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 21 सितंबर तक केरल के त्रिवेंद्रम में हुआ। देश के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसमें केन्द्रीय विद्यालय माउंट आबू की चार छात्राओं ने जयपुर संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व किया। जयपुर संभाग की टीम में दिव्या कंवर, रिया मनोला, दक्षिता और सृष्टि गिरी शामिल रहीं। चारों छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इनमें तीन छात्राओं को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ, जबकि सृष्टि गिरी ने अपने प्रदर्शन से अलग पहचान बनाई। सृष्टि ने अंडर-14 वर्ग के गोला फेंक मुकाबले में स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके साथ ही डिस्कस थ्रो में उन्होंने कांस्य पदक जीतकर दोहरी सफलता दर्ज की। उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें मेरिट प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।

मुंबई की कॉरपोरेट कंपनियों और सरकारी ठगी के खिलाफ किसानों की आर-पार की लड़ाई

सरकार के इशारे पर गुजरात के खेतों पर मुंबई की लुटेरी कंपनियों का धावा; सोलर, विंड और हाई-टेंशन लाइनों के नाम पर किसानों की जमीनें हड़पने का बड़ा षड्यंत्र!

'हम अन्न उपजाते हैं, किसी उद्योगपति की गुलामी करने के लिए पैदा नहीं हुए हैं!' - गुजरात के किसानों की खुली ललकार।

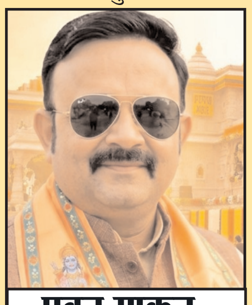

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

सरकार किसकी? गुजरात की जनता की या मुंबई के पूंजीपतियों की?

आज गुजरात का किसान सड़कों पर है, और उसका सीधा गुस्सा राज्य सरकार और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ है। विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाली बीजेपी सरकार अडानी, अंबानी और मुंबई की बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों को फायदा पहुँचाने के लिए गुजरात के गरीब और मध्यमवर्गीय किसानों के अधिकारों पर डाका डाल रही है। कच्छ से लेकर सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात तक सोलर पार्क, विंड मिल और हाई-टेंशन बिजली लाइनें बिछाने के नाम पर किसानों की वर्षों पुरानी उपजाऊ जमीनें छीनी जा रही हैं।

सरकार उद्योगपतियों के सामने नतमस्तक हो चुकी है और किसानों के मुंह पर सिर्फ मिट्टी पोतने का काम कर रही है। पुलिस तंत्र को आगे करके अन्नदाताओं की आवाज को दबाने के तमाम हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। क्या सरकार इसलिए बैठी है कि सिर्फ मुंबई के सेठों की तिजोरियां भरें और गुजरात का किसान बर्बाद हो जाए?

मुंबई के दफ्तरों तक हड़कंपः अब होगा सीधा हिसाब!

जब गांधीनगर के मंत्री और नेता कुंभकर्णी नींद में सो रहे हैं और कॉरपोरेट कंपनियों के दलाल बनकर घूम रहे हैं, तब गुजरात के किसान पुत्रों ने साफ कर दिया है कि यदि गांधीनगर से न्याय नहीं मिला, तो मुंबई के कॉरपोरेट दफ्तरों के दरवाजे खटखटाना भी हमें अच्छी तरह आता है!

मुंबई स्थित पावर और एनर्जी कंपनियों के दफ्तरों तक किसानों का आक्रोश पहुंच चुका है। कंपनियां मनमाने तरीके से जमीन के भाव तय करती हैं, मुआवजे के नाम पर मामूली टुकड़े फेंककर किसानों को भिखारी बना देती हैं और खुद वर्षों तक करोड़ों रुपए की कमाई करती हैं। यह खुली लूट अब और अधिक बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सरकार के सामने सुलगते सवाल - 'महानगर मेट्रो न्यूज़' के तीखे प्रश्नः

1. मुआवजे के नाम पर धोखा क्यों? बीजेपी सरकार स्पष्ट करे कि मुंबई की कंपनियों को जमीन देते समय किसानों को बाजार मूल्य के अनुसार पूरा और उचित मुआवजा क्यों नहीं दिया जा रहा है?
2. पुलिसिया दमन कब तक चलेगा? अपने ही खेत में अधिकार मांगने जाने वाले किसानों पर पुलिसिया राज जैसा बर्ताव कर लाठीचार्ज और धमकियां देने का पाप कब बंद होगा?
3. कॉरपोरेट गुलामी स्वीकार करने के लिए मजबूर क्यों? क्या गुजरात की सरकार केवल मुंबई के पूंजीपतियों की वफादारी करने के लिए ही चुनी गई है या किसानों के हितों की रक्षा करने की कोई जिम्मेदारी बाकी है?
4. कितना लंबा चलेगा यह संघर्ष? जब तक सरकार इन अन्यायपूर्ण नीतियों को वापस नहीं लेती और कंपनियों की दादागिरी बंद नहीं होती, तब तक यह लड़ाई थमने वाली नहीं है–आज खेतों से शुरू हुई यह आग गांधीनगर से लेकर मुंबई तक तांडव मचाएगी!

'महानगर मेट्रो न्यूज़' की बुलंद आवाजः गुजरात का अन्नदाता कभी नहीं झुकेगा और किसी की दया पर नहीं जिएगा। सरकार भले ही कितने भी जोर लगा ले, लेकिन किसानों की यह आर-पार की लड़ाई अब सरकार की कुर्सी हिलाकर ही दम लेगी!

(गुरुवार) 24 सितंबर 2026

- **मेष**: आज कामकाज में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा और आर्थिक स्थिति बेहतर होने के संकेत हैं।
- **वृषभ**: आज नई योजना पर काम शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है। रिश्तों में मधुरता आएगी और कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं
- **मिथुन**: आज रुके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और कोई अच्छी खबर मिल सकती है।
- **कर्क**: आज कार्यक्षेत्र में चुनौतियां मिलेंगी, लेकिन आप अपनी समझदारी से उन्हें संभाल लेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें
- **सिंह**: आज बातचीत के जरिए कई समस्याओं का समाधान होगा। नौकरी और व्यापार में नए अवसर सामने आ सकते हैं
- **कन्या**: आज भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति के अवसर बनेंगे तथा किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है
- **तुला**: आज खर्च पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें और जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला न लें
- **वृश्चिक**: आज काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी। धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें और अनावश्यक खर्च से बचें
- **धनु**: आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे। मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है और परिवार का सहयोग मिलेगा
- **मकर**: आज रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा और कामकाज में नए रास्ते खुल सकते हैं।
- **कुंभ**: आज मेहनत के अनुसार सफलता मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में लाभ होगा और पुराने विवाद समाप्त हो सकते हैं
- **मीन**: आज दिन मिलाजुला रहेगा। किसी जरूरी काम में सफलता मिलेगी, लेकिन निजी मामलों में भावनाओं के बजाय समझदारी से फैसला लें

जन्म 1966, 10वीं 1965 में... नंदीग्राम में भाजपा प्रत्याशी का 'समय से पहले' इम्तिहान

कांग्रेस का दावा- जन्म लेने से एक साल पहले ही पास कर ली मैट्रिक; हाईकोर्ट पहुंचा मामला, उम्मीदवारी रद्द करने की मांग

नंदीग्राम। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम विधानसभा सीट पर उपचुनाव से पहले सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस बार मुकाबले में मुद्दे सड़क, पानी, रोजगार या विकास से आगे निकलकर सीधे प्रत्याशी के जन्म और पढ़ाई की तारीखों तक पहुंच गए हैं। भाजपा प्रत्याशी हसीरानी रथ के चुनावी हलफनामे में दर्ज जानकारियों को लेकर कांग्रेस ने ऐसा सवाल उठाया है, जिसका जवाब फिलहाल अदालत में तलाशा जा रहा है।

कांग्रेस का दावा है कि हसीरानी रथ ने अपने चुनावी हलफनामे में जन्म वर्ष 1966 दर्ज किया है, जबकि उसी हलफनामे में 10वीं यानी माध्यमिक परीक्षा 1965 में पास करने की जानकारी दी गई है। कांग्रेस के मुताबिक, यदि दोनों जानकारियां सही मानी जाएं तो हिसाब बड़ा दिलचस्प बनता है–उम्मीदवार का जन्म 1966 में हुआ और दसवीं की परीक्षा उससे एक साल पहले, यानी 1965 में ही पास हो गई।

यानी कागजों की दुनिया में नंदीग्राम का चुनाव अब सिर्फ वोटों का नहीं, बल्कि 'समय की रफ्तार' का भी चुनाव बन गया है। सवाल यह नहीं कि दसवीं में कितने अंक आए थे, सवाल यह है कि परीक्षा देने के लिए छात्र का जन्म होना जरूरी था या नहीं। अगर जन्म के बाद पढ़ाई होती है तो 1965 की परीक्षा और 1966 के जन्म की तारीख आखिर एक ही हलफनामे में कैसे साथ खड़ी हैं?

कांग्रेस ने इसी विसंगति को आधार बनाकर कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। कांग्रेस नेता और अधिवक्ता रित्जू घोषाल ने सवाल उठाया है कि जब जन्म वर्ष 1966 है तो 1965 में माध्यमिक परीक्षा पास करने का दावा कैसे किया गया। कांग्रेस ने मांग की है कि यदि शैक्षणिक योग्यता से जुड़ी जानकारी गलत साबित होती है तो भाजपा प्रत्याशी की उम्मीदवारी रद्द की जाए।

स्कूल के रिकॉर्ड ने भी बढ़ाए सवाल

कांग्रेस ने हलफनामे में बताए गए विद्यालय के रिकॉर्ड पर भी सवाल खड़े किए हैं। पार्टी के मुताबिक, चौखाली गंगा पद्म मिलन कन्या विद्यापीठ की शुरुआत 1963 में हुई थी और उस समय वहां पांचवीं कक्षा तक ही पढ़ाई होती थी। कांग्रेस का कहना है कि विद्यालय को दसवीं तक पढ़ाई की सरकारी मंजूरी 1973 में मिली। अब सवाल यह है कि अगर कांग्रेस के दावे सही हैं तो हलफनामे में 1965 में दसवीं पास करने की जानकारी आई कहां से? और यदि यह केवल लिखने-पढ़ने की गलती है तो इतनी महत्वपूर्ण चुनावी प्रक्रिया में हलफनामे की जांच के दौरान इसे पकड़ने की जिम्मेदारी किसकी थी?

भाजपा का जवाब- सिर्फ टाइपिंग की गलती

भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी का कहना है कि हसीरानी रथ की उम्र को लेकर कोई विवाद नहीं है। भाजपा के मुताबिक, उनका जन्म 1965 में हुआ था और उन्होंने 1980 में दसवीं की पढ़ाई पूरी की थी। पार्टी ने पूरे विवाद को हलफनामे में हुई टाइपिंग की गलती बताया है। भाजपा के इस स्पष्टीकरण के बाद मामला और दिलचस्प हो गया है। यदि 1965 जन्म वर्ष और 1980 परीक्षा वर्ष सही है, तो फिर हलफनामे में 1966 और 1965 कैसे दर्ज हो गए? आखिर चुनावी हलफनामा कोई चाय की दुकान पर लिखा गया कागज तो है नहीं कि तारीख लिखते समय कलम ने भी अपनी मर्जी चला दी। चुनाव लड़ने वाला प्रत्याशी अपने बारे में जन्म, शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां हलफनामे में देता है। ऐसे में 'टाइपिंग की गलती' कह देना राजनीतिक सफाई तो हो सकती है, लेकिन दस्तावेजी सवाल का अंतिम जवाब नहीं। असली जवाब मूल प्रमाणपत्र, स्कूल रिकॉर्ड और संबंधित सरकारी दस्तावेजों की जांच से ही सामने आएगा। कांग्रेस का एक बड़ा सवाल चुनाव आयोग की जांच प्रक्रिया को लेकर भी है। पार्टी का कहना है कि हलफनामा आयोग के सामने जमा हुआ और उसकी जांच भी हुई, फिर जन्म वर्ष और परीक्षा वर्ष के बीच इतना बड़ा अंतर कैसे नजरअंदाज हो गया? यदि यह महज टाइपिंग की गलती थी तो उसे समय रहते सुधारा क्यों नहीं गया? और यदि दस्तावेजों में दी गई जानकारी में वास्तविक अंतर था तो उसकी पुष्टि किए बिना नामांकन प्रक्रिया आगे कैसे बढ़ी? यही वह सवाल है जो नंदीग्राम के चुनाव को एक अलग दिशा में ले जा रहा है। क्योंकि चुनाव में प्रत्याशी से केवल भाषण नहीं, दस्तावेज भी मांगे जाते हैं। भाषण में गलती पर

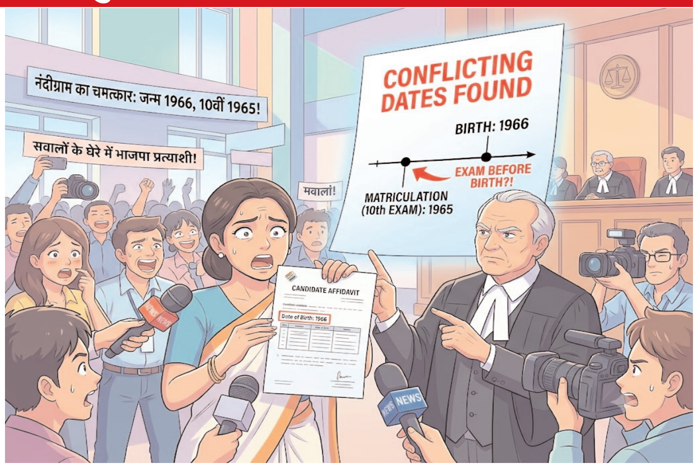

तालियां या हूटिंग मिल सकती है, लेकिन हलफनामे की गलती का हिसाब कानून और चुनावी नियमों के तहत देना पड़ता है। नंदीग्राम की राजनीतिक कहानी पहले ही बेहद दिलचस्प रही है। 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन से लेकर 2021 में ममता बनर्जी और शुभेंदु अधिकारी के आमने-सामने आने तक यह सीट बंगाल की राजनीति के केंद्र में रही है। अब उपचुनाव से पहले एक बार फिर नंदीग्राम चर्चा में है, लेकिन इस बार चुनावी भाषणों से ज्यादा चर्चा कागजों की हो रही है। विडंबना देखिए–मतदाता अपने प्रतिनिधि से पांच साल के काम का हिसाब मांगने वाला था, लेकिन चुनाव शुरू होने से पहले ही प्रत्याशी से जन्म और दसवीं पास करने का हिसाब मांगा जा रहा है। भाजपा के लिए यह महज टाइपिंग की गलती हो सकती है, कांग्रेस के लिए उम्मीदवारी का सवाल; लेकिन मतदाता के लिए सवाल सीधा है–चुनावी हलफनामे में दर्ज जानकारी आखिर कितनी भरोसेमंद है? अब हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। दस्तावेज सामने आएंगे और यह तय होगा कि मामला वास्तव में टाइपिंग की भूल है या उससे ज्यादा गंभीर कोई विसंगति। फिलहाल नंदीग्राम की चुनावी किताब में एक नया अध्याय जुड़ गया है–जहां उम्मीदवार को वोट मांगने से पहले यह साबित करना पड़ रहा है कि उसने दसवीं की परीक्षा कम से कम अपने जन्म के बाद ही दी थी। राजनीति में 'विकास' की तारीख भले कभी-कभी आगे-पीछे हो जाए, लेकिन जन्म और दसवीं की तारीख का गणित इतना आगे-पीछे हो जाए तो सवाल उठना स्वाभाविक है। अब देखना यह है कि अदालत के सामने दस्तावेज बोलते हैं या फिर 'टाइपिंग की गलती' ही इस पूरे गणित का अंतिम उत्तर बनती है।

पक्का गुजरात : संस्कारों की खुशबू, विकास की नई ऊँचाइयाँ और गौरवपूर्ण पहचान

गुजरात केवल भारत के नक्शे पर दिखाई देने वाला एक राज्य नहीं है। यह मेहनत, हिम्मत, संघर्ष, व्यापार-बुद्धि, सेवा, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं से निर्मित एक ऐसी पहचान है, जिसने देश और दुनिया में अपनी अलग छाप छोड़ी है। गुजरात की मिट्टी में कुछ कर गुजरने की जिद है, कठिन परिस्थितियों में रास्ता तलाशने का साहस है और बदलते समय के साथ आगे बढ़ने की अद्भुत क्षमता है। यही कारण है कि गुजरात का नाम आते ही उद्यम, व्यापार, विकास और प्रगति के साथ-साथ उसकी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मूल्यों की भी चर्चा होती है।

इसी भावना को यदि एक शब्द में व्यक्त करना हो तो 'पक्का गुजरात' कहा जा सकता है। 'पक्का' यानी मजबूत, दृढ़, विश्वसनीय और अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ। इसलिए 'पक्का गुजरात' का अर्थ केवल ऊंची इमारतों, बड़े उद्योगों, चौड़ी सड़कों और आधुनिक तकनीक वाला गुजरात नहीं है। वास्तविक अर्थों में पक्का गुजरात वह है, जहां विकास और संस्कार साथ-साथ चलते हों, आधुनिकता और परंपरा में संतुलन हो तथा आर्थिक समृद्धि के साथ मानवता भी मजबूत होती जाए।

गुजरात की सबसे बड़ी विशेषताओं में उसकी विविधता शामिल है। कच्छ का विशाल रण अपनी प्राकृतिक भव्यता के साथ अलग पहचान रखता है। सौराष्ट्र की धरती अपनी मेहनत, लोकपरंपराओं और धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के लिए जानी जाती है। उत्तर गुजरात की कृषि और पशुपालन से जुड़ी मेहनत राज्य की अर्थव्यवस्था को आधार देती है, तो दक्षिण गुजरात की हरियाली और औद्योगिक गतिविधियां विकास की दूसरी तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। समुद्र तट से लेकर रेगिस्तान तक और गांवों की सादगी से लेकर आधुनिक शहरों की रफ्तार तक, गुजरात के भीतर अनेक रंग दिखाई देते हैं।

गुजरात ने उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। छोटे कारोबारियों से लेकर बड़े उद्योगों तक, यहां उद्यमशीलता की परंपरा लंबे समय से दिखाई देती है। कृषि के क्षेत्र में भी किसानों की मेहनत राज्य की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन की महत्वपूर्ण ताकत है। शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक, परिवहन और आधारभूत सुविधाओं में विस्तार ने गुजरात के विकास को नई दिशा दी है।

लेकिन किसी भी राज्य की असली प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों से तय नहीं होती। विकास का अर्थ यह भी है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक अवसर और सुविधाएं पहुंचें। गांवों में रहने वाले युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर मिलें। किसानों को सम्मान और आवश्यक सुविधाएं प्राप्त हों। महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिले। बुजुर्गों को परिवार और समाज का सहारा मिले। बच्चों को ऐसी शिक्षा मिले, जिसमें आधुनिक ज्ञान के साथ संस्कार और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित हो।

यही वह बिंदु है, जहां 'पक्का गुजरात' की अवधारणा और व्यापक हो जाती है। हमें ऐसा गुजरात बनाना है, जहां गुजराती भाषा और लोकसंस्कृति केवल उत्सवों तक सीमित न रहें, बल्कि नई पीढ़ी के दैनिक जीवन का हिस्सा बनी रहें। गरबा, लोकगीत, लोककला, हस्तशिल्प, खान-पान, पारंपरिक त्योहार और सामाजिक परंपराएं गुजरात की पहचान हैं। आधुनिक जीवनशैली को अपनाते हुए इन सांस्कृतिक मूल्यों को बचाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

पर्यावरण संरक्षण भी पक्के गुजरात की पहचान होना चाहिए। जल का संयमित उपयोग, वर्षा जल का संरक्षण, नदियों और तालाबों की स्वच्छता, पेड़-पौधों की रक्षा, प्लास्टिक के अनावश्यक उपयोग में कमी और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता जैसे प्रयास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हैं। प्रत्येक नागरिक की छोटी-सी जिम्मेदारी मिलकर बड़े बदलाव का आधार बन सकती है।

आज गुजरात का युवा नई तकनीक और नए अवसरों के साथ आगे बढ़ रहा है। वह देश ही नहीं, दुनिया में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहा है। जरूरत इस बात की है कि उसे रोजगार के साथ नवाचार, कौशल और उद्यम के लिए भी पर्याप्त अवसर मिलें। गांवों और छोटे शहरों की प्रतिभाओं को भी आगे आने का समान अवसर मिले। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए नई दुनिया की चुनौतियों को स्वीकार करेगा, तभी विकास की नींव और मजबूत होगी।

'पक्का गुजरात' किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह करोड़ों नागरिकों के सामूहिक संकल्प से बनने वाली पहचान है। ईमानदारी से अपना काम करना, कानून और नियमों का सम्मान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, जरूरतमंद की सहायता करना, स्वच्छता बनाए रखना और समाज के प्रति संवेदनशील रहना–ये छोटे दिखाई देने वाले कदम ही किसी प्रदेश को भीतर से मजबूत बनाते हैं।

हमें आने वाली पीढ़ी को केवल आर्थिक रूप से समृद्ध गुजरात नहीं देना है। हमें ऐसा गुजरात देना है, जो संस्कारों में मजबूत हो, संस्कृति में समृद्ध हो, शिक्षा में आगे हो, पर्यावरण के प्रति

रूपेश सोलंकी

जिम्मेदार हो, युवाओं के सपनों को अवसर देता हो और हर नागरिक के सम्मान को महत्व देता हो। गुजरात की पहचान उसकी उपलब्धियों से जितनी बनती है, उतनी ही उसकी जड़ों से भी बनती है। इसलिए विकास की ऊंचाइयों को छूते हुए अपनी मिट्टी की खुशबू को बनाए रखना ही 'पक्का गुजरात' की सबसे बड़ी पहचान है।

एक ऐसा गुजरात, जो आधुनिक भी हो और संस्कारी भी; समृद्ध भी हो और संवेदनशील भी; आत्मनिर्भर भी हो और अपनी संस्कृति पर गर्व करने वाला भी–यही पक्का गुजरात है और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सबसे बड़ी विरासत हो सकती है।

स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रबंधन, दस्तावेज और विद्यार्थियों की भागीदारी का हो रहा सत्यापन

कच्छ। जिले के सरकारी स्कूलों में गुणोत्सव-2026 के तहत गुणवत्ता सत्यापन और मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत विद्यालयों की शैक्षणिक उपलब्धियों, प्रबंधन व्यवस्था और स्वयं मूल्यांकन में दर्ज जानकारी का मौके पर जाकर सत्यापन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल अंक देना नहीं, बल्कि स्कूलों की वास्तविक स्थिति को समझना और सुधार की संभावनाओं को पहचानना है। इसी क्रम में बुधवार, 23 सितंबर 2026 को श्री घनश्याम नगर चौबारी प्राथमिक विद्यालय का दौरा श्री प्रकाश कुमार पंडित साहेब और श्री शैलेशभाई मकवाना साहेब ने किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, आवश्यक दस्तावेजों, पढ़ाई के वातावरण और विभिन्न गतिविधियों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया गया। स्कूल की ओर से प्रस्तुत गुणवत्ता संबंधी जानकारी का भी सत्यापन किया गया। गुणोत्सव के तहत कक्षा शिक्षण, विद्यार्थियों की सहभागिता, पुस्तकालय, शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियां, दस्तावेजों का रखरखाव और विद्यालय के समग्र वातावरण जैसे पहलुओं को गुणवत्ता के महत्वपूर्ण मानदंडों में शामिल किया गया है। इससे स्कूलों को अपनी कार्यप्रणाली का आकलन करने और यह समझने का अवसर मिलता है कि वे किन क्षेत्रों में बेहतर काम कर रहे हैं तथा कहां सुधार की आवश्यकता है। कच्छ जैसे विस्तृत और विविध परिस्थितियों वाले जिले में इस तरह के गुणवत्ता मूल्यांकन का महत्व और बढ़ जाता है। अलग-अलग विद्यालयों की व्यवस्थाओं और शैक्षणिक जरूरतों को समझकर सुधार की दिशा तय की जा सकती है। गुणोत्सव का उद्देश्य केवल कमियां तलाशना नहीं, बल्कि विद्यालयों की खूबियों को पहचानकर उन्हें और मजबूत करना भी है।

गुजरात के अन्नदाता की लाचारीः सरकार और शुगर मिलों की मिलीभगत के खिलाफ फूटा गुस्सा

महंगे खाद-बीज और बदहाल शुगर मिलों की स्थिति से तंग आकर किसानों ने गन्ने के खेतों पर फेरा ट्रैक्टर

'नेता शुगर मिलें चलाकर करोड़पति बन गए, और किसान कर्ज के दलदल में दब गया!' - गुजरात के किसानों का खुला आरोप।

सोने जैसे खेतों में निराशाः क्यों छूट रही है गन्ने की खेती?

एक समय था जब गुजरात के विशेषकर दक्षिण गुजरात और अन्य क्षेत्रों में गन्ने की खेती को समृद्धि का प्रतीक माना जाता था। लेकिन आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। महंगे बीज, असहनीय रूप से महंगे उर्वरक और कीटनाशकों के दाम आसमान छू रहे हैं। दशकों पहले खाद की एक बोरी जिस कीमत पर मिलती थी, आज उससे कई गुना अधिक दाम वसूले जा रहे हैं, जबकि इसके मुकाबले गन्ने के लाभकारी दामों में कोई बड़ी वृद्धि नहीं की गई है। परिणामस्वरूप, मेहनत और लागत के सामने उचित रिटर्न न मिलने के कारण किसान बर्बाद हो रहे हैं और गन्ने की खेती छोड़कर बागवानी या सब्जियों की ओर रुख करने के लिए मजबूर हो गए हैं।

शुगर मिलों की बर्बादी और बीजेपी नेताओं की तिजोरियां!

किसानों के गुस्से का सबसे बड़ा कारण सहकारी क्षेत्र की शुगर मिलों की दुर्दशा है। सूत्रों के अनुसार, सत्ताधारी पार्टी बीजेपी के नेताओं ने शुगर मिलों की समितियों और चेयरमैन पदों पर कब्जा जमाकर मिलों को घाटे में धकेल दिया है। आम किसान पसीना बहाकर गन्ना उगाता है, जबकि राजनीतिक नेता और रसूखदार लोग शुगर मिलों के माध्यम से करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार करके फल-फूल रहे हैं। मिलें समय पर किसानों को भुगतान नहीं करती हैं, और जब भुगतान होता भी है तो इतने कम भाव दिए जाते हैं कि किसान अपने खाद और मजदूरी के पैसे भी पूरे नहीं निकाल पाता। सरकार के पास किसानों की मदद करने या राहत पैकेज देने के नाम पर हमेशा बहाने होते हैं, लेकिन उद्योगपतियों और भ्रष्ट नेताओं की तिजोरियां भरने के लिए सरकारी खजाने के मुंह खुले छोड़ दिए जाते हैं।

सरकार की किसान विरोधी नीतियांः अब जागने का समय

1. गन्ने का उचित भाव क्यों नहीं? वर्षों से महंगाई बढ़ने के बावजूद किसानों को टन के हिसाब से पूरा भाव क्यों नहीं मिल रहा है? क्या किसानों का जन्म केवल लुटने के लिए हुआ है?
2. भ्रष्ट नेताओं पर कार्रवाई कब? शुगर मिलों में बैठकर करोड़ों रुपए का हेरफेर करने वाले बीजेपी नेताओं के खिलाफ सरकार कोई कड़ी जांच क्यों नहीं करवाती?
3. कर्ज के बोझ तले दबा किसानः बैंकों के चक्कर काटता और ब्याज के चक्रव्यूह में फंसा अन्नदाता आज आत्महत्या करने को मजबूर हो, ऐसी स्थिति आखिर किसने पैदा की है?

'महानगर मेट्रो न्यूज़' की हुंकारः सरकार भले ही विकास के बड़े-बड़े दावे करे, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि नीतियों की विफलता और नेताओं की गैर-जिम्मेदारी के कारण गुजरात का अन्नदाता बर्बाद हो रहा है। सहायता नहीं मिली, तो किसानों का यह आक्रोश आने वाले दिनों में सरकार की कुर्सी हिलाकर रख देगा!

मध्य प्रदेश के सागर जहरीली शराब कांड में बड़ा एक्शन 30 हजार का इनामी मनीष लोधी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा में हुए जहरीली शराब कांड में पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है. इस मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है. मनीष लोधी पर 30 हजार रुपये का इनाम रखा गया था. उसके साथ आशीष साहू नाम के एक अन्य आरोपी को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है. यह पूरी घटना मालथौन थाना क्षेत्र के नोनिया सेसई रोड घाटी पर हुई, जहां पुलिस और आरोपियों के बीच सीधी मुठभेड़ हुई. पुलिस के मुताबिक जब टीम आरोपियों को पकड़ने पहुंची तो दोनों तरफ से गोलीबारी की नौबत आ गई. इस दौरान मनीष लोधी के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया. वहीं पुलिस से बचकर भागने की कोशिश में उसका साथी आशीष साहू भी घायल हो गया. मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके की तलाशी ली, जिसमें दो देशी कट्टे, पांच खाली राउंड और एक बेसबॉल डंडा बरामद किया गया है. दोनों घायल आरोपियों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया है पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बंडा जहरीली शराब मामले में यह पुलिस की तीसरी मुठभेड़ है. इससे पहले भी इस मामले से जुड़े आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस कई बार मुठभेड़ कर चुकी है. मनीष लोधी को इस पूरे कांड का मुख्य किरदार माना जा रहा है, इसी वजह से पुलिस उसे पकड़ने के लिए लगातार कोशिश कर रही थी. अब गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे पूछताछ करेगी ताकि पूरे मामले की तह तक पहुंचा जा सके. पुलिस अभी भी अवैध शराब के इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और हर आरोपी की क्या भूमिका रही है.

चुनावी रणनीति के लिए मायावती ने बुलाई बैठक, राइट में भाई आनंद तो लेफ्ट में भतीजे ईशान दिखे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की सियासी तपिश के बीच बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की अहम बैठक बुलाई है. यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब परिवार से लेकर पार्टी के संगठन तक में बड़ी सियासी उथल-पुथल मची हुई है. बैठक के दौरान मंच पर मायावती के ठीक दाहिनी (राइट) तरफ उनके भाई आनंद कुमार नजर आए, तो बायीं (लेफ्ट) तरफ उनके छोटे भतीजे ईशान आनंद खड़े दिखे. आकाश आनंद को पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद मायावती ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके भाई आनंद कुमार के परिवार से अब केवल उनके छोटे बेटे ईशान आनंद को ही पार्टी में सम्मानजनक जिम्मेदारी देकर आगे बढ़ाया जाएगा. ऐसे में पूरे सियासी गलियारे की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस बैठक में मायावती ईशान आनंद को लेकर क्या औपचारिक घोषणा करती हैं. उत्तर प्रदेश समेत उत्तराखंड और पंजाब में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और प्रदेश अध्यक्षों के साथ मायावती गहन मंथन करेंगी. बैठक में देश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी चर्चा की जाएगी. इसके अलावा आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर पार्टी की रणनीति और संगठन की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी. मायावती बैठक में संभावित बसपा उम्मीदवारों के चयन को लेकर भी चर्चा और समीक्षा करेंगी. वे पार्टी नेताओं से उनके अपने राज्यों और क्षेत्रों में संगठन की स्थिति की जानकारी लेंगी. मायावती पिछली बैठकों में दिए गए निर्देशों पर अब तक कितना काम हुआ है, इसकी प्रगति रिपोर्ट भी लेंगी. बसपा के लिए उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियां इस बैठक का मुख्य बिंदु रहेंगी. आकाश आनंद को बसपा से बाहर किए जाने के बाद यह महत्वपूर्ण बैठक हो रही है. इसीलिए लखनऊ की इस बैठक पर सभी की नजरें टिकी हैं कि मायावती क्या बड़ा फैसला लेती हैं. पिछले कुछ समय में हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बाद मंच पर ईशान आनंद की मायावती के ठीक बगल में उपस्थिति यह साफ संकेत देती है कि पार्टी में अब उन्हें नई पीढ़ी के नेतृत्व के तौर पर आगे बढ़ाया जा रहा है.

व्यापारी से ढाई लाख लेने होटल में पहुंची महिला, पुलिस ने किया अरेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में सोशल मीडिया के जरिए व्यापारी से दोस्ती और फिर कथित ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है. व्यापारी की शिकायत के बाद कोतवाली पुलिस ने एक महिला को होटल में 2.5 लाख रुपये लेते हुए गिरफ्तार किया. पुलिस के मुताबिक, महिला ने व्यापारी से 20 लाख रुपये की मांग की थी और कथित तौर पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी थी. जबलपुर में सोशल मीडिया के जरिए शुरू हुई एक दोस्ती के बाद व्यापारी से कथित ब्लैकमेलिंग और वसूली का मामला सामने आया है. कोतवाली पुलिस ने एक महिला को 2.5 लाख रुपये लेते हुए गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला की पहचान पूजा रैदास के तौर पर हुई है. वह बार डांसर के रूप में काम करती है और दो बच्चों की मां है. व्यापारी की शिकायत के बाद पुलिस ने जाल बिछाया और होटल में पैसे लेते वक्त महिला को पकड़ लिया. मामला जबलपुर के ग्वारीघाट इलाके में रहने वाले व्यापारी सार्थक से जुड़ा है. शिकायत के मुताबिक, अप्रैल 2025 में सार्थक की मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली की रहने वाली पूजा रैदास से हुई थी. दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ गई. व्यापारी ने पुलिस को बताया कि महिला ने शुरुआत में खुद को छात्रा बताया था. दोनों के बीच बातचीत बढ़ी तो मुलाकातें भी होने लगीं. व्यापारी के मुताबिक, वह महिला को उसके गृह गांव तक छोड़ने भी जाता था. शिकायत में आरोप है कि इस दौरान व्यापारी ने महिला की कई मांगें पूरी कीं. महंगे सामान और दूसरे खर्चों पर भी पैसे दिए गए. लेकिन कुछ समय बाद मामला कथित तौर पर अलग दिशा में चला गया. व्यापारी का आरोप है कि महिला ने उससे 20 लाख रुपये की मांग की और रकम नहीं देने पर झूठे पुलिस केस में फंसाने की धमकी देने लगी पुलिस के मुताबिक, व्यापारी ने जब 20 लाख रुपये देने से इनकार किया तो उस पर लगातार दबाव बनाया गया. शिकायत के अनुसार, धमकियों से परेशान व्यापारी ने आखिरकार महिला से बातचीत की और कथित तौर पर 7 लाख रुपये में मामला तय हुआ. इसके बाद व्यापारी ने 18 सितंबर को कोतवाली थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी जानकारी दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने महिला को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई. पुलिस के निर्देश पर व्यापारी ने महिला से संपर्क किया और बताया कि वह पहली किस्त के तौर पर 2.5 लाख रुपये का इंतजाम कर चुका है. दोनों की मुलाकात जबलपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित गोपालबाग के होटल कदम ट्री में तय हुई. व्यापारी और महिला होटल पहुंचे. पुलिस टीम पहले से ही आसपास मौजूद थी. महिला पुलिसकर्मी भी सिविल ड्रेस में तैनात थीं.

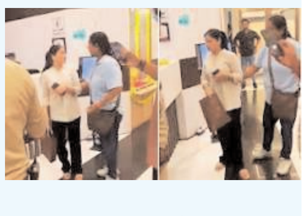

दतिया हार के 49 दिन बाद मिला बीजेपी को नया जिलाध्यक्ष, माधवेंद्र सिंह को सौंपी कमान, नरोत्तम मिश्रा को किनारे लगाया?

मधावेंद्र सिंह को नरेंद्र सिंह तोमर का करीबी बताया जा रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में बीजेपी ने दतिया हार के बाद नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है। नए जिलाध्यक्ष पर नरोत्तम मिश्रा की छाप नहीं है। माधवेंद्र सिंह परिहार को दतिया का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। बताया जा रहा है कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के वह करीबी हैं।

हार के बाद पार्टी ने भंग कर दी थी जिला कमिटी

दरअसल, दतिया उपचुनाव के परिणाम तीन अगस्त को आए थे। परिणाम के बाद कथित रूप से भीतरघात के आरोप लगे थे। इसके बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने पूरी जिला कार्यकारिणी को भंग कर दी थी। कार्यकारिणी में ज्यादातर नरोत्तम मिश्रा के चहेते लोग थे।

माधवेंद्र सिंह को बनाया गया जिलाध्यक्ष

बीजेपी ने मंगलवार की रात दतिया के लिए जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी है। पूर्व में दतिया के जिला महामंत्री रह चुके माधवेंद्र सिंह को अध्यक्ष बनाया गया है। वह बीते दो दशक से बीजेपी से जुड़े हैं। साथ ही पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। जमीनी स्तर पर भी उनकी अच्छी पकड़ है। एक समय में ग्वालियर-चंबल इलाके में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का दबदबा रहा है। उस क्षेत्र में बीजेपी के सबसे बड़े नेता आज भी वही हैं। दतिया के नए जिलाध्यक्ष माधवेंद्र सिंह भी उनके करीबी बताए जा रहे हैं। वहीं, बीजेपी उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को भी जिलाध्यक्ष बनाने की चर्चा हुई थी। हार के बाद वह भी क्षेत्र में सक्रिय हैं लेकिन संगठन की मीटिंग में उनके नाम पर सहमति नहीं बनी। आशुतोष तिवारी की हार के बाद ही तत्कालीन जिलाध्यक्ष रघुवीर शरण कुशवाह को हटाया गया था।

नरोत्तम मिश्रा को लगाया जा रहा किनारा

गौरतलब है कि बीजेपी की कोशिश है कि दतिया में संगठन मजबूत हो। किसी व्यक्ति विशेष की छत्रछाया तले वहां संगठन काम नहीं करे। इस बात का आभास पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को भी है। वह लगातार अपनी धमक बरकरार रखने के लिए दतिया में सक्रिय हैं। बीते दिनों सेवा संकल्प अभियान

में वह 500 गाड़ियों के काफिले के साथ नजर आए थे। साथ ही उनके मन में यह भी टीस है कि पार्टी ने मुझे टिकट मांगने के बाद भी नहीं दिया है।

70 साल की बुजुर्ग महिला से गलत हरकत करने की कोशिश... विरोध किया तो पीटा, अस्पताल में हो गई मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बांदा में 70 साल की बुजुर्ग महिला की मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, खेत से लौट रही महिला को आरोपी ने अकेला पाकर गलत हरकत करने की कोशिश की. विरोध करने पर उसने महिला के साथ मारपीट की और उनकी नाक की कील लूटकर फरार हो गया. महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. उत्तर प्रदेश के बांदा में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है. मामला अतर्रा कोतवाली क्षेत्र के खमहौरा गांव का है. पुलिस के मुताबिक, महिला खेत से अकेले लौट रही थी, तभी आरोपी युवक ने उसे अकेला पाकर उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश की. महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और उसकी नाक की कील लूटकर फरार हो गया. गंभीर रूप से घायल महिला को परिजन और आसपास के लोग अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस का कहना है कि आरोपी के कब्जे से महिला की लूटी गई नाक की कील बरामद कर ली गई है. घटना अतर्रा कोतवाली क्षेत्र के खमहौरा गांव की बताई जा रही है. पुलिस के मुताबिक, 70 वर्षीय महिला खेत से अपने घर लौट रही थीं. इसी दौरान आरोपी युवक ने उन्हें अकेला देख लिया. पुलिस का आरोप है कि युवक ने महिला के साथ गलत हरकत करने की कोशिश की. महिला ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी. हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही मरणासन्न हालत में पहुंच गई. आरोपी कथित तौर पर महिला को वहीं छोड़कर उनके गहने लेकर फरार हो गया. महिला को गंभीर हालत में देखकर आसपास के लोगों ने परिजनों और पुलिस को सूचना दी. इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. महिला की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की. पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपी की तलाश के लिए टीमें लगाईं. ASP बांदा शिवराज के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. उसके कब्जे से महिला से लूटी गई नाक की कील बरामद हुई है. पुलिस पूछताछ में आरोपी ने वारदात में अपनी भूमिका स्वीकार की है. आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है. पुलिस के मुताबिक,

गिरफ्तार आरोपी का नाम ददुआ है और वह पहले भी आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है. वह करीब दो महीने पहले ही जेल से बाहर आया था. पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने रिश्तेदारों के यहां आया हुआ था. शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि घटना के वक्त वह शराब के नशे में था. हालांकि वारदात से जुड़े सभी पहलुओं की जांच अभी जारी है. महिला की मौत के बाद पुलिस ने लूट समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया. पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही अब मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है. फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना की पूरी कड़ी जोड़ने में जुटी है.

जमीन की पैमाइश, पुलिस की जीप और छलांग कमलेश की मौत के बाद रेवेन्यू इंस्पेक्टर और लेखपाल सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। यूपी के श्रावस्ती में एक जमीन की पैमाइश चल रही थी. राजस्व की टीम मौके पर थी. पुलिस भी पहुंची थी, ताकि मामला बिगड़े नहीं. लेकिन पैमाइश के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि छह लोगों को पुलिस थाने ले जाने लगी. इनमें पांच महिलाएं और एक पुरुष थे. पुलिस वाहन अभी चला ही था कि उस पुरुष ने गाड़ी का गेट खोला और बाहर कूद गया. नाम था कमलेश... चलती गाड़ी से गिरने के बाद कमलेश गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे अस्पताल ले जाया गया. हालत ज्यादा बिगड़ी तो जिला अस्पताल रेफर किया गया. लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके. कमलेश की मौत के बाद इस मामले में राजस्व विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं. प्रशासन ने रेवेन्यू इंस्पेक्टर और लेखपाल को निलंबित कर दिया है. मामले की जांच के लिए अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति भी बनाई गई है. मामला श्रावस्ती के गिलौला थाना क्षेत्र का है. जमीन से जुड़े विवाद को लेकर तहसील दिवस में एक प्रार्थना पत्र दिया गया था. इसके बाद एसडीएम इकौना के आदेश पर नायब तहसीलदार आयुष के साथ राजस्व टीम सिसवारा गांव के मदारपुरवा और पुरुषोत्तमपुर पहुंची थी. मकसद था जमीन की पैमाइश करना. पुलिस की महिला और पुरुष टीम भी साथ थी. वजह थी शांति व्यवस्था बनाए रखना. लेकिन पैमाइश के दौरान मामला शांत नहीं रहा. पुलिस के मुताबिक, कुछ लोग सरकारी काम में बाधा डालने लगे. इसके बाद पांच महिलाओं और एक पुरुष को थाने ले जाने की कार्रवाई की गई. इन्हीं छह लोगों में कमलेश भी था. पुलिस के मुताबिक, छह लोगों को वाहन से थाने ले जाया जा रहा था. गाड़ी चलने के बाद कमलेश ने वाहन का गेट खोल दिया. फिर उसने चलती गाड़ी से कूदने की कोशिश की. वह सड़क पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया. पुलिसकर्मी उसे इलाज के लिए सीएचसी लेकर पहुंचे. वहां से उसे संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा रेफर किया गया. लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने कमलेश को मृत घोषित कर दिया. एएसपी चंद्रकेश सिंह के मुताबिक, कमलेश ने चलती पुलिस गाड़ी से कूदने का प्रयास किया था. कमलेश की मौत के बाद उसके परिवार ने राजस्व टीम की भूमिका पर सवाल उठाए हैं.

इस बार बीजेपी को मात देने की तैयारी में सपा, यूपी में उलझ गया राज्यसभा का गणित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 10 राज्यसभा सीटों पर चुनाव के ऐलान के साथ ही सियासी तानाबाना बुना जाने लगा है. राजनीतिक समीकरण और विधायकों की संख्या के लिहाज से 10 में से 7 सीटों पर बीजेपी और 2 सीटों पर सपा की जीत पूरी तरह तय मानी जा रही है. हालांकि, असली घमासान 10वीं राज्यसभा सीट पर है, जिसे लेकर सपा और भाजपा के बीच एक बार फिर रस्साकशी के आसार बन रहे हैं. सपा ने राज्यसभा चुनाव को लेकर अपनी तैयारी शुरू कर दी है. अखिलेश यादव 2024 का हिसाब बराबर करने और राज्यसभा की तीसरी सीट जीतने के लिए तानाबाना बुन रहे हैं. इसके चलते राज्यसभा चुनाव का गणित उलझ गया है. वहीं, बीजेपी की रणनीति राज्यसभा की 8 सीटें जीतने की है, जिसके लिए गणित बिठाया जा रहा है. ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि विधानसभा चुनाव से पहले राज्यसभा के लिए 16 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में कौन सियासी बाजी मारता है? उत्तर प्रदेश से जिन 10 सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें बीजेपी के 7 (सहित 1 रिक्त सीट), सपा के दो और एक बसपा के राज्यसभा सदस्य हैं. बीजेपी से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अलावा अरुण सिंह, गीता शाक्य, नीरज शेखर, बृजलाल, बीएल वर्मा और सीमा द्विवेदी का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है. इसके अलावा डॉ. दिनेश शर्मा ने पहले ही राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था. सपा से पार्टी के महासचिव राम गोपाल यादव और बसपा के इकलौते राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है. इस बार की स्थिति अलग है; बसपा के लिए वापसी करना मुश्किल है तो सपा की सीटें बढ़ सकती हैं, लेकिन असल फाइट 10वीं राज्यसभा सीट के लिए है. ल 2024 के राज्यसभा चुनाव में भी 10 सीटों पर मुकाबला हुआ था. उस समय सपा तीन सीटें जीतने की स्थिति में थी, लेकिन भाजपा ने सपा के पूर्व कोषाध्यक्ष संजय सेठ को आठवें उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतार दिया. इसके चलते बड़े पैमाने पर हुई क्रॉस वोटिंग के कारण सपा के तीसरे उम्मीदवार आलोक रंजन हार गए थे और भाजपा ने वह सीट अपने नाम कर ली थी. हालांकि, इस बार के समीकरण अलग हैं. बसपा के रामजी गौतम की सीट खाली हो रही है, जिसका सपा के खाते में जाना तय माना जा रहा है. विधायकों के समीकरणों के मुताबिक सपा दो सीटें आसानी से जीत रही है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या अखिलेश यादव तीसरी सीट के लिए जरूरी संख्या बल जुटा पाएंगे? सपा ने तीसरी सीट पर जीत दर्ज करने और 2024 का हिसाब बराबर करने के लिए प्लान बना रखा है. राज्यसभा चुनाव में विधायक वोट करते हैं. यूपी में 10 राज्यसभा सीटों पर हो रहे चुनाव में राज्यसभा की एक सीट पर जीत के लिए प्रथम वरीयता के लगभग 37.9 (38)

विधायकों के वोटों की जरूरत है. इसी आधार पर राज्यसभा का चुनाव होगा. उत्तर प्रदेश विधानसभा में कुल 403 सदस्यों में से फिलहाल 397 विधायक हैं. समाजवादी पार्टी के पास 101 विधायक हैं, जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस के पास दो विधायक हैं, जिससे सपा-कांग्रेस गठबंधन की कुल संख्या 103 हो जाती है. इस लिहाज से राज्यसभा की दो सीटों के लिए सपा को 76 वोट चाहिए, जिसके बाद 27 वोट सरप्लस बचते हैं. इस तरह सपा को तीसरी सीट जीतने के लिए 10 से 11 अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी. ऐसे में सपा में तीसरी सीट पर उम्मीदवार उतारने को लेकर मंथन चल रहा है. यूपी विधानसभा में भाजपा के 256 विधायक हैं और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर उसके पास कुल 292 विधायकों की संख्या होती है. जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के दो विधायकों के समर्थन से एनडीए के पास 294 विधायक हैं. अगर अखिलेश यादव तीसरी सीट पर प्रत्याशी उतारकर गंभीरता से लड़ते हैं तो मुकाबला घमासान होगा.

ट्रेन और प्लेन से नहीं, अब स्लीपर बस से हो रही है ड्रग्स की तस्कीर, 1.19 करोड़ के माल के साथ पकड़ी गई नाइजीरियन महिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश में ड्रग्स की तस्करी के लिए अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल हो रहा है। ट्रेन और प्लेन से नहीं, अब स्लीपर बसों का इस्तेमाल हो रहा है। ड्रग पैडलर के रूप में नाइजीरियन महिला काम कर रही हैं। इंदौर पुलिस ने बस से पुणे जा रही नाइजीरियन महिला को गिरफ्तार किया है। डीआरआई ने एक करोड़ रुपये से ज्यादा के मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में नाइजीरिया की 24 वर्षीय महिला को इंदौर में गिरफ्तार किया है। इसके बाद उससे पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को मुखबिर की सूचना पर विदेशी महिला को इंदौर के तीन इमली चौराहे के पास रोका गया, जब वह बस के जरिए पुणे जाने वाली थी। उन्होंने बताया कि महिला के बैग की तलाशी के दौरान अलग-अलग पॉलीथिन में रखा गया 1,120 ग्राम एम्फेटामाइन, 296 ग्राम एमडीएमए (एक्स्टेसी) और 'हाइड्रोपोनिक्स' पद्धति से उगाया गया 10 ग्राम गांजा बरामद किया गया। 'हाइड्रोपोनिक्स' ऐसी आधुनिक कृषि प्रणाली है जिसमें पौधों को मिट्टी के बजाय केवल पानी और पोषक तत्वों के घोल की मदद से उगाया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि नाइजीरियाई महिला के पास मिले मादक पदार्थों की कीमत 1.19 करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी को स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया और विस्तृत जांच जारी है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के इंदौर में पहले भी नाइजीरिया की महिला पकड़ी गई थी। वो भी बाहर से आई थी। ऐसे में पुलिस अब नेटवर्क के तह तक जाने में जुटी है।

ईशान आनंद बनाए गए BSP के राष्ट्रीय संयोजक, मायावती का बड़ा ऐलान, इन दो नेताओं से सीखने को कहा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने ईशान आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। ईशान आनंद को बीएसपी ने राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। हालांकि ईशान अभी राज्यों में नहीं पार्टी का कामकाज ही देखेंगे। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता राजाराम और रामजी गौतम से ईशान पार्टी का कामकाज सिखेंगे। इसके लिए मायावती ने वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी तय कर दी है।यूपी में 2027 चुनाव को लेकर बसपा की अहम बैठक आज लखनऊ में आयोजित की गई। बैठक से पहले ईशान मायावती के पैर छूकर आर्शीर्वाद लेते दिखे। इसके बाद से ही ईशान को नई जिम्मेदारी मिलने का दावा किया जा रहा था। आखिकार मायावती ने ईशान को नई जिम्मेदारी देने की घोषणा करते हुए ईशान को राष्ट्रीय संयोजक बनाने का ऐलान कर दिया है। ईशान आनंद मायावती के छोटे भतीजे हैं। ईशान आनंद बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनंद कुमार के छोटे बेटे और आकाश आनंद के छोटे भाई हैं। बड़े भाई आकाश आनंद को पार्टी से हटाए जाने के बाद अब यह जिम्मेदारी ईशान आनंद को दी गई है। ईशान से पहले उनके बड़े भाई आकाश आनंद के पास ये जिम्मेदारी थी, मायावती ने अपने बड़े भतीजे आकाश को 2019 में बसपा का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था मई 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें इस पद से हटाया गया था, लेकिन जून 2024 में उनकी वापसी हो गई। इसके बाद मई 2025 में उन्हें मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक (चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर) बनाया गया। सितंबर 2026 में मायावती ने आकाश को फिर से पद से हटा दिया और बाद में पार्टी से अलग कर दिया गया। आकाश आनंद की जगह उनके

पिता आनंद कुमार और साथ में रामजी गौतम को मायावती ने राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया था। लेकिन अब ईशान आनंद पर भरोसा जताया गया है। ईशान आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक बनाया गया है, लेकिन उन्हें पार्टी के दो सीनियर नेता राजाराम और रामजी गौतम से सीखने को कहा है। साफ है कि ईशान को अभी पूरी छूट नहीं रहेगी।

ट्राइसाइकिल लेने व्हीलचेयर पर पहुंचे 200 दिव्यांग, विधायक नहीं आए तो रद्द हो गया शिविर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़वानी। किसी के लिए व्हीलचेयर उम्मीद थी, किसी के लिए ट्राइसाइकिल सहारे का साधन और किसी के लिए कृत्रिम अंग जिंदगी को थोड़ा आसान बनाने वाला उपकरण। इन्हीं उम्मीदों के साथ करीब 200 दिव्यांग और उनके परिजन सोमवार सुबह पानसेमल जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचे थे। शिविर की तैयारियां पूरी थीं, टेंट लग चुका था और वितरण के लिए उपकरण भी पहुंच चुके थे। कुछ लाभार्थी उन मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल और अन्य उपकरणों पर बैठकर उन्हें पाने की खुशी महसूस भी कर चुके थे। लेकिन अचानक कार्यक्रम रद्द हो गया और दिव्यांगों को बिना उपकरण लिए ही वापस लौटना पड़ा। यह शिविर एलिम्को के तहत आयोजित 76वें सामाजिक सशक्तीकरण शिविर का हिस्सा था। 21 सितंबर को पानसेमल जनपद पंचायत कार्यालय में दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों को व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, अन्य सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरित किए जाने थे। कई लाभार्थी परिजनों के सहारे तो कुछ को उठाकर कार्यक्रम स्थल तक लाया गया था। अधिकारियों के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पानसेमल विधायक श्याम बर्डे के उपलब्ध नहीं होने के कारण कार्यक्रम रद्द करना पड़ा।

ऊपर से काली-चांदी की चेन, अंदर निकला 9 करोड़ का सोना, दुबई से लौटे 8 लोग गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने सोने की तस्करी का बड़ा खुलासा किया है. अधिकारियों ने करीब 9 करोड़ रुपये का सोना बरामद किया है. सोने का वजन करीब 6.5 किलो बताया गया है. इसे देखकर पहली नजर में आसानी से पहचानना मुश्किल था. दरअसल, सोने की चेन और ज्वेलरी पर चांदी और काले रंग का स्प्रे किया गया था. अधिकारियों के मुताबिक, ऐसा सोने की असली पहचान छिपाने के लिए किया गया था. कस्टम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि, मामले में कुल 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इनमें एक महिला भी शामिल है. सभी लोग दुबई गए थे. वे वहां प्रदर्शनी में शामिल होने के लिए जा रहे हैं. इसके बाद सभी 21 सितंबर को दुबई से दिल्ली लौटे. इसी दौरान कस्टम अधिकारियों को इनके बारे में जानकारी मिली. अधिकारियों ने फ्लाइट की तलाशी शुरू की. कस्टम अधिकारियों ने विमान की गहन तलाशी ली. इस दौरान दो सीटों के नीचे तीन छोटे बैग मिले. इन बैग में सोना छिपाकर रखा गया था. जांच में सामने आया कि सोने को चेन और दूसरी ज्वेलरी के रूप में रखा गया था. इसके ऊपर चांदी और काले रंग का स्प्रे किया गया था. माना जा रहा है कि रंग की वजह से सोने को सामान्य धातु जैसा दिखाने की कोशिश की गई. अधिकारियों ने जब बरामद सामान की जांच की तो पूरा मामला सामने आया. कुल करीब 6.5 किलो सोना बरामद हुआ. इसकी कीमत करीब 9 करोड़ रुपये आंकी गई है. कस्टम विभाग ने पूछताछ के बाद फ्लाइट में सफर कर रहे सभी 8 यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों के मुताबिक, सभी एक ही फ्लाइट से दुबई से दिल्ली पहुंचे थे. जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि सोना कहां से खरीदा गया था. इसे दिल्ली में किसे सौंपा जाना था. इस पूरे नेटवर्क में और कौन लोग शामिल हैं, इसकी भी जांच की जा रही है. सभी 8 आरोपियों का मेडिकल टेस्ट कराया गया. इसके बाद उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया. कोर्ट ने सभी आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. कस्टम विभाग अब मामले की आगे जांच कर रहा है. खास तौर पर इस बात की जांच की जा रही है कि दुबई की कथित प्रदर्शनी यात्रा और सोने की तस्करी के बीच क्या कनेक्शन था.

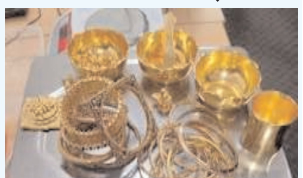

दिल्ली में महिला सुरक्षा का नया प्लान, बनेगी 'पिंक फोर्स', संवेदनशील इलाकों में होगी पेट्रोलिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए दिल्ली पुलिस जल्द 'पिंक फोर्स' तैयार करेगी. उपराज्यपाल टीएस संधू ने दिल्ली पुलिस को प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मियों की विशेष पेट्रोलिंग यूनिट बनाने के निर्देश दिए हैं. यह फोर्स स्कूल-कॉलेज, मेट्रो स्टेशन, बाजारों, ट्रांसपोर्ट हब और अन्य संवेदन शील इलाकों में तैनात की जाएगी. इसका उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाना और महिलाओं से छेड़छाड़, उत्पीड़न जैसी घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करना है. एलजी टीएस संधू ने मंगलवार को जय सिंह रोड स्थित दिल्ली पुलिस मुख्यालय के ऑडिटोरियम में एसीपी और उससे ऊपर के अधिकारियों के साथ बैठक की. 24 जून के बाद यह पुलिस मुख्यालय का उनका दूसरा दौरा था. बैठक में एलजी ने पुलिस अधिकारियों से केवल शुरू की गई योजनाओं और पहलों की जानकारी लेने के बजाय उनके जमीनी असर और वास्तविक परिणामों पर फोकस करने को कहा, उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिसिंग का अंतिम लक्ष्य दिल्ली को सुरक्षित बनाना और आम लोगों का पुलिस पर भरोसा मजबूत करना है. एलजी ने जनसुनवाई के दौरान पुलिस के पास आने वाली शिकायतों की डिजिटल ट्रैकिंग व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि हर शिकायत मिलने के बाद शिकायतकर्ता को इसकी प्राप्ति की पुष्टि दी जानी चाहिए और निर्धारित समय सीमा के भीतर उस पर कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए. दूसरे सरकारी विभागों से संबंधित शिकायतों को भी बिना देरी संबंधित विभागों को भेजने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि शिकायतें पुलिस और दूसरे विभागों के बीच लंबित न रहें. महिलाओं और आम लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस की पैदल और बाइक पेट्रोलिंग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया. खासतौर पर बाजारों, स्कूल-कॉलेज, मेट्रो स्टेशन और ट्रांसपोर्ट हब जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जाएगी. 'पिंक फोर्स' इसी व्यवस्था का एक अहम हिस्सा होगी, जिसमें प्रशिक्षित महिला पुलिस कर्मियों को संवेदनशील स्थानों पर पेट्रोलिंग के लिए लगाया जाएगा.

शालीमार बाग में देर रात बुलडोजर एक्शन, मदीना मस्जिद का हिस्सा भी गिराया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सीएम रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग में देर रात बुलडोजर एक्शन हुआ. इसमें मैक्स हॉस्पिटल रोड पर सड़क चौड़ी करने के प्रोजेक्ट के तहत तोड़-फोड़ की कार्रवाई की गई. मदीना मस्जिद और आस-पास के घरों समेत बाकी अतिक्रमण को हटाया गया. मदीना मस्जिद तोड़े जाने का काफी विरोध हुआ.ढ्ढ्ढ्रू के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमाई देर रात शालिमार बाग पहुंचे. वहां हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ. मंगलवार देर रात दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी के बीच ये डिमोलिशन हुई. सड़क चौड़ीकरण के तहत पहले भी इसी रोड पर कार्रवाई हुई थी. बुलडोजर एक्शन के दौरान आसपास के काफी लोग जमा हो गए थे.ढ्ढ्ढ्रू के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमाई ने कहा कि आधी रात मस्जिद का डिमोलिशन असंवैधानिक है. उन्होंने आगे कहा, 'यूपी के सहारनपुर में भी इसी तरीके से मस्जिद गिराई गई थी. लेकिन शालीमार बाग को सहारनपुर पार्ट-2 नहीं बनने देंगे. उन्होंने अभी आरोप लगाया की मस्जिद के इमाम को डिमोलिशन से पहले अंदर रखे हुए दस्तावेज कुरान और जानवर तक बाहर निकालने की मोहलत नहीं दी गई. वहीं मदीना मस्जिद के मुखिया मोविन खान ने कहा, 'वकील की सलाह पर, डॉक्युमेंट्स की साफ कॉपी पाने के लिए एक नई अर्जी दी गई ताकि सही जवाब तैयार किया जा सके, लेकिन इसी बीच स्ब्ध्र ने पहला, फिर दूसरा और फिर तीसरा नोटिस जारी कर दिया, जिसमें कहा गया कि 15 दिनों के अंदर तोड़-फोड़ की कार्रवाई की जाएगी. इसके बाद अपीलेट ट्रिब्यूनल में केस दायर किया गया, जहां 15 तारीख को हुई पहली सुनवाई में कहा गया कि बिजली मीटर वाली एक मंजिल को तो मान्यता दी गई, लेकिन बाकी हिस्से को नया निर्माण माना गया. जब हमने उनसे दीवारों पर लगे प्लास्टर की उम्र की जांच करने को कहा और बताया कि हमने 2001 में ही तीन मंजिलें बनाई थीं और उनके साइट प्लान कोर्ट में जमा किए थे, तो जज ने नक्शों या हमारी दलीलों पर कोई ध्यान नहीं दिया और आदेश दिया कि ऊपरी मंज़िलों को तोड़ा जा सकता है.' वहीं एक स्थानीय निवासी ने कहा, 'बाहर आने के बाद ही हमें पता चला कि वे मस्जिद का एक हिस्सा गिराने आए थे.

कॉकरोच-चीटियां, नकली घी और खुली नालियां मुंबई के 5 फूड आउटलेट पर FDA का एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। त्योहारी सीजन के दौरान मुंबई में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने मिलावटी घी बनाने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले पांच प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की है. त्योहारी सीजन के मद्देनजर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने खाने-पीने के प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है. FDA तेजी से राज्य के खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच कर रही है. साफ-सफाई को लेकर FDA ने मुंबई में पांच प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की है. विभाग ने इन सभी प्रतिष्ठानों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं. मिलावटी घी बनाने, बिना वैध लाइसेंस के कारोबार चलाने और साफ-सफाई से जुड़ी गंभीर कमियां पाए जाने पर कार्रवाई की गई है. मलाड ईस्ट के गुरुकृपा डेयरी प्रोडक्ट्स पर सोमवार, 21 सितंबर को कार्रवाई की गई. आरोप है कि रिफाइंड सूरजमुखी तेल, वनस्पति और ब्रांडेड घी को मिलाकर नकली घी तैयार किया जा रहा था. और इसे Pooja Ghee के नाम से बेचा जा रहा था. साथ ही, FD की जांच में परिसर में चूहे और कॉकरोच भी पाए गए विभाग का कहना है कि कुल 2,464.05 किलो मिलावटी घी, रिफाइंड सूरजमूखी तेल और वनस्पति जब्त किया गया है. जानकारी के मुताबिक, जब्त सामान की कुल कीमत 15.15 लाख है. इसके अलावा FD की टीम ने दो बॉयलर मशीन और एक खोया मशीन भी जब्त की है. वर्सोवा के गुफरान सीक कॉर्नर प्रतिष्ठान के पास वैध खाद्य लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन नहीं पाया गया. साथ ही, यहां सुरक्षा नियमों में

भी कमियां पाई गई. पीने के पानी की जांच की गई, खाद्य पदार्थों का सही भंडारण, परिसर और उपकरणों की सफाई, कीट नियंत्रण आदि की जांच किए जाने पर कमियां पाई गई. मंगलवार को इस प्रतिष्ठान को तत्काल कारोबार बंद करने का आदेश दिया गया है. जब तक कमियां दूर नहीं होती और प्रतिष्ठान को वैध लाइसेंस नहीं मिलता तब तक वे दोबारा अपना कारोबार शुरू नहीं कर सकते. महालक्ष्मी के BRS Restaurant के लाइसेंस को भी सस्पेंड किया गया है. FDA की जांच के दौरान यहां फ्रिज में नॉन वेज पदार्थों के पास खून और केचप के दाग थे. इसके साथ ही, फटे और खराब पैकेज में कच्चा माल मिला. और किचन में ग्रीस जमा होने के साथ ही दीवारें भी खराब पाई गई. इसके अलावा ड्रेनेज भी पर्याप्त कवरिंग नहीं थी, कॉकरोच और चींटियां मौजूद थीं और वहां पानी भी जमा था. खाद्य कर्मचारियों की वार्षिक मेडिकल जांच और टीकाकरण से जुड़े रिकॉर्ड भी नहीं मिले. Dreamer Hospitality Pvt. Ltd., बांद्रा वेस्ट के निरीक्षण में खाद्य स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़े नियमों का भी उल्लंघन पाया गया. विभाग के मुताबिक, मामले में नियमों के तहत आगे कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मंगलवार को सड़कों पर पटाखे फोड़ने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाते हुए कहा कि ध्वनि और वायु प्रदूषण के बिना भी त्योहार मनाए जा सकते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शोर प्रदूषण की सीमा से ज्यादा शोर करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है। कोर्ट ने शोर और वायु प्रदूषण से जुड़े मुद्दों पर स्वतः संज्ञान लिया और मंगलवार को इस मामले पर जरूरी सुनवाई की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राज्य सरकार से सवाल पूछे। इसके बाद सरकार ने अपना पक्ष रखा। सरकार ने कहा कि त्योहारों और समारोहों के लिए जरूरी मंजूरी तो ली और दी जाती है, लेकिन अगर इन मंजूरियों का उल्लंघन होता है, तो तुरंत कार्रवाई की जाती है। विस्तृत सुनवाई के बाद बॉम्बे हाई कोर्ट ने सार्वजनिक जगहों पर पटाखे फोड़ने पर रोक लगाने का मौखिक आदेश दिया। जुलूसों के दौरान आवाज बढ़ाने के लिए गैस सिलेंडरों के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई। लाउडस्पीकर के बारे में कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंजूरी लेना और आधिकारिक परमिट को साफ तौर पर दिखाना जरूरी है। ऐसा न करने पर लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा और उपकरण जब्त कर लिए जाएंगे। कोर्ट ने साफ किया कि ये निर्देश जल्द ही एक औपचारिक लिखित आदेश में जारी किए जाएंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि क्या हम लाउडस्पीकर और पटाखों का उपयोग करके भगवान से अतिरिक्त आशीर्वाद प्राप्त करने जा रहे हैं? एक जिम्मेदार समाज के रूप में हमें इन सब पर रोक लगानी चाहिए। उदाहरण के लिए वारी यात्रा (पंढरपुर की पैदल तीर्थयात्रा) को ही ले लीजिए। इसे बिना किसी लाउडस्पीकर या शोर-शराबे के बेहद शांतिपूर्ण तरीके से निकाला जाता है। अदालत ने धार्मिक यात्राओं के दौरान होने वाले गंभीर ध्वनि और वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सोमवार

को स्वतः संज्ञान लिया था। महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता मिलिंद साठे ने कहा कि मुंबई पुलिस ने नौ सितंबर से 26 सितंबर के बीच बिना अनुमति के पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश पारित किया है। उन्होंने बताया कि पटाखों और लाउडस्पीकर पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगा हुआ है।

दिल्ली के साकेत में पीछा कर रहे युवकों ने मारी स्कूटी में टक्कर, सड़क पर 150 मीटर घिसटी युवती

परेशान करने और स्कूटी में टक्कर मारने का आरोप लगाया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। साकेत के एक ऑफिस में काम करने वाली 21 साल की युवती ने आरोप लगाया है कि 11-12 सितंबर की रात दक्षिण दिल्ली में दो युवकों ने बाइक से उनका पीछा किया, रास्ते में परेशान किया और फिर उनकी बाइक स्कूटी से टकरा दी। हादसे में युवती सड़क पर करीब 100 से 150 मीटर तक घिसट गई, जिससे उनके शरीर पर गहरे कट और गंभीर चोटें आईं। डॉक्टरों ने चोटों की गंभीरता को देखते हुए प्लास्टिक सर्जरी की सलाह दी। मामले में अब हौज खास थाना पुलिस ने FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती ने बताया कि वह रात करीब 12 बजे पंचशील मेट्रो स्टेशन के पास से स्कूटी पर घर लौट रही थी। तभी 20-25 साल की उम्र के दो युवक बाइक से पीछा करने लगे और कुछ दूर तक पीछा करने के बाद उसकी स्कूटी को धक्का दिया। इससे वह गिर गई और काफी दूर तक घिसटती चली गई। युवती को पहले मैक्स अस्पताल, साकेत ले जाया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए मेदांता अस्पताल, नोएडा ले जाया गया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि शुरुआत में उसे सिर्फ सड़क हादसे की पीसीआर कॉल मिली थी। जांच अधिकारी मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां कोई घायल नहीं मिला। पता चला कि युवती को मैक्स अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को जानकारी मिली कि वह अपनी इच्छा से डिस्चार्ज हो चुकी है। घटना की पुष्टि के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई पुलिस ने बाद में युवती से संपर्क किया। उसने बताया कि वह इलाज के लिए मेदांता जा रही है। बाद में पुलिस को पता चला कि वह इलाज के लिए अपने घर चली गई है। घटना की पुष्टि के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। पुलिस के मुताबिक उपलब्ध फुटेज में कथित घटना ट्रेस नहीं हो सकी। युवती की कजन भी आरोपियों की पहचान नहीं कर सकी। युवती की ओर से वकील की शिकायत पर पुलिस ने फिर युवती से संपर्क किया। लेकिन युवती ने कहा कि चोटों से ठीक होने के बाद वह दिल्ली आकर जांच में शामिल होगी। डीसीपी अनंत मित्तल के अनुसार FIR उचित धाराओं में दर्ज कर ली गई है।

सूखे की समीक्षा बैठक में काजू-बादाम खाते दिखे नेता, भड़के किसान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में सूखे और फसल नुकसान की समीक्षा बैठक का वीडियो विवाद में है, क्योंकि बैठक के दौरान कुछ सांसद, विधायक और अधिकारी काजू-बादाम खाते दिखे. इसी बीच दाभड़ गांव के किसान आत्माराम टेकाले ने सूखी सोयाबीन फसल दिखाकर नेताओं की बैठकों और जमीनी हालात के फर्क पर सवाल उठाए. महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में सूखे और फसल नुकसान की समीक्षा बैठक का एक वीडियो सामने आने के बाद विवाद शुरू हो गया है. वीडियो में बैठक के दौरान कुछ सांसद, विधायक और अधिकारी काजू-बादाम खाते नजर आए. इस पर किसानों की हालत को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं. बीजेपी नेता रावसाहेब दानवे ने बैठक में ड्राई फ्रूट्स परोसे जाने को लेकर नेताओं और अधिकारियों का बचाव किया है. रावसाहेब दानवे ने कहा कि सिर्फ इसलिए नेताओं को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता कि बैठकों या दौरे के दौरान उन्हें खाने-पीने की चीजें दी गईं. उन्होंने कहा कि जब कोई नेता किसी के घर जाता है तो लोग चाय और खाने के लिए कुछ देते हैं. इसके बाद तस्वीर खींचकर मुद्दा बना दिया जाता है. इसी बीच नांदेड़ के एक किसान का वीडियो भी वायरल हो रहा है. दाभड़ गांव के किसान आत्माराम टेकाले वीडियो में सूखे हुए सोयाबीन के पौधे दिखाते हुए अपनी परेशानी बताते नजर आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि 1.5 एकड़ जमीन से एक किलो सोयाबीन पैदा करके दिखाइए. इसके बाद हम चंदा जुटाकर आपको एक क्विंटल काजू-बादाम देंगे. किसान

ने अधिकारियों के बार-बार दौरे और समीक्षा बैठकों की उपयोगिता पर भी सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि किसान महीनों तक फसल तैयार करते हैं, लेकिन अहम वक्त पर फसल सूख जाती है. उन्होंने कहा कि किसान मुश्किल में हैं और दूसरी तरफ बैठकों में नेता ड्राई फ्रूट्स खा रहे हैं.

हमूद गजनवी की तरह ने मंदिर लूटा, अयोध्या में मरे कारसेवकों का खून बेचा, शिवसेना BT ने BJP पर निकाली भड़ास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर लूट का मुद्दा एक बार फिर सामना ने उछाला है। सामना शिवसेना यूबीटी का मुखपत्र है। इसके संपादकीय में बीजेपी की तुलना महमूद गजनवी से की गई है। कहा गया है कि ये सारे राम दरबार के पाखंडी लोग बेनकाब हो चुके हैं। मुंबई अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में गबन को लेकर शिवसेना-यूबीटी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला है। उद्धव ठाकरे की पार्टी ने कहा कि अयोध्या के राममंदिर में हुई लूटमार राष्ट्रीय अस्मिता पर लगा कलंक है। हिंदुत्व का टीका लगाकर जो सत्ता में आए, उन्होंने अयोध्या में मर चुके कारसेवकों का खून बेचा है। शिवसेना-यूबीटी के मुखपत्र 'सामना' ने भाजपा के गजनवियों ने राममंदिर 105 बार लूटा शीर्षक के साथ

संपादकीय लिखा है। सामना के संपादकीय में कहा गया है कि राममंदिर चोरी पर चर्चा से इनकार करना ही सबसे बड़ा रामद्रोह है। भाजपा और उसके परिवार ने वह किया। 105 बार अयोध्या का राममंदिर लूटा गया। गजनी के महमूद ने भी इतनी बार हिंदुओं के मंदिर नहीं लूटे थे। पार्टी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी तीखी टिप्पणी की। संपादकीय में लिखा है कि राममंदिर लूट का विषय विरोधियों ने उठाया। शिवसेना ने 'रामरक्षा' आंदोलन से भक्तों को जागरूक किया। तब विरोधक हिंदुत्व को बदनाम कर रहे हैं, ऐसा शंख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने फूंका। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तो उससे भी आगे जाकर बोले कि 'विरोधक झूठ बोल रहे हैं। राममंदिर में चोरी हुई ही नहीं। जो नहीं राम का वो किस काम का?' वगैरह बातें बनाकर चोरी पर इस मंडली ने पर्दा डालने की कोशिश की। मगर यह सारे राम दरबार के ढोंगी लोग उजागर हो गए हैं। एसआईटी रिपोर्ट का जिक्र करते हुए शिवसेना-यूबीटी ने कहा कि 'एसआईटी' ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में विस्तृत जानकारी पेश की। उसमें राममंदिर में 105 बार दानचोरी हुई है, ऐसा स्पष्ट रूप से कहा गया है। 'चोरी का आरोप यह हिंदुत्व विरोधियों का षड्यंत्र है' ऐसा कहने वालों के मुंह पर तमाचा पड़ा है। 105 बार दानपेटी लूटी गई और ये लुटेरे भाजपा खेमे के हिंदुत्ववादी हैं।

आनंद दुबे को पार्टी ने निकाला! शिवसेना BT प्रवक्ता ने बोले- कौन निकाल रहा है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति से बड़ी खबर सामने आई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने अपने तेजतर्रार प्रवक्ता और नेता आनंद दुबे को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने इस संबंध में आधिकारिक मीडिया वक्तव्य जारी किया है। शिवसेना यूबीटी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मीडिया के सभी प्रतिनिधियों को सूचित किया जाता है कि पंडित अवधेश शुक्ला द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी एवं प्रस्तुत किए गए तथ्यों के आधार पर, अनिल देसाई ने आनंद दुबे को पार्टी से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय की सूचना संबंधित संगठनात्मक पदाधिकारियों को दे दी गई है। हालांकि आनंद दुबे ने इस खबर को फर्जी बताया। यह आदेश पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिल देसाई के निर्देश पर जारी किया गया है। हालांकि पार्टी ने निष्कासन की वजह को लेकर विस्तार से कुछ नहीं बताया है लेकिन माना जा रहा है कि अंदरूनी शिकायत और अनुशासनहीनता के चलते यह कदम उठाया गया है। आनंद दुबे शिवसेना यूबीटी के सबसे चर्चित चेहरों में से एक रहे हैं। वह लगातार टीवी डिबेट में पार्टी का पक्ष रखते थे और उद्धव ठाकरे के करीबी नेताओं में गिने जाते थे। अचानक हुए इस निष्कासन से राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं। जिस पार्टी का मैं प्रवक्ता हूं, उसे यह भी नहीं पता कि मुझे कौन निकाल रहा है। जिस व्यक्ति, यानी आनंद दुबे को निकाला जा रहा है, उसे खुद नहीं पता कि उसे निकाला जा रहा है। फिर भी कुछ लोग ऐसी खबरें चला रहे हैं कि आनंद दुबे को पार्टी से हटा दिया गया है, निकाल दिया गया है, बर्खास्त कर दिया गया है या उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। आनंद दुबे ऐसा माना जा रहा है कि हाल के दिनों में आनंद दुबे के कुछ बयानों और गतिविधियों को लेकर पार्टी हाईकमान नाराज था। पंडित अवधेश शुक्ला की दी गई रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया गया। वहीं, आनंद दुबे की ओर से अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन वह जल्द ही अपना पक्ष रख सकते हैं। निष्कासन पर आनंद दुबे का आया बयान वहीं आनंद दुबे ने निष्कासन की खबर को पूरी तरह फर्जी और गलत बताया है। इसके साथ ही साजिश के तहत पार्टी को बदनाम करने का आरोप लगाया है। आनंद दुबे ने कहा कि पार्टी कह रही है कि हमने नहीं निकाला। मुझे पार्टी से निकालने की कोई जानकारी नहीं है। मुझे पार्टी से निष्कासित किए जाने की खबर बेबुनियाद है। मुझे और मेरी पार्टी को बदनाम करने के लिए ऐसी साजिश रची जा रही है। वरिष्ठ नेताओं ने भी पार्टी से निकाले जाने की खबरों को अफवाह बताया है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता ने कहा कि कोई भी एसआईआर का विरोध नहीं कर रहा है। स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) जरूरी है। इसे समय-समय पर किया जाना चाहिए। लेकिन एसआईआर का इस्तेमाल राजनीतिक पार्टियों को तोड़ने, कमजोर करने या कमजोर दिखाने, भ्रष्टाचार करने, उनके नाम हटाने और अपने नाम जोड़ने के बहाने के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए।

सुरक्षा के नाम पर DDA पार्क में केवल अंधेरा! 17 साल की लड़की से दरिंदगी के बाद उठे बड़े सवाल, दिल्ली पुलिस ने ऐसे पकड़े आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कालकाजी में 17 साल की लड़की से कथित गैंगरेप के बाद पार्क की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं. जिस DDA पार्क में वारदात हुई, वहां एंट्री और एग्जिट गेट पर CCTV कैमरे नहीं हैं और पर्याप्त लाइटिंग नहीं है. शाम होते ही कई हिस्सों में अंधेरा हो जाता है. पुलिस कमिश्नर ने मौके पर जाकर क्राइम सीन का जायजा लिया था. पुलिस के मुताबिक, लड़की और उसका 17 साल का दोस्त सोमवार कालकाजी मंदिर में दर्शन के बाद आस्था कुंज पार्क के गेट नंबर 7 से अंदर गए थे. आरोप है कि तीन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और दोनों को डराया. आरोपियों ने कहा कि वे नाबालिग हैं और उनके खिलाफ केस हो सकता है. इसके बाद लड़की को उसके दोस्त से अलग कर पार्क के एक सुनसान हिस्से में ले जाया गया. पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने लड़के को पकड़कर रखा और लड़की के साथ कथित तौर पर बारी-बारी से दुष्कर्म किया. लड़की के दोस्त के साथ मारपीट भी की गई. पीड़िता ने आरोपियों का हुलिया, कपड़े और कद-काठी की जानकारी दी. इसी आधार पर पुलिस ने आसपास के CCTV फुटेज खंगाले और आरोपियों की रूट मैपिंग की. पार्क से दूर लगे कैमरों में संदिग्ध दिखे साउथ ईस्ट दिल्ली के एक इंस्पेक्टर ने टेक्निकल इनपुट, मैनुअल जांच और ह्यूमन इंटेलिजेंस से आरोपियों की पहचान की. मंगलवार को तीनों को गिरफ्तार किया गया. आरोपियों में आसिफ, वकील हेमंत और उसका

भाई मुकेश शामिल हैं. पुलिस के मुताबिक, आसिफ को पकड़ने के दौरान अमर कॉलोनी के डीएम ऑफिस रोड के पास गोलीबारी हुई. आसिफ ने पुलिस टीम पर तीन राउंड फायर किए. जवाबी कार्रवाई में एक गोली उसके पैर में लगी और उसे AIIMS ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया.

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 299, निफ्टी 117 अंक उछला

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इससे जिससे निवेशकों ने राहत की सांस ली है। बाजार में लौटी रौनक के पीछे वैश्विक स्तर पर उभरते सकारात्मक संकेतों के साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में आई स्थिरता को भी माना जाराहा है। अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा बातचीत शुरू होने की उम्मीदों ने भू-राजनीतिक तनाव में कमी आने की संभावना जताई। इन अनुकूल घटनाक्रमों ने घरेलू निवेशकों की धारणा को मजबूत किया और खरीदारी का माहौल बना, जिसके चलते बाजार के दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक शानदार बढ़त के साथ बंद हुएइस सकारात्मक रुख के चलते, कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 299.17 अंकों की शानदार बढ़त के साथ ही 74,828.25 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बेंचमार्क निफ्टी भी 117.80 अंक उछलकर 23,446.80 के स्तर पर बंद हुआ। ।बढ़े शेयरों के साथ-साथ, मिडकैप शेयरों में भी पूरे दिन अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 50 सूचकांक भी 101 अंकों की प्रभावशाली बढ़त के साथ 17,979.65 अंक पर बंद हुआ। यह दिखाता है कि निवेशकों की रुचि केवल बड़े शेयरों तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि मझोले आकार की कंपनियों में भी वह निवेश कर रहे थे। शीर्ष लाभ कमाने वाले शेयरों में सेल (6.57 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे आगे रहा, जिसके बाद पीबी फिनटेक ने 4.23 फीसदी और 360 वन वाम ने 3.86 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। इन कंपनियों के शेयरों में आई उछाल ने संबंधित क्षेत्रों में सकारात्मक भावनाओं को बल दिया। इनके अलावा, बंधन बैंक के शेयरों में 3.62 फीसदी और मोतीलाल ओसवाल में 3.53 फीसदी की तेजी ने भी निवेशकों का ध्यान खींचा।हालांकि, एक मजबूत दिन के बावजूद, कुछ शेयर दबाव में रहे और लाल निशान पर बंद हुए। शीर्ष गिरावट दर्ज करने वाले शेयरों में आइनॉक्स विंड 3.70 फीसदी, एथर एनर्जी 2.88 फीसदी और परसिस्टेंट 2.35 फीसदी की गिरावट के साथ शामिल थे। इसके अतिरिक्त, वन 97 पेटीएम और स्विगी) के शेयरों में भी क्रमशः 2.17 फीसदी और 1.95 फीसदी की कमी आई। इन शेयरों में गिरावट के पीछे कंपनी-विशिष्ट कारण या निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली हो सकती है, जो बाजार की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स लगभग 200 अंकों की बढ़त के साथ खुला, वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) निफ्टी में भी तेजी रही।

सिगरेट के शौकीनों को कश लगाना पड़ेगा मंहगा.....गोल्ड फ्लेक सिगरेट हुई महंगी

मुंबई।

देश की सबसे बड़ी सिगरेट निर्माता कंपनी आईटीसी ने अपने मशहूर ब्रांड गोल्ड फ्लेक सिगरेट की कीमतों में फिर बढ़ोतरी की है। यह वृद्धि गोल्ड फ्लेक प्रीमियम और इसके संबंधित वेरिएंट्स पर लागू हुई है, इससे अब 10 और 20 सिगरेट वाले पैकेट महंगे हुए हैं। दाम बढ़ने के बाद, 10 सिगरेट के पैक की कीमत 115 से बढ़कर 135 रुपए हो गई है। कंपनी ने इस साल गोल्ड फ्लेक प्रीमियम के दाम में 17.4 प्रतिशत का इजाफा किया है। यानी, अब सिगरेट के शौकीनों को कश लगाने के लिए पहले से अधिक कीमत चुकानी होगी और उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

28 से 30 तक राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल, 25 सितंबर तक निपटा लें सभी जरूरी काम

-26 को शनिवार, 27 को रविवार बंद, पांच दिनों तक बैंक का काम रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली।

अगर बैंक से जुड़ा आपका कोई जरूरी काम बाकी है, तो उसे जल्द से जल्द निपटा लेना आपके लिए बेहतर होगा। पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे 28 से 30 सितंबर के बीच प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए 25 सितंबर तक अपनी शाखा से जुड़े सभी जरूरी काम पूरे कर लें। बैंक ने अपने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि हड़ताल के दौरान शाखाओं में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

यह हड़ताल 28 से 30 सितंबर तक है, लेकिन इससे पहले 26 सितंबर को चौथा शनिवार और 27 सितंबर को रविवार है। इसका मतलब है कि लगातार पांच दिनों तक बैंक शाखाओं में काम प्रभावित हो सकता है। ऐसे में बैंक के काम अंतिम समय तक न टालें। हड़ताल के दौरान शाखाओं पर कामकाज प्रभावित होने की स्थिति में ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि पीएनबी ने स्पष्ट किया है कि ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एटीएम, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई जैसी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध रखने की पूरी कोशिश की जाएगी।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर पहुंच गया है। दूसरी ओर चांदी की कीमतों में भी तेजी रही और ये 2.41 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोने की कीमतों में इसलिए तेजी का कारण पिछले कुछ दिनों से इसमें लगातार को रही बढ़त है। एमसीएक्स पर बीते कारोबारी सत्र में सोना 696 रुपये की बढ़त के साथ 1,52,716 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुधवार को सुबह बाजार खुलते ही सोने में करीब 80 रुपये की तेजी दिखी और यह सिलसिला जारी रहा। सुबह 10.50 बजे तक सोने का वायदा भाव 74 रुपये और बढ़कर 1,52,790 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। यह कीमत 24 कैरेट यानी 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने के लिए है, जो निवेशकों और खरीदारों के लिए एक महत्वपूर्ण मानक होता है।

इसके अलावा चांदी में भी काफी तेजी दर्ज की गयी। सोने की तुलना में चांदी में तो एक हजार रुपये के आसपास का उछाल दिख रहा है। आज सुबह चांदी के वायदा भाव में 900 रुपये से भी अधिक की तेजी दर्ज की गई थी। सुबह 10.50 बजे तक यह उछाल थोड़ा कम होकर 729 रुपये पर आ गया। इसके बाद एमसीएक्स पर चांदी 2,40,642 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी।

जानकारों का कहना है कि आने वाले त्यौहारी सीजन को देखते हुए कीमतों में और तेजी आ सकती है। वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और मजबूत मांग के चलते आने वाले समय में भी इन कीमती धातुओं के दाम ऊपर बने रह सकते हैं।

चाहकर भी कोई सरकार कृषि उत्पादों की कीमतें तय नहीं कर सकती

चीनी की कीमतों में उतार-चढ़ाव को लेकर गडकरी ने साफ कर दिया

नई दिल्ली।

देश में चीनी की कीमतों में उतार-चढ़ाव और चीनी उद्योग द्वारा मिनिमम सपोर्ट प्राइस बढ़ाने की मांग के बीच केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार चीनी या अन्य कृषि उत्पादों के दाम तय नहीं कर सकती। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हम एक वैश्विक अर्थव्यवस्था में हैं, जहां चाहकर भी कोई सरकार कृषि उत्पादों की कीमतें तय नहीं कर सकती। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि चीनी के दाम ब्राजील, मक्के के दाम अमेरिका और पाम ऑयल की कीमतें मलेशिया में तय होती हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए किसानों के लिए ऐसी मांगों को उठाना आसान होता है, लेकिन सत्ता में रहने पर इन्हें व्यावहारिक रूप से लागू करने में कठिनाइयां होती हैं। वैश्विक बाजार का गणित समझाते हुए उन्होंने बताया कि ब्राजील में 2,000 से 3,000 एकड़ के बड़े फार्म हैं और वहां आधुनिक मशीनों का इस्तेमाल होता है। इस वजह से ब्राजील में चीनी बनाने की लागत महज 23 रुपए प्रति किलो आती है, जबकि भारत में यह लागत 33 से 34 रुपए प्रति किलो पड़ती है। ब्राजील में अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध होते ही भारत में कीमतें अपने आप गिर जाती हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी ने चीनी उद्योग और किसानों को केवल चीनी बिक्री पर निर्भर न रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए गन्ने के अन्य सह-उत्पादों का इस्तेमाल करना जरूरी है।

दिल्ली में अब बिना वैध सर्टिफिकेट वाहन में नहीं भरी जाएगी सीएनजी

सुरक्षा के मद्देनजर आईजीएल ने शुरू किया वेरिफिकेशन सिस्टम

नई दिल्ली।

दिल्ली में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने कई सीएनजी स्टेशनों पर एक ऑटोमेटेड व्हीकल वेरिफिकेशन सिस्टम शुरू किया है, जिसके बाद अब बिना ज्यादा जांच के सीएनजी भरवाना मुश्किल हो सकता है। यह नया सिस्टम तय करेगा कि आपकी गाड़ी में सीएनजी तभी भरी जाए जब आपके सीएनजी सिलेंडर का हाइड्रो-टेस्ट सर्टिफिकेट वैध हो। इस नए सिस्टम के तहत जब कोई वाहन चालक सीएनजी भरवाने पंप पर जाएगा, तो पहले की तरह सीधे सीएनजी नहीं भरी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक सीएनजी स्टेशन पर लगे कैमरे गाड़ी की नंबर प्लेट स्कैन करेंगे और सिस्टम सीएनजी सिलेंडर से जुड़ी जानकारी की जांच करेगा। यदि सिलेंडर का हाइड्रो-टेस्ट सर्टिफिकेट वैध नहीं पाया जाता है, तो वाहन चालक की गाड़ी में सीएनजी नहीं भरी जाएगी। आईजीएल ने फिलहाल 10 स्टेशनों पर यह ऑटोमेटेड व्हीकल वेरिफिकेशन सिस्टम शुरू किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य गैस लीकेज और ब्लास्ट जैसे खतरों को रोकना और सुरक्षा तय करना है। इसलिए, सीएनजी गाड़ी चलाने वालों को यह तय करना होगा कि वे अपने सीएनजी सिलेंडर का हाइड्रो-टेस्ट समय पर करवाएं और उसका सर्टिफिकेट हमेशा वैध रखें। यह आपके और आपकी गाड़ी की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक सीएनजी भरवाने जाने से पहले अपने सिलेंडर के सर्टिफिकेट की वैलिडिटी जांच लेना समझदारी होगी, ताकि आपको कोई परेशानी न हो। एआई सिस्टम की मदद से गाड़ी की जानकारी को सीएनजी सिलेंडर के रिकॉर्ड से मिलाया जाएगा और पीईएसओ के ऑनलाइन पोर्टल से सिलेंडर का सर्टिफिकेट वैध है या नहीं, यह देखा जाएगा।

स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स सर्टिफिकेशन जरूरी

भारत में ऐसे प्रोडक्ट बेचने से पहले कंपनियों को लेनी होगी रेगुलेटरी मंजूरी

नई दिल्ली।

सरकार ने स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स सर्टिफिकेशन जरूरी कर दिया है। इसके तहत भारत में ऐसे प्रोडक्ट बेचने से पहले कंपनियों को रेगुलेटरी मंजूरी लेनी होगी। इस कदम से खराब क्वालिटी वाले स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर की बिक्री पर रोक लगने और ऑप्टिमस इन्फ्राकॉम जैसी घरेलू कंपनियों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिन्होंने भारत में प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। 21 सितंबर को जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी गुड्स ऑर्डर, 2021 के नियम उन सामानों या चीजों पर लागू होंगे जो स्मार्टफोन के लिए स्क्रीन प्रोटेक्टर में बताए गए हैं।

इस नोटिफिकेशन के ज़रिए इन्हें ऑर्डर की लिस्ट में जोड़ा गया है, ताकि ये कॉलम 3 में बताए गए संबंधित भारतीय स्टैंडर्ड के अनुरूप हों। यह नियम 1 अप्रैल 2027 से लागू होगा।

स्मार्टफोन स्क्रीन प्रोटेक्टर इस नियम के तहत नोटिफाई की जाने वाली 66वीं चीज है। इस लिस्ट में शामिल अन्य चीज़ों में स्मार्टफोन, लैपटॉप, मोबाइल और लैपटॉप चार्जर, एलईडी टेलीविज़न, माइक्रोवेव ओवन, प्रिंटर और सेट-टॉप बॉक्स वगैरह शामिल हैं। स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए जरूरी बीआईएस स्टैंडर्ड लागू करना इस कैटेगरी के लिए एक अहम पड़ाव है और यह क्वालिटी पर आधारित मेड-इन-इंडिया इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है।

ऑप्टिमस ने नोएडा में एक प्रोडक्शन यूनिट लगाई है, जहां अमेरिकी मटीरियल टेक्नोलॉजी कंपनी कॉर्निंग की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर बनाए जाएंगे। कंपनी को उम्मीद है कि जनवरी 2027 से इनकी शिपिंग शुरू हो जाएगी।

कंपनी को चालू वित्त वर्ष में अपने टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर बिज़नेस से 1,800-2,000 करोड़ रुपए का रेवेन्यू मिलने की उम्मीद है। मोबाइल डिवाइस बनाने वाली कंपनियों के संगठन आईसीईए के चेयरमैन ने कहा कि 1 अप्रैल 2027 से जरूरी बीआईएस सर्टिफिकेशन लागू होने से ग्राहकों को घटिया क्वालिटी वाले प्रोडक्ट से सुरक्षा मिलेगी और साथ ही घरेलू मैन्युफैक्चर्स और ग्लोबल कंपनियों के लिए समान अवसर तैयार होगा।उन्होंने कहा कि सालाना 50 करोड़ से ज्यादा यूनिट के मार्केट के साथ यह कदम 12,000-16,000 करोड़ रुपए की क्वालिटी-बेस्ड इंडस्ट्री को बढ़ावा देगा।

करीब 60,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करेगा और जीएसटी रेवेन्यू में अनुमानित 2,000 करोड़ रुपए का योगदान देगा।

इससे स्क्रीन प्रोटेक्टर के लिए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के तौर पर भारत की क्षमता भी मज़बूत होगी। अनुमान है कि 2025 में टेम्पर्ड ग्लास स्क्रीन प्रोटेक्टर का घरेलू मार्केट 40 करोड़ पीस का होगा, जिसकी रिटेल वैल्यू 20,000 करोड़ होगी।

सितंबर में भारतीय अर्थव्यवस्था ने पकड़ी रफ्तार:पीएमआई 3 माह के शीर्ष स्तर पर पहुंचा

मुंबई।

सितंबर में भारत के निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियां तीन महीने के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई है, जो अर्थव्यवस्था में नई गति का संकेत है। बुधवार को जारी एचएसबीसी फ्लैश परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) सर्वे के अनुसार, यह इंडेक्स अगस्त के 54.3 से बढ़कर 56.5 हो गया है। यह लगातार 62वां महीना है जब पीएमआई 50 के विस्तार निशान से ऊपर बना हुआ है, जो आर्थिक वृद्धि का सूचक है। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस, दोनों सेक्टर में उत्पादन में सुधार ने उछाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सर्वे में बताया गया कि सितंबर के दौरान भारत के निजी क्षेत्र की कंपनियों में कुल नए व्यवसाय में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई, खासकर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जहां मांग में सबसे अधिक सुधार देखा गया। सर्विस सेक्टर में भी प्रॉपर्टी, ट्रांसपोर्ट, ट्रैवल, सॉफ्टवेयर और डिजिटल सॉल्यूशंस जैसी सेवाओं की मांग बढ़ी। सामान बनाने वाली कंपनियों ने एल्युमीनियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाने-पीने की चीजों, दवाओं और नए प्रोडक्ट मॉडल की मांग में तेजी देखी। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अगस्त के 52.8 से बढ़कर सितंबर में 55.7 हो गया, जबकि फ्लैश इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स 54.1 से बढ़कर 55.8 पर पहुंच गया। बढ़ते उत्पादन और नए ऑर्डरों के कारण कुल रोजगार में भी बढ़ोतरी हुई, जो मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस दोनों क्षेत्रों में करीब समान रही। इस सकारात्मक माहौल के बीच, निजी क्षेत्र में इनपुट लागत की वृद्धि दर जनवरी के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गई, सर्विस कंपनियों के लिए लागत दबाव में कमी ने मैन्युफैक्चर्स की लागत में वृद्धि के प्रभाव को संतुलित किया। सितंबर में कंपोजिट स्तर पर बिक्री कीमतों में बढ़ोतरी करीब वैसी ही रही, हालांकि फैक्ट्री गेट चार्जेस में तेजी देखी गई। एचएसबीसी की मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने बताया, इनपुट की खरीद में तेजी आई है और तैयार माल के स्टॉक का इंडेक्स अब साढ़े 11 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है, जो भविष्य की मांग के प्रति विश्वास को दिखाता है। मैन्युफैक्चरर्स के लिए कीमतों का दबाव बढ़ा है और आउटपुट की कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार तेज हुई है। उन्होंने बताया कि कंपनियां मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण अनिश्चितताओं से निपटने के लिए सुरक्षा उपाय बना रही हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.74 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में भारतीय रुपया तेजी के साथ खुला। आज सुबह रुपया डॉलर के मुकाबले पांच पैसे बढ़कर 95.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में जारी गिरावट और एशियाई मुद्राओं में व्यापक सुधार से भी रुपए को बल मिला है। वहीं विदेशी मुद्रा बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और भू-राजनीतिक घटनाक्रम आगे चलकर मुद्रा बाजार की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी रुपया मजबूत हुआ है। इससे आयात बिल का दबाव कम होता है। इसी दौरान अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बाद डॉलर में लगातार मजबूती और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भारतीय इक्विटी बाजार से लगातार बिकवाली से भी रुपये की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं।आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपया 95.58 प्रति डॉलर पर खुला। दिन के कारोबार में यह 95.57 के स्तर तक पहुंचा, जो इसके पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दिखाता है। गौरतलब है कि मंगलवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.62 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

अगस्त में घरेलू हवाई यातायात घटा, स्पाइसजेट और इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी में कमी

मुंबई।

भारत में घरेलू हवाई यात्री यातायात ने अगस्त महीने में सालाना आधार पर 6.34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जिससे कुल 1.21 करोड़ यात्रियों ने उड़ान भरी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों में जानकारी सामने आई है, जो विमानन उद्योग के लिए एक मिश्रित तस्वीर दिखाती है। इस अवधि के दौरान, कुछ प्रमुख एयरलाइंस की बाजार हिस्सेदारी में महत्वपूर्ण बदलाव दिखाई दिए।

परिचालन संबंधी चुनौतियों से जूझ रही स्पाइसजेट की हिस्सेदारी जुलाई के 1.6 से घटकर अगस्त में मात्र 1.2 प्रतिशत रह गई, जो उसकी मुश्किलों को दिखाती है। वहीं, प्रमुख वाहक इंडिगो को भी अपनी हिस्सेदारी में गिरावट का सामना करना पड़ा, जो जुलाई के 67.4 प्रतिशत से घटकर बीते महीने 65 प्रतिशत हो गई। हालांकि, इंडिगो अभी भी घरेलू विमानन बाजार में अग्रणी बनी हुई है। इसके विपरीत, एयर इंडिया ने अपनी स्थिति मजबूत की, उसकी हिस्सेदारी जुलाई के 24 से बढ़कर अगस्त में 26.7 प्रतिशत हो गई। अकासा एयर की बाजार हिस्सेदारी 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

अगस्त में इंडिगो ने 78.87 लाख यात्रियों के साथ शीर्ष स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एयर इंडिया समूह रहा, जिसने 32.32 लाख यात्रियों को सेवा दी, जबकि अकासा एयर ने 6.68 लाख यात्रियों के साथ तीसरा स्थान बनाए रखा। स्पाइसजेट ने महीने के दौरान 1.40 लाख यात्रियों को यात्रा कराई। आंकड़ों के अनुसार, ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) के मामले में, इंडिगो 91 प्रतिशत के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद अकासा एयर 90.5 प्रतिशत और एयर इंडिया समूह 83.9 प्रतिशत के साथ रहा।

इस बीच, नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने हाल ही में कहा कि डीजीसीए स्पाइसजेट के वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन पर करीब से नजर रख रहा है।

आरबीआई का बड़ा फैसला: हड़ताल के बीच रविवार को बैंक ओपन

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महत्वपूर्ण कदम उठाकर आगामी रविवार, 27 सितंबर को भी बैंक शाखाएं, कार्यालय, एटीएम लिंक्ड ब्रांच और करेंसी चेस्ट खोलने की अनुमति दे दी है। यह फैसला ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखकर लिया गया है, ताकि उन्हें संभावित लंबी बैंकिंग बाधा का सामना न करना पड़े।

दरअसल, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का ऐलान किया है। इसके पहले, 26 सितंबर को शनिवार और 27 सितंबर को रविवार की साप्ताहिक छुट्टी थी। यदि रविवार को भी बैंक बंद होते, तब आम ग्राहकों को लगातार पांच दिनों तक बैंकिंग सेवाओं से वंचित रहना पड़ता, इससे नकदी संकट और अन्य महत्वपूर्ण लेनदेन में भारी परेशानी आ सकती थी।

इसी संभावित कठिनाई को देखकर आरबीआई ने यह आपातकालीन निर्णय लिया है। आरबीआई ने इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) को लिखे अपने पत्र में साफ किया है कि जनता की वास्तविक बैंकिंग जरूरतों पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ना चाहिए। बैंकों को कानूनी प्रावधानों का पालन करते हुए सुनिश्चित करने को कहा गया है कि 27 सितंबर को उनकी शाखाएं और करेंसी चेस्ट पूरी तरह से चालू रहें।

निजी क्षेत्र और विदेशी बैंकों के करेंसी चेस्ट को सूची में अलग से भेजी गई है, ताकि सभी आवश्यक सेवाएं सुचारु रूप से चल सकें।

बैंक ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे नकदी निकालना, जमा करना या अन्य महत्वपूर्ण लेनदेन जैसे अपने जरूरी काम 27 सितंबर को ही निपटा लें। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि इसके बाद तीन दिनों तक बैंकों में सामान्य कामकाज प्रभावित हो सकता है, जिससे अगले कई दिनों तक वित्तीय लेन-देन में रुकावट आने की आशंका है। यह कदम ग्राहकों को आगामी हड़ताल के कारण होने वाली असुविधा से बचाने के लिए उठाया गया है।

चीनी के खुदरा दामों में 14 से 17 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट

लोगों को मिली राहत, बढ़ते भावों ने आम जनता की बढ़ा दी थी चिंता

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में चीनी के बढ़ते भावों ने आम जनता की चिंता बढ़ा दी थी, क्योंकि इस दौरान मिठाइयों और अन्य पकवानों में चीनी की खपत ज्यादा होती है। अब लगता है कि स्थिति नियंत्रण में आ रही है, क्योंकि चीनी के दामों में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले एक महीने में चीनी की खुदरा कीमत में कमी आई है। चीनी मंडी के आंकड़ों के मुताबिक 22 अगस्त से 21 सितंबर के बीच खुदरा चीनी के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली, कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में खुदरा चीनी के भाव में 14 से 17 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट देखी गई है, जिससे उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है।यह गिरावट केवल खुदरा बाजार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि चीनी के थोक भाव में भी काफी कमी आई है। इसी अवधि के दौरान अलग-अलग शहरों में थोक कीमत 1,600 रुपए प्रति क्विंटल से 2,000 रुपए प्रति क्विंटल तक कम हुई है। यह थोक गिरावट सीधे तौर पर खुदरा कीमतों को प्रभावित करती है, जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होता है। सरकार ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि चीनी की बढ़ती कीमतों से अब थोड़ी राहत मिली है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में खुदरा चीनी की कीमतें करीब 65 रुपए प्रति किलो थीं, जो अब घटकर करीब 58.50 रुपए प्रति किलो रह गई हैं। इसके अलावा, एक्स-मिल कीमतों में भी करीब 25फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। जब खुदरा और थोक दोनों कीमतों में कमी आई है, तो यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले कुछ दिनों में जनता तक पहुंचने वाली चीनी की अंतिम कीमतों में भी और गिरावट देखने को मिलेगी।

भारत की बेटियां बना रही हैं आईफोन:उत्पादन में 80 प्रतिशत महिला कर्मचारी

मुंबई।

आज दुनिया भर में महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ी है, लेकिन भारत ने इस मामले में एक नया कीर्तिमान बनाया है, खासकर आईफोन जैसे वैश्विक उत्पाद के निर्माण के क्षेत्र में। देश में आईफोन बनाने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक फॉक्सकॉन में 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी भारत की बेटियां हैं, जो स्मार्टफोन के निर्माण में अहम भूमिका निभा रही हैं। यह आंकड़ा भारतीय कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती शक्ति और उनके योगदान को दिखाता है।

यह स्थिति फॉक्सकॉन के तमिलनाडु स्थित प्लांट में विशेष रूप से देखने को मिलती है, जहां 2024 के आंकड़ों के अनुसार कुल 41,281 कर्मचारियों में से 33,360 महिलाएं हैं। इस तरह, बेंगलुरु के देवनहल्ली में स्थित फॉक्सकॉन के एक अन्य प्लांट में बीते साल तक कार्यरत करीब 30,000 लोगों में से 80 प्रतिशत यानी करीब 24,000 महिलाएं थीं। यह आंकड़ा न केवल कंपनियों के भीतर महिलाओं की मजबूत उपस्थिति को दिखाता है, बल्कि उनके लिए रोजगार के व्यापक अवसरों का भी संकेत देता है।यह सिर्फ फॉक्सकॉन तक सीमित नहीं है। भारत में एप्पल के पूरे इकोसिस्टम की बात करें, जिसमें फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कंपनियां शामिल हैं, करीब 1.40 लाख नई नौकरियां पैदा हुई हैं।

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड

स्विट्जरलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्जरलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

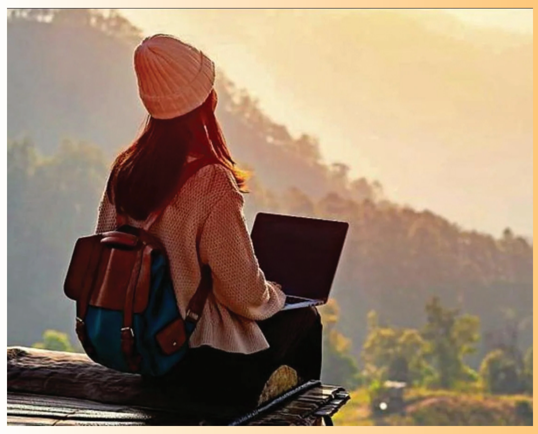

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्विक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो...

इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में हारीं पीवी सिंधु

जापान ने बनाई 1-0 की बढ़त

इचिनोमिया सिटी । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

यह मुकाबला इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेला गया, जहां यामागुची ने सिंधु को हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला गेम टाई-ब्रेक में जीतने के बाद सिंधु तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन यामागुची से 21-23, 21-18, 21-11 से हार गईं, जिससे जापान को क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त मिल गई। उन्नति हुड्डा दूसरे मुकाबले में टोमोका मियाजाकी के खिलाफ भारत के लिए स्कोर बराबर करने की कोशिश करेंगी। इस मैच से पहले, दोनों खिलाड़ी 30 बार आमने-सामने हो चुकी थीं, जिसमें सिंधु 16 जीत के साथ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आगे थीं। मंगलवार की हार के बाद दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 16-15 हो गया है, जो अभी भी सिंधु के पक्ष में है।

सिंधु ने 6-10 के अंतर को पाटते हुए अच्छा खेल दिखाया और स्कोर 12-12 तक पहुंचाया। इसके बाद 15-18 से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक गेम प्वाइंट बचाकर पहला गेम 23-21 से जीता।

साक्षी ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

निशियो । कॉमनवेल्थ गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता साक्षी चौधरी ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के शुरुआती राउंड में पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विनर आइरा विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

चौधरी ने निशियो जिमनैजियम में अपने एशियन गेम्स डेब्यू में शानदार परफॉर्मेंस देते हुए फिलिपिनो बॉक्सर को 5-0 के एकमत फैसले से हराया। उन्होंने 10-9 के स्कोर के साथ तीनों राउंड एकमत से जीते और दोनों में से बेहतर बॉक्सर थीं। उनके सटीक पंच पेरिस की कांस्य पदक विजेता के लिए संभालना मुश्किल था।

कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अब प्री-क्वार्टर में पहुंच गई हैं। गुरुवार को उनका मुकाबला मौजूदा 51 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन अलुआ बाल्किबेकोवा से होगा।

साक्षी पहले से ही एक मशहूर बॉक्सर हैं और उन्होंने इस खेल की कुछ बड़ी मुक्केबाजों को हराया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल्स में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निकहत जरीन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा को हराया। उन्होंने ट्रायल्स के सेमीफाइनल में निकहत को हराया, जबकि फाइनल में चैंपियन हुड्डा को हराया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में साक्षी ने फाइनल में इंग्लैंड की रूबी व्हाइट को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। एक सफल कॉमनवेल्थ के बाद, साक्षी ने एशियाड पर अपनी नजरें टिकाए रखीं।

साक्षी ने कहा था, 'कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है।

संक्षिप्त समाचार

रोशिबिना देवी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

एशियन गेम्स में लगातार तीसरा वुशु मेडल पक्का

नागोया । भारत की रोशिबिना देवी ने महिलाओं के 60 किग्रा वुशु क्वार्टर फाइनल में मकाऊ, चीन की चू मैन सिन को 5-0 से शिकस्त दी। मंगलवार को आइची प्रीफेक्चरल मार्शल आर्ट्स हॉल में इस जीत के साथ रोशिबिना ने एशियन गेम्स में अपना तीसरा मेडल सुनिश्चित कर लिया है। 2018 और 2022 एशियन गेम्स की मेडलिस्ट रोशिबिना ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना तीसरा कॉन्टिनेंटल मेडल पक्का कर लिया है। उन्होंने प्वाइंट्स के अंतर से मैच 5-0 से अपने नाम करते हुए बुधवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाई। रोशिबिना ने इससे पहले सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश की शिखा खातून को मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। मौजूदा एशियन गेम्स में वुशु में भारत का यह पहला पक्का मेडल है। रोशिबिना एशियन गेम्स 2023 में सिल्वर मेडलिस्ट रह चुकी हैं, जब वह सांडा 60 किग्रा कैटेगरी में दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2018 जकार्ता खेलों में भी इसी वेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उनके अलावा, भारत के आर्यन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं, जो अब मेडल के लिए मुकाबला करेंगे। आर्यन ने पुरुषों के 56 किग्रा प्री-क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान के साफी शहजादा को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

नेपाली मुक्केबाज को 5-0 से हराकर

जदुमणि सिंह प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

निशियो । एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने पुरुषों के 55 किग्रा प्रिलिमिनरी राउंड में नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को शिकस्त दी। इसी के साथ जदुमणि ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट ने यह बाउट निशियो जिम्नेजियम में जीती। जदुमणि ने शानदार मुकाबला करते हुए थापा पर 5-0 से सर्वसम्मत जीत हासिल की। ??जदुमणि ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट के खिलाफ धीमी शुरुआत की, लेकिन मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और तीनों राउंड में सटीक पंच से जजों को प्रभावित किया। शुरुआती दो राउंड जीतने के बाद जदुमणि ने अपना दबदबा बनाए रखा और तीसरे राउंड में एक लेफ्ट हुक लगाया, जिससे थापा को 'स्टैंडिंग काउंट' का सामना करना पड़ा। भारतीय बॉक्सर ने तीसरा राउंड भी जीता और तीन 30-27 और दो 29-28 स्कोरकार्ड के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

जदुमणि अब शनिवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के बॉक्सर कार्लो पालाम से भिड़ेंगे, जो 2020 टोक्यो ओलंपिक गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट हैं।

मीराबाई चानू ने जीता एशियन गेम्स में पहला मेडल

एशियन गेम्स वेटलिफ्टिंग

खत्म हुआ 28 साल का सूखा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए देश को वेटलिफ्टिंग में 1998 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल दिलाया है। 49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने कुल 198 किलोग्राम का भार उठाते हुए एशियन गेम्स में अपना पहला मेडल जीता। पिछले एशियन गेम्स में वह मेडल लाने से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रही थीं। स्नैच राउंड के अपने पहले प्रयास में मीराबाई ने 83 किलो का वजन उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 85 किलो का भार उठाने में कामयाब रहीं। तीसरे प्रयास में मीराबाई ने 87 किलो वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क राउंड में भी मीराबाई का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क राउंड के पहले प्रयास में 107 किलो का भार उठाया। वहीं, दूसरी कोशिश में वह 111 किलो का वजन उठाने में सफल रहीं। वहीं, नॉर्थ कोरिया की खिलाड़ी री सोंग-गम ने गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। साल 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में आखिरी मेडल जीता था। इसके बाद से कोई भी खिलाड़ी एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल नहीं ला सका था। हालांकि, मीराबाई का गोल्ड मेडल जीतने का सपना साकार नहीं हो सका। मीराबाई चानू ने एशियन गेम्स में अपने मेडल का सूखा भी खत्म कर दिया है।

साल 2014 में वह 9वें स्थान पर रही थीं। वहीं, जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई चोट के चलते हिस्सा नहीं ले सकी थीं। हांगझोऊ में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई ने 49 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया था, लेकिन वह चौथे स्थान पर रही थीं और मेडल लाने से चूक गई थीं।

महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम का कमाल, ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। भवतेघ सिंह गिल, अनंतजीत सिंह नारुका और मैराज अहमद खान की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया है। भारतीय स्कीट टीम ने फाइनल में कुल 346 का स्कोर करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। कुवैत ने 348 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि कतर की टीम 353

स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही। अनंतजीत ने इस स्पर्धा के व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले भारत की महिला स्कीट टीम ने भी देश को इसी स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। परिनाज धालीवाल, रजिया ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान ने कुल 331 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, शूटिंग में भारत की उम्मीदों को उस समय करारा झटका लगा, जब मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूक गईं। मनु 181.1 के स्कोर के साथ फाइनल मुकाबले में पांचवें स्थान पर रहीं। मनु अपने प्रदर्शन से खुद निराश नजर आईं। इसके साथ ही 10 मीटर एयर पिस्टल के टीम इवेंट में भी मनु, ईशा और सुरुचि की तिकड़ी मेडल जीतने से मामूली अंतर से चूक गई। भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही।

जय मीणा ने रचा इतिहास

सॉफ्ट टेनिस में भारत को दिलाया पहला ब्रॉन्ज मेडल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में जय मीणा ने इतिहास रच दिया है। उन्होने पुरुषों के सॉफ्ट टेनिस में भारत के लिए पहला मेडल जीता है। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जापान के ताकुया कुरोसाका से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में हार के बावजूद वह ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम करने में सफल रहे हैं। मीणा ने क्वार्टर फाइनल में शेरविन नुगुइट के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला मेडल पक्का किया था। उस मैच में वे आखिरी गेम में पीछे चल रहे थे, लेकिन फिर वापसी करते हुए लगातार चार प्वाइंट जीते और क्वार्टर फाइनल 4-3 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां वे कुरोसाका से हार गए और ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना सफर खत्म किया। सॉफ्ट टेनिस में मीणा का सफर एक दिलचस्प संयोग से शुरू हुआ। शुरुआत में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वे क्रिकेटर बनना चाहते थे। मगर जब उन्होंने देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में दाखिला लिया, तो वहां बने सॉफ्ट टेनिस कोर्ट ने उनका ध्यान खींचा। पहले वे खिलाड़ियों को खेलते हुए देखते थे और बाद में बॉल बॉय के रूप में मदद करने लगे। धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी सॉफ्ट टेनिस में बढ़ी और उन्होंने खुद यह खेल खेलना शुरू कर दिया। स्कूल और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं से शुरुआत करने के बाद वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे।

भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी

ईरान को 37-23 से हराया

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने कड़े मुकाबले में ईरान को 37-23 से हराते हुए टूर्नामेंट की अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

भारत और ईरान के बीच पहले हाफ में खासतौर पर कांटे की टक्कर देखने को मिली। ईरान ने मुकाबले में शुरुआती बढ़त बनाई। 10-6 के स्कोर पर भारतीय टीम ऑलआउट होने की दहलीज पर थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पूजा ने बेहतरीन रेड करते हुए दो प्वाइंट अर्जित किए। पूजा की यह रेड मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई और इसके बाद भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की। जल्द ही भारतीय टीम ने स्कोर को 11-11 से बराबर कर दिया। हाफ टाइम का अंत होने तक भारत ने 19-15 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ईरान के डिफेंस पर पूरी तरह से हावी नजर आई। हालांकि, ईरान के रेडर ऐनाज जोब्रान की तीन प्वाइंट की सुपर रेड ने टीम को मैच में वापस लाने का काम किया।

दबाव में भारतीय डिफेंस और रेडर्स ने कमाल का संयम दिखाया।

व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूकीं राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में महिला स्कीट टीम स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालीं भारतीय शूटर राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल व्यक्तिगत स्पर्धा में देश के लिए मेडल लाने से चूक गईं। राइजा चौथे स्थान पर रहीं जबकि परिनाज ने

आठवां स्थान हासिल किया। तीन दिनों के क्वालिफिकेशन राउंड के बाद राइजा और परिनाज ने 125 में से 111 शॉट लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर रहीं। हालांकि भारतीय जोड़ी फाइनल में कोई खास असर नहीं दिखा पाई और नतीजतन व्यक्तिगत इवेंट से खाली हाथ लौटीं। टीम इवेंट में परिनाज, राइजा और माहेश्वरी ने क्वालिफिकेशन में कुल 331 का स्कोर किया और पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत की उम्मीदों को लगा करारा झटका

मेडल से चूकीं मनु भाकर, फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं

नागोया । दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट शूटर मनु भाकर को एशियन गेम्स में निराशा हाथ लगी है। वह महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में पोडियम तक नहीं पहुंच सकीं और बुधवार को फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं। वहीं, साउथ कोरिया की गाउन चू ने 246.3 के स्कोर के साथ एशियाई रिकॉर्ड और गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता।

चीन की यियाओ शेन (241.3) और रैनक्सिन जियांग (221.6) ने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम पर अपनी जगह बनाई। मनु क्वालिफिकेशन राउंड में 579 के स्कोर (जिसमें 20 'इनर 10' शामिल थे) के साथ तीसरे स्थान पर रहकर व्यक्तिगत फाइनल में पहुंची थीं। आठ महिलाओं के फाइनल में उन्होंने 181.1 का स्कोर किया। टीम मेडल से बहुत कम अंतर से चूकने के बाद, महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भारत को कोई मेडल नहीं मिला। अब मनु अपना ध्यान 25 मीटर पिस्टल इवेंट पर लगाएंगी, जहां वह ईशा और 2018 एशियन गेम्स की चैंपियन राही सरनोबत के साथ शामिल होंगी।

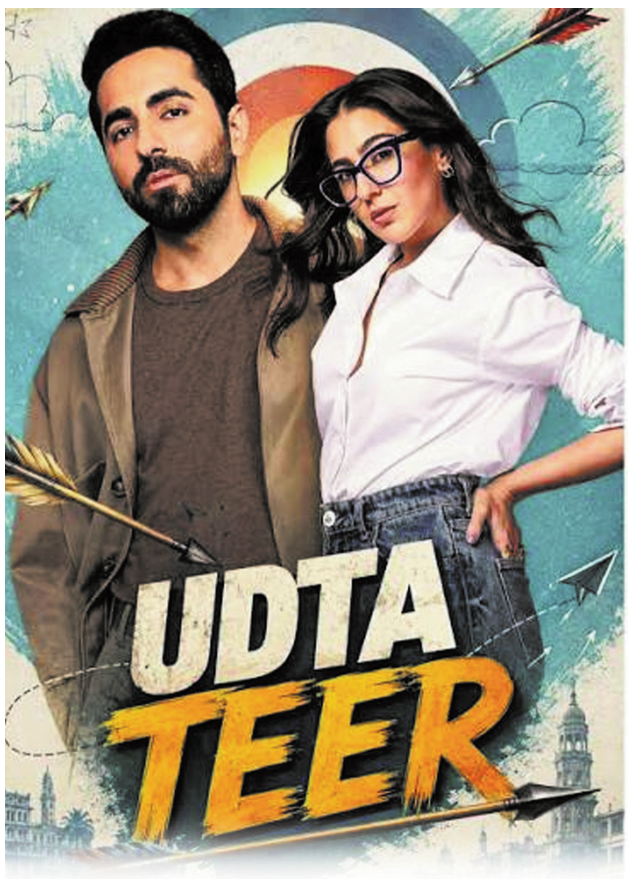

फिल्म 'उड़ता तीर' में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की अगली फिल्म को लेकर मेकर्स ने अब तक कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं रखी है। हालांकि, फिल्म से जुड़े सूत्रों से बातचीत में कहानी और किरदारों को लेकर कुछ अहम जानकारी सामने आई है। फिल्म की पृष्ठभूमि भारत और पाकिस्तान से जुड़ी जरूर है।

भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि में काल्पनिक कहानी

फिल्म में भारत और पाकिस्तान की पृष्ठभूमि कहानी का अहम हिस्सा है। यह पूरी तरह काल्पनिक कहानी है, जिसे भारत-पाकिस्तान के संदर्भ में विकसित किया गया है। यही वजह है कि इसे हाल के दौर की उन फिल्मों से अलग माना जा रहा है, जिनकी कहानियां वास्तविक घटनाओं या सैन्य अभियानों से प्रेरित रही हैं।

फिल्म में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

फिल्म में आयुष्मान महत्वपूर्ण भूमिका में हैं और कहानी की मुख्य घटनाएं उनके किरदार के आसपास आगे बढ़ती हैं। इसकी वजह कहानी में मौजूद ट्विस्ट बताए जा रहे हैं। इसी वजह से आयुष्मान के डबल रोल में होने की भी संभावना जताई जा रही है। हालांकि, यह अभी पूरी तरह कंफर्म नहीं है।

लाउड नहीं, सिचुएशनल कॉमेडी पर फोकस करेगी यह फिल्म

फिल्म का टोन इसे खास बनाता है। भारत-पाकिस्तान का बैकड्रॉप और डिफेंस से जुड़ी कहानी देखकर इसे गंभीर वॉर फिल्म या सीधी कॉमेडी समझना आसान हो सकता है। फिल्म में ड्रामा और कॉमेडी साथ-साथ चलती है। इसका हास्य लगातार पंचलाइन या वन-लाइनर्स पर बेस्ड नहीं है।

'धुरंधर' जैसी फिल्मों से अलग है कहानी

इसमें डिफेंस से जुड़ी दुनिया होने के बावजूद ड्रामा और कॉमेडी को भी बराबर जगह दी गई है। इसलिए इसे 'धुरंधर' जैसे युद्ध बेस्ड प्रोजेक्ट के साथ रखना सही नहीं है।

मुंबई से दिल्ली-एनसीआर तक हुई इस फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग मुंबई और दिल्ली में हुई है। दिल्ली-एनसीआर में भी इसके कई हिस्से शूट किए गए। खास तौर पर गुरुग्राम के एक कॉलेज की लोकेशन का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा वहां आर्मी बेस जैसा सेटअप भी तैयार किया गया था। फिल्म की दुनिया में सामान्य शहरी लोकेशन के साथ डिफेंस से जुड़े हिस्सों को भी जगह दी गई है।

सारा का किरदार डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा

सारा फिल्म में एक कामकाजी महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका संबंध डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा बताया जा रहा है। यानी उनका किरदार सिर्फ घर या किसी पुरुष किरदार के आसपास सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म की पेशेवर दुनिया का हिस्सा है। उनके किरदार की पूरी भूमिका अभी सामने नहीं आई है।

रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट के बाद तारा सुतारिया ने बनाई पहचान

बॉलीवुड में पहचान बनाने का सपना लेकर आने वाले हर कलाकार का सफर एक जैसा नहीं होता। कुछ को फिल्मी परिवार का सहारा मिलता है, तो कुछ हुनर और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया का सफर भी ऐसा ही है। अभिनय के साथ संगीत और गायकी में रुचि रखने वाली तारा ने टेलीविजन से शुरुआत की और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बड़े पर्दे पर कदम रखा। तारा का फिल्मी सफर कई अनुभवों से गुजर चुका है। उन्होंने रोमांटिक और एक्शन फिल्मों में काम किया और अपूर्वा जैसी सर्वाइवल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें फिल्मों से रिप्लेस किए जाने और इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड डेब्यू

साल 2019 तारा सुतारिया के करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा। इसी साल उन्होंने पुनीत मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में थे। तारा ने फिल्म में मिया चावला का किरदार निभाया।

यह कॉलेज लाइफ, दोस्ती, प्यार और प्रतियोगिता पर आधारित कहानी थी। फिल्म को समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन तारा के लिए यह बड़े पर्दे पर शुरुआत का अवसर था। तारा ने अपनी डेब्यू फिल्म के प्रदर्शन पर कहा था कि फिल्म को लेकर लोगों की राय अलग हो सकती है, लेकिन उनके अनुसार फिल्म ने कमाई की थी और वह इसे असफल नहीं मानती थीं। तारा ने बताया था कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' की शूटिंग के दौरान उन्हें दूसरी फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे। इनमें 'कबीर सिंह' और 'मरजावां' जैसी फिल्में शामिल थीं।

फिल्मों से रिप्लेस होने का अनुभव

फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के साथ-साथ किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा बने रहना भी कलाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तारा सुतारिया ने करियर के दौरान ऐसे अनुभवों का सामना किया है। जूम टीवी एंटरटेनमेंट के इंटरव्यू में तारा ने फिल्मों से रिप्लेस किए जाने के अनुभवों पर बात की है। उन्होंने बताया कि कुछ मौकों पर उन्हें फिल्मों से बाहर किए जाने की जानकारी मिली, जबकि वह उन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने की उम्मीद कर रही थीं। किसी फिल्म से जुड़े होने की उम्मीद के बाद अचानक किसी दूसरे कलाकार को अपनी जगह देखना भावनात्मक रूप से मुश्किल हो सकता है। तारा के लिए भी यह शुरुआती करियर का ऐसा अनुभव रहा, जिसने उन्हें इंडस्ट्री के काम करने के तरीके को समझने का अवसर दिया।

आउटसाइडर होने पर बोलीं तारा

तारा सुतारिया ने इंटरव्यू में बॉलीवुड में अपने आठ साल के सफर पर बात की थी। इस इंटरव्यू में तारा ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत की, तब वह बहुत कम लोगों को जानती थीं। फिल्मी दुनिया के काम करने के तरीकों को समझने में उन्हें कई साल लगे। उन्होंने बताया था कि फिल्मी परिवार से नहीं आने वाले कलाकारों के लिए इंडस्ट्री को समझना अलग अनुभव होता है। फिल्मी परिवारों से जुड़े लोगों को कई बार फिल्मों के बनने, प्रोजेक्ट्स के ट्रैक होने और इंडस्ट्री में काम के अवसरों की जानकारी पहले से मिल जाती है। तारा के मुताबिक, बाहर से आने वाले कलाकारों के लिए ऐसी जानकारियां आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं। उन्होंने अपने अनुभव को मुश्किल और कई बार अकेलेपन भरा बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता और दोस्तों का सहयोग उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। वह अपने परिवार से काम और निजी जीवन से जुड़ी परेशानियों पर बात कर पाती हैं। तारा ने इस बातचीत में बताया कि समय के साथ उन्होंने अपनी पसंद और नापसंद को समझा। अब वह जानती हैं कि किन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और किस तरह के प्रोजेक्ट्स उनके लिए सही हैं।

पोस्टपोन हो सकती है प्रभास स्टारर 'फौजी' की रिलीज डेट

प्रभास की आने वाली फिल्म 'फौजी' इन दिनों चर्चा में है। हनु राघवपुड़ी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक पीरियड एक्शन ड्रामा है। अब खबर है कि फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'निर्माता फिल्म को फरवरी 2027 में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक रिलीज की नई डेट की घोषणा नहीं हुई है। 'फौजी' की रिलीज आगे बढ़ाने की एक बड़ी वजह फिल्म का लंबा पोस्ट प्रोडक्शन काम बताया जा रहा है। फिल्म का काफी हिस्सा तैयार हो चुका है, लेकिन अभी कुछ हिस्सों की शूटिंग भी बाकी है। प्रभास जल्द ही अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर सकते हैं।

फिल्म में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में हैं

'फौजी' में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में नजर आएंगी। यह उनके लिए खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि वह इस फिल्म के जरिए बड़े परदे पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत कर रही हैं।

अगले प्रोजेक्ट में संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू

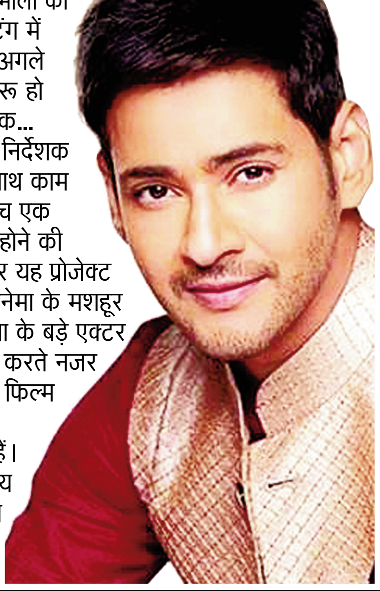

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'महेश अब मशहूर फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। दोनों के बीच एक फिल्म को लेकर बातचीत होने की खबर सामने आई है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक और तेलुगु सिनेमा के बड़े एक्टर पहली बार एक साथ काम करते नजर आ सकते हैं। भंसाली इस फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। फिल्म में भव्य सेट, बड़े दृश्य और नाटकीय कहानी देखने को मिल सकती है।

द रेवोल्यूशनरीज के लिए रोहित सराफ ने 15 महीने की कड़ी ट्रेनिंग की

अभिनेता रोहित सराफ अपनी नई वेब सीरीज़ 'द रेवोल्यूशनरीज' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज़ में वह स्वतंत्रता सेनानी सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के लिए रोहित ने अपने शरीर को बदलने के लिए करीब 15 महीने तक कड़ी मेहनत और ट्रेनिंग की। इसके अलावा उन्होंने लगभग 3 महीने तक मल्लखंब और कुश्ती जैसी कलाओं की ट्रेनिंग भी ली। रोहित ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक निखिल आडवाणी से मिले, तो उन्होंने रोहित से कहा था कि उनका शरीर हॉलीवुड अभिनेता ब्रैड पिट जैसा होना चाहिए, जैसा कि फिल्म फाइट क्लब में दिखता है। रोहित ने कहा, 'मैं पहले से एक्टिव और फिट था, लेकिन मैं फाइट क्लब वाले ब्रैड पिट जैसा बिल्कुल नहीं था।' इसलिए उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने शरीर को निर्देशक की कल्पना के मुताबिक बनाना थी। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग काफी कठिन और थकाने वाली थी। वह अपनी ट्रेनिंग के वीडियो लगातार निखिल आडवाणी को भेजते थे। रोहित को सबसे ज्यादा अच्छा यह देखकर लगा कि धीरे-धीरे ट्रेनिंग की वजह से उनके शरीर का लुक और चलने-फिरने का तरीका दोनों बदल रहे थे।

क्या ललित मोदी का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह?

फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ललित मोदी की जिंदगी पर एक बड़े बजट की बायोपिक बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण उनके बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया जाएगा।

ललित मोदी की जिंदगी के कई पहलुओं पर होगी नजर

फिलहाल यह फिल्म लेखन और डेवलपमेंट स्टेज में है। फिल्म की कहानी, स्टारकास्ट, डायरेक्टर और रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म में ललित मोदी की जिंदगी को सिर्फ विवादों तक सीमित नहीं रखना चाहते। कहानी में उनके निजी जीवन के साथ-साथ उनके प्रोफेशनल सफर को भी दिखाया जाएगा। फिल्म के जरिए ड्डक्कक के पीछे की सोच और उसे खड़ा करने में ललित मोदी की भूमिका पर भी फोकस किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि मेकर्स स्क्रिप्ट पर काफी समय दे रहे हैं, ताकि ललित मोदी की पूरी कहानी को विस्तार से पर्दे पर उतारा जा सके। लेखिका और प्रोड्यूसर स्नेहा राजानी के भी इस बायोपिक के डेवलपमेंट से जुड़े होने की खबर है। खास बात यह है कि जब ललित मोदी ने पहली बार अपनी जिंदगी पर फिल्म बनने की जानकारी दी थी, तब स्नेहा राजानी ही इस प्रोजेक्ट से जुड़ी टीम का नेतृत्व कर रही थीं। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शुरुआत से ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल फिल्म की कास्ट को लेकर है। कुछ साल पहले रणवीर सिंह ने लंदन में एक मुलाकात के दौरान ललित मोदी का किरदार पर्दे पर निभाने में दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि रणवीर सिंह को इस बायोपिक के लिए फाइनल किया गया है या नहीं। ललित मोदी ने जून में भी अपनी जिंदगी पर बन रही बायोपिक को लेकर जानकारी साझा की थी। ऐसे में अब इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने ब्रह्माकुमारी संगठन के प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात, 1987 की यादें कीं साझा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

केवड़िया। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में आयोजित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में शामिल होने पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सर्किट हाउस में ब्रह्माकुमारी संगठन के प्रतिनिधिमंडल से शिष्टाचार भेंट की। माउंट आबू के ज्ञान सरोवर की निदेशक एवं भरूच उपक्षेत्र की प्रभारी प्रभा दीदी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति का अभिवादन कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रभा दीदी के साथ आध्यात्मिक विषयों पर बातचीत की। उन्होंने वर्ष 1987 की एक स्मृति भी साझा करते हुए बताया कि ब्रह्माकुमारी संगठन की पहली मुख्य प्रशासक दादी प्रकाशमणिजी भी इसी सर्किट हाउस में ठहरी थीं। राष्ट्रपति ने क्षेत्र में ब्रह्माकुमारी केंद्र की ओर से किए जा रहे समाजसेवा और आध्यात्मिक जागरूकता के कार्यों पर प्रसन्नता जताई। इस अवसर पर अमिता दीदी, हेतल दीदी, अनिला दीदी, नीमा दीदी, जानविक दीदी, यशोदाबेन और जैनेशभाई सहित संगठन के अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को स्मृति स्वरूप दिव्य उपहार भेंट किया।

आमोद में स्टूडेंट्स से भरी वैन खाई में गिरी, एक बुजुर्ग समेत 10 स्टूडेंट्स घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आमोद। दादापोर से आमोद की शाह एनएनएम चामड़िया हाईस्कूल के छात्रों को लेकर लौट रही मारुति वैन बुधवार को सड़क किनारे बने में पलट गई। हादसे के बाद वैन में सवार छात्रों में चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई। दुर्घटना में करीब 10 छात्र और एक बुजुर्ग महिला घायल हो गई। घायल छात्रों को कीचड़ से लथपथ हालत में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में छात्रा प्रतिज्ञा ठाकोर को छाती के हिस्से में गंभीर चोट लगने की जानकारी सामने आई है। उसे बेहतर उपचार के लिए वडोदरा रेफर किया गया, जबकि अन्य छात्रों को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद कुछ छात्रों ने वैन चालक पर शराब के नशे में वाहन चलाने का आरोप लगाया। हालांकि चालक के नशे में होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। चिकित्सकीय जांच और पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। हादसे के बाद अभिभावकों और स्थानीय लोगों ने स्कूल वाहनों की फिटनेस, चालकों की योग्यता और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की मांग की है।

खेत में खाद फैला रही महिला पर गिरी बिजली, 40 वर्षीय कपिलाबेन की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देनवा। आमोद तालुका के देनवा गांव में खेत में काम कर रही महिला की बिजली गिरने से मौत हो गई। करीब 40 वर्षीय कपिलाबेन सोलंकी अपने पति विनोदभाई सोलंकी के साथ खेत में खाद फैला रही थीं। इसी दौरान अचानक बिजली गिरने से कपिलाबेन बुरी तरह झुलस गईं। उनके सिर और सीने में गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से कपिलाबेन को आमोद रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही गांव के स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे तथा परिवार को सहायता दी। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक डीके स्वामी, तालुका विकास अधिकारी नरेश लाडूमोर, पुलिस निरीक्षक राजेंद्र करमातिया सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि रेफरल अस्पताल पहुंचे। विधायक ने परिजनों को सांत्वना दी और राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली आकस्मिक मृत्यु सहायता के लिए आवेदन कराने का भरोसा दिया। घटना के बाद देनवा गांव में शोक का माहौल है। आमोद पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

योगी डेयरी से 30 किलो संदिग्ध मिलावटी घी बरामद, खाद्य सुरक्षा विभाग ने नमूने लिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पोरबंदर। पोरबंदर शहर में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बुधवार को एसओजी पुलिस ने सत्यनारायण मंदिर के पास स्थित योगी डेयरी से 30 किलो संदिग्ध मिलावटी घी बरामद किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि डेयरी में संदिग्ध मिलावटी घी तैयार कर उसका भंडारण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर एसओजी टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जहां 15-15 किलो क्षमता वाले दो डिब्बों में कुल 30 किलो घी मिला। मौके पर मिले 57 वर्षीय विजयभाई नटवरभाई कोटेचा के खिलाफ खाद्य सुरक्षा संबंधी कानून के तहत कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस की सूचना पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घी के नमूने जांच के लिए लिए। इसके बाद पूरे 30 किलो घी के जखीरे को सील कर दिया गया। हालांकि घी में वास्तव में मिलावट है या नहीं, यह प्रयोगशाला जांच की रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा। पुलिस ने मामले की आगे जांच शुरू कर दी है।

नगर पालिका परिसर में पत्रकार कक्ष की मांग, नागदा जर्नलिस्ट क्लब ने सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा (निप्र)। नगर पालिका परिसर में पत्रकारों के लिए अलग कक्ष उपलब्ध कराने की मांग को लेकर नागदा जर्नलिस्ट क्लब की ओर से नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि ओपी गेहलोत को मांग पत्र सौंपा गया। क्लब ने कहा कि नगर में कार्यरत पत्रकारों को समाचार संकलन, आवश्यक जानकारी जुटाने और आपसी विचार-विमर्श के लिए एक निर्धारित स्थान उपलब्ध होने से कामकाज में सुविधा होगी। मांग पत्र में बताया गया कि नागदा के पत्रकार जनसमस्याओं, विकास कार्यों, सामाजिक गतिविधियों और जनहित से जुड़े मुद्दों को समाचारों के माध्यम से जनता और प्रशासन तक पहुंचाने में भूमिका निभाते हैं। नगर पालिका परिसर में पत्रकार कक्ष होने से यहां आने वाले पत्रकारों को समाचार संकलन के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों से आवश्यक संवाद करने में भी सुविधा मिलेगी।

दो दिन डेरे में मौजूद रही टीम ने देखा माहौल; कई दौर की चेकिंग के बाद स्टेडियम में मिली एंट्री, कार्यक्रमों को लेकर प्रशासन के रुख पर उठे सवाल

फरलो पर राम रहीम के डेरे में उमड़ी भीड़: सत्संग में 70 हजार, रूबरू नाइट में करीब 1 लाख लोग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरसा। 13 सितंबर की रात करीब 9 बजे हरियाणा के सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा के स्टेडियम में रूबरू नाइट का आयोजन हुआ। राम रहीम के मंच पर पहुंचते ही स्टेडियम तालियों और 'पिताजी' के नारों से गूंज उठा। संगीत शुरू हुआ तो हजारों लोग उसके साथ झूमते नजर आए। आयोजन में करीब एक लाख लोगों के मौजूद होने का दावा किया गया। खास बात यह थी कि राम रहीम उस समय दुष्कर्म के दो मामलों में 20 साल की सजा काट रहा है और 25 अगस्त से 16 सितंबर तक फरलो पर जेल से बाहर था। 12 और 13 सितंबर को डेरे में मौजूद रहकर घटनाक्रम देखने वाली टीम के मुताबिक, आश्रम से करीब आधा किलोमीटर पहले से ही सड़क के दोनों ओर सजावट और लोगों की भीड़ दिखाई देने लगी थी। बड़ी संख्या में लोग बठिंडा, फाजिल्का, मानसा और राजस्थान से पहुंचे थे। डेरे के मुख्य द्वार पर पहुंचने वाले लोग सिर झुकाकर आगे बढ़ रहे थे। भक्तों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था आश्रम परिसर में ही की गई थी। 13 सितंबर की सुबह डेरे में रात की तुलना में भी ज्यादा भीड़ दिखाई दी। भक्तों के बीच चर्चा थी कि सुबह 9 बजे राम रहीम दर्शन देगा, लेकिन बाद में समय 11 बजे किया गया। दर्शन से पहले सेवादारों की तैनाती बढ़ा दी गई। परिसर में प्रवेश के दौरान कड़ी जांच की गई और मोबाइल, घड़ी, पेन तथा बेल्ट जैसी वस्तुएं जमा कराई गईं। परिसर के भीतर बड़े टेंट में सत्संग की व्यवस्था थी। आसपास खाने-पीने की दुकानें लगी थीं और खरीदारी के लिए अलग-अलग स्थानों से टोकन दिए जा रहे थे। इसी दौरान एक सेवादार ने टीम से पूछा कि बिना डेरा सदस्य बने यहां क्यों आए हैं। बातचीत में बताया गया कि डेरे से जुड़े लोग एक-दूसरे को 'प्रेमी जी' कहकर संबोधित करते हैं। सत्संग स्थल पर मौजूद करीब 20 लोगों से बातचीत में उन्होंने डेरे से जुड़े अपने अनुभव बताए। कुछ लोगों ने दावा किया कि डेरा आने के बाद उनके परिवार के सदस्यों का नशा छूटा या उन्हें इलाज में मदद मिली। डेरे के खिलाफ सवाल पूछे जाने पर बातचीत करने वाले लोग चुप रहे। करीब 40 हजार लोगों की क्षमता वाले टेंट में दोपहर तक 65 से 70 हजार लोगों के पहुंचने का दावा किया गया। करीब 1 बजे राम रहीम मंच पर आया और लगभग एक घंटे 10 मिनट तक सत्संग चला। इस दौरान कुछ लोगों को दीक्षा दी गई। करीब एक दर्जन लोगों को सात दिन आश्रम में रखकर नशा छुड़ाने का दावा भी किया गया। राम रहीम ने सत्संग के दौरान प्राकृतिक आपदा आने की भविष्यवाणी भी की। डेरे में भंडारा भी चल रहा था, हालांकि भोजन से ज्यादा भीड़ दुकानों पर दिखाई दी। इस दौरान 'जेन-जी' युवाओं के लिए अलग टीम बनाने और नए सेवादार तैयार करने से जुड़े फॉर्म भी भरवाए जा रहे थे। बताया गया कि सेवादार बनने से पहले संबंधित व्यक्ति की जांच की जाती है। इसके बाद संबंधित क्षेत्र की विंग से पर्ची मिलने पर ही फॉर्म दिया जाता है। एक भक्त के फॉर्म में परिवार और निजी जानकारी मांगी गई थी। पीछे दिए निर्देशों में कहा गया था कि सेवा के दौरान किसी घटना के लिए संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा। दूसरे निर्देश में डेरा प्रेमियों पर ऐसे आरोप नहीं लगाने की बात कही गई थी, जिससे डेरे की प्रतिष्ठा प्रभावित हो।

शाम करीब 5 बजे डेरे से बाहर निकलने पर सड़क किनारे 200 से ज्यादा बसें और पांच हजार से अधिक वाहन खड़े दिखाई दिए। इसी दौरान रात में होने वाली रूबरू नाइट के बारे में जानकारी मिली।

SIR पर चुनाव आयोग में मतभेद की रिपोर्ट खारिज, आयोग बोला- पिछले एक साल के सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए

दो चुनाव आयुक्तों की लिखित आपत्तियों की रिपोर्ट के बाद सियासी घमासान; राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्रक्र) को लेकर आयोग के भीतर मतभेद की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि पिछले एक साल में लिए गए सभी फैसले पूर्ण आयोग की सर्वसम्मति से हुए हैं। आयोग ने कहा कि किसी भी संवैधानिक संस्था में विचार-विमर्श के दौरान अलग-अलग राय, सुझाव और टिप्पणियां आना सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। इनका उद्देश्य पारदर्शिता, कानूनी अनुपालन और चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करना है। यह विवाद द इंडियन एक्सप्रेस की 23 सितंबर की रिपोर्ट के बाद सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब 10 महीनों में आयोग के कुछ फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज की। रिपोर्ट में कहा गया कि इन आपत्तियों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने, नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता आंकड़ों तक पहुंच और चुनावी सॉफ्टवेयर से जुड़े मुद्दे शामिल थे। दोनों आयुक्तों की आपत्तियों की प्रतियां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी भेजी गई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्ढ्रक्र की शुरुआत जून 2025 में बिहार से हुई थी और बाद में इसका विस्तार कई राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों तक किया गया। चुनाव आयोग के अनुसार यह प्रक्रिया मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और शुद्धिकरण से जुड़ी है। आयोग ने अपने स्पष्टीकरण में कहा कि आंतरिक टिप्पणियों या तकनीकी सुझावों को अंतिम निर्णय से अलग करके देखना पूरी प्रक्रिया की तस्वीर पेश नहीं करता। आयोग ने यह भी कहा कि उसके आधिकारिक आदेश कानूनी प्रक्रिया और निर्धारित नियमों के अनुसार जारी किए गए हैं। रिपोर्ट के सामने आने के बाद विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और स्ढ्रक्रको लेकर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने एक वीडियो संदेश में मतदाता सूची और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर चुनाव आयोग को लेकर गंभीर आरोप लगाए। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी आयोग के भीतर स्वतंत्र रूप से काम करने की स्थिति पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट से मामले का संज्ञान लेने की मांग की। आम आदमी पार्टी और अन्य विपक्षी नेताओं ने भी स्ढ्रक्र की प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां सार्वजनिक कीं। चुनाव आयोग के भीतर मतभेद की चर्चा नई नहीं है। 1990 के दशक में तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन और अन्य आयुक्तों के बीच अधिकारों को लेकर विवाद सामने आया था। 2009 में मुख्य चुनाव आयुक्त एन. गोपालस्वामी ने चुनाव आयुक्त नवीन चावला को हटाने की सिफारिश की थी, जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने कुछ आचार संहिता मामलों में बहुमत से अलग राय दर्ज कराने की मांग की थी।मौजूदा विवाद में चुनाव आयोग का कहना है कि आंतरिक विचार-विमर्श और अंतिम निर्णय को एक ही मानना उचित नहीं है तथा स्ढ्रक्रसे जुड़े सभी अंतिम फैसले आयोग ने सर्वसम्मति से लिए हैं।

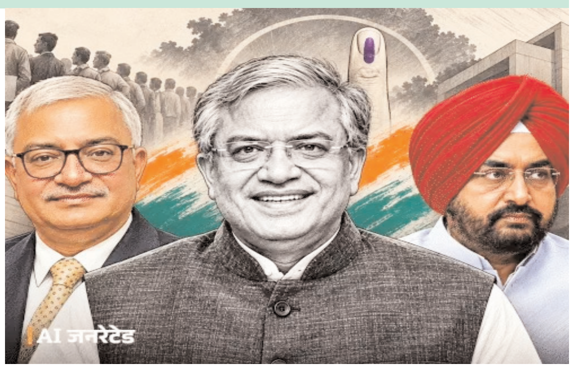

विवेक ओबेरॉय ने ट्रोलिंग को बताया नकारात्मक गतिविधि, बोले- जिंदगी में करने को इतने सकारात्मक काम हैं

सलमान खान के ट्रोलिंग वाले बयान पर बोले विवेक, लोगों से सोशल मीडिया पर नकारात्मक टिप्पणियों से बचने की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को नकारात्मक गतिविधि बताते हुए लोगों से इससे बचने की अपील की है। बॉलीवुड क्रॉनिकल के साथ बातचीत में विवेक से सलमान खान के हालिया ट्रोलिंग संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी। इस पर उन्होंने कहा कि लोगों को ट्रोलिंग करने के बजाय सकारात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए। विवेक ने कहा कि ट्रोलिंग नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह एक नकारात्मक चीज है। उन्होंने सवाल किया कि जब जिंदगी में करने के लिए इतने सकारात्मक काम हैं तो लोगों को नकारात्मक गतिविधियों में क्यों पड़ना चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग, बॉडी-शेमिंग और निजी जिंदगी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर बहस चल रही है। विवेक ओबेरॉय और सलमान खान के बीच विवाद बॉलीवुड के चर्चित विवादों में रहा है। दोनों के बीच तनाव की शुरुआत ऐश्वर्या राय से जुड़े रिश्ते को लेकर हुई थी। वर्ष 2003 में विवेक ओबेरॉय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सलमान खान पर फोन के जरिए धमकाने और परेशान करने के आरोप लगाए थे। विवेक के अनुसार, सलमान ने उन्हें कई बार फोन किया था। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद दोनों के बीच विवाद सार्वजनिक रूप से सामने आया और काफी चर्चा में रहा। बाद के वर्षों में विवेक ने सलमान से माफी मांगने की कोशिश भी की। सलमान खान ने हाल ही में टीवी कार्यक्रम 'बिग बॉस 20' में सोशल मीडिया ट्रोलिंग, बॉडी-शेमिंग और एज-शेमिंग को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि सोशल मीडिया गेमिंग, सामग्री निर्माण और वीडियो संपादन जैसे क्षेत्रों में रोजगार और पहचान का माध्यम बन चुका है, लेकिन इसका नकारात्मक पक्ष ट्रोलिंग भी है। सलमान ने कहा था कि लोगों को किसी के शरीर, वजन, चेहरे, परिवार, उम्र, करियर या निजी जिंदगी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने से पहले सोचना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि किसी व्यक्ति को नहीं पता कि वह निजी तौर पर किन परिस्थितियों से गुजर रहा है। सलमान ने ट्रोलर्स से यह सोचने को कहा कि यदि उनके अपने परिवार के किसी सदस्य के बारे में ऐसी टिप्पणी की जाए तो उन्हें कैसा लगेगा।

ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थान पर बरकरार, सिकंदर रजा वनडे ऑलराउंडर्स में दूसरे नंबर पर; जेमी ओवरटन ने 47 स्थान की छलांग लगाकर शीर्ष-10 में बनाई जगह

आईसीसी रैंकिंग में श्रेयस अय्यर को बड़ा फायदा, 7 स्थान की छलांग के साथ 22वें नंबर पर पहुंचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आईसीसी की नई टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर को शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। उन्होंने सात स्थान की छलांग लगाते हुए 22वां स्थान हासिल कर लिया है। अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 श्रृंखला और जापान के खिलाफ मुकाबले में उनके प्रदर्शन का असर रैंकिंग में देखने को मिला। आईसीसी के हालिया अपडेट में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा भी नजर आया है। टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष-10 में भारत के तीन बल्लेबाज शामिल हैं। ईशान किशन पहले और अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। तिलक वर्मा नौवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के भी तीन बल्लेबाज शीर्ष-10 में जगह बनाए हुए हैं। इस सूची में ईशान किशन शीर्ष स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा भी लगातार दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत बनाए हुए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के जेमी ओवरटन ने सबसे बड़ी छलांग लगाने वाले खिलाड़ियों में जगह बनाई है। उन्होंने 47 स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-10 में प्रवेश किया है। उनकी रेटिंग 674 है, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी है। वहीं पाकिस्तान के अबरार अहमद 736 रेटिंग के साथ टी-20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। वनडे रैंकिंग में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा का प्रदर्शन भी चर्चा में है। वह 276 रेटिंग अंक के साथ वनडे ऑलराउंडर्स की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में उन्होंने अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंतिम दो मुकाबलों में रजा ने 45 और नाबाद 81 रन की पारियां खेलीं और गेंदबाजी में भी तीन विकेट हासिल किए। उनके इस प्रदर्शन से उन्हें वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में भी फायदा मिला और वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 24वें नंबर पर पहुंच गए। आईसीसी की रैंकिंग में 276 अंक के साथ रजा दूसरे स्थान पर दर्ज हैं। इंग्लैंड के विल जैक्स को भी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में बड़ी बढ़त मिली है। वह 35 स्थान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में उन्होंने 46 रन बनाने के बाद पांच विकेट हासिल किए थे। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस भी वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 17वें नंबर पर पहुंचे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले जोश इंग्लिस को बल्लेबाजी रैंकिंग में 11 स्थान का फायदा हुआ है.

स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ भाजपा की प्रभारी की जिम्मेदारी, संगठन में बड़ा फेरबदल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रभारी और सह-प्रभारियों की नियुक्ति की। पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ के साथ हरियाणा का प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में उनके साथ सिद्धार्थ शंभु को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की ओर से जारी नियुक्तियों में कई राज्यों की संगठनात्मक जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्मृति ईरानी की नियुक्ति पर कहा कि उनके अनुभव से संगठन को मजबूती मिलेगी। पार्टी ने उत्तर प्रदेश का प्रभारी विनोद तावड़े को बनाया है, जबकि राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं राजस्थान में संजय भाटिया को प्रभारी नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ में स्मृति ईरानी की नई जिम्मेदारी के बाद राज्य भाजपा संगठन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर भी उनकी जिम्मेदारी पर नजर रहेगी।

ईयरबड्स लगाकर सोने की आदत पड़ गई है? रातभर इस्तेमाल से कानों को हो सकता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। कई लोगों को रात में नींद लाने के लिए ईयरबड्स, ईयरफोन या हेडफोन से संगीत और पॉडकास्ट सुनने की आदत हो जाती है। शुरुआत में यह तरीका आरामदायक लगता है, लेकिन धीरे-धीरे बिना ईयरबड्स के नींद न आने की आदत बन सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, पूरी रात कानों में ईयरबड्स लगाकर सोना कानों और नींद दोनों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। नारायणा अस्पताल, जयपुर के ईएनटी एवं हेड एंड नेक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. दीपांशु गुरनानी के अनुसार, कुछ लोगों को धीमा और शांत संगीत सुनने से आराम मिलता है और नींद आने में मदद हो सकती है। लेकिन तेज आवाज या बार-बार बदलता ऑडियो नींद के दौरान मस्तिष्क को सक्रिय रख सकता है, जिससे नींद की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसके कारण अगले दिन थकान, ध्यान की कमी और चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है। रातभर ईयरबड्स लगाने से कानों पर लगातार दबाव पड़ता है। करवट लेकर सोने पर दर्द और जलन बढ़ सकती है। लंबे समय तक कान ढके रहने से नमी और घर्षण बढ़ने के कारण खुजली और संक्रमण का खतरा भी रहता है। ईयरवैक्स जमा होने से कान बंद लगना, दर्द, घंटी जैसी आवाज या कुछ समय के लिए सुनने में कमी हो सकती है। तेज आवाज में लंबे समय तक संगीत सुनना सुनने की क्षमता पर भी असर डाल सकता है। कान में दर्द, खुजली, पानी निकलना, कान बंद लगना, घंटी या सीटी जैसी आवाज आना अथवा सामान्य आवाजें कम सुनाई देना जैसे लक्षण दिखें तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। रात में ईयरबड्स की बजाय कम आवाज में टाइमर के साथ संगीत चलाना और धीरे-धीरे बिना ईयरबड्स सोने की आदत विकसित करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

मेटा ने लॉन्च किया 'म्यूज' एआई एजेंट, अब डिजिटल काम भी करेगा आपके लिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मेटा ने अपना नया निजी एआई एजेंट 'म्यूज' पेश किया है, जो केवल सवालों के जवाब देने के बजाय उपयोगकर्ता की ओर से कई डिजिटल काम भी कर सकता है। मेटा के अनुसार म्यूज ईमेल भेजने, यात्रा की योजना बनाने और बुकिंग, ऑनलाइन खरीदारी, फॉर्म भरने तथा लंबे समय के लक्ष्यों को कार्ययोजना में बदलने जैसे कामों में मदद कर सकता है। इसे म्यूज एप और वॉट्सऐप के जरिए इस्तेमाल किया जा सकता है। म्यूज को मेटा की सुरक्षित आभासी मशीन पर चलाया जाता है। इसमें उपयोगकर्ता अपने जुड़े हुए एप और सेवाओं की अनुमति खुद तय कर सकता है। संवेदनशील काम, जैसे ईमेल भेजना या खरीदारी करना, करने से पहले अनुमति मांगी जा सकती है। मेटा के मुताबिक पासवर्ड और भुगतान संबंधी जानकारी सुरक्षित भंडारण में रहती है और म्यूज उन्हें सीधे देख नहीं सकता। इसकी गतिविधियों का पूरा लेखा भी उपयोगकर्ता देख सकता है। म्यूज फिलहाल अमेरिका में उपलब्ध कराया जा रहा है। मेटा इसे अपने व्यक्तिगत एआई एजेंट और भविष्य की व्यक्तिगत सुपरइंटेलिजेंस की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बता रहा है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.